THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 192 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.2 2082 बुधवार, 8 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी, जिसमें करूर भगदड़ को लेकर सीबीआई जांच की मांग की गई थी। गौरतलब है कि तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को अभिनेता विजय की रैली के दौरान अचानक भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। चीफ जस्टिस बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने भगदड़ की सीबीआई जांच की मांग वाली भाजपा नेता उमा आनंदन की अपील पर गौर किया।

'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा देश'

> 2024-25 में 1.20 लाख करोड़ के घरेलू सैन्य उपकरण खरीदे गए

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1.20 लाख करोड़ रुपये मूल्य के घरेलू सैन्य उपकरण और हथियार खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि देश सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ ध्यान लगा रहा है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार, युद्ध क्षेत्र के बदलते स्वरूप, खासकर ड्रोन आदि के इस्तेमाल की अहमियत से पूरी तरह वाकिफ है और उसके अनुसार ही अपनी सैन्य तैयारी कर रही है।

घरेलू सैन्य उपकरण खरीद बढ़ी

राजनाथ सिंह ने बताया कि 2021-22 में, घरेलू स्रोतों से हमने करीब 74 हजार करोड़ रुपये के घरेलू सैन्य उपकरण खरीदे, लेकिन 2024-25 के अंत तक, घरेलू स्रोतों से सैन्य खरीद बढ़कर करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि मानसिकता का भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं और इन पहलों के तहत, अब सैन्य उपकरणों की खरीद में घरेलू स्रोतों को प्राथमिकता दी जा रही है।

ड्रोन आदि गैर संपर्क तकनीक की अहमियत बढ़ी :

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत सरकार युद्ध के बदलते स्वरूप से पूरी तरह वाकिफ है। आज का युद्ध पूरी तरह से तकनीक आधारित हो गया है। हमने ऑपरेशन सिंदूर में भी इसका प्रदर्शन देखा।

इसमें हमने पाया कि ड्रोन, ड्रोन-रोधी युद्ध और वायु-रक्षा प्रणालियों जैसे गैर-संपर्क युद्धों का महत्व काफी बढ़ गया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने में रक्षा क्षेत्र की भूमिका अहम है। रक्षा मंत्री ने कहा, हमें महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। साथ ही हमें रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। तीसरा, भारत को अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में आगे ले जाने के लिए, हमें कुछ खास तकनीकों और प्रौद्योगिकी में प्रगति करनी होगी।

'एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं'

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानन मंत्री के. राममोहन नायुडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। मंत्री का यह बयान तब आया है, जब कुछ लोग विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर सवाल उठा रहे हैं। नायुडू ने कहा कि यह जानने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ था, सभी को एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। विमानन मंत्री ने कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है।

'जजों की टिप्पणी की हो रही गलत व्याख्या'

> सीजेआई बीआर गवई ने सोशल मीडिया को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने मंगलवार को अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायाधीशों द्वारा की गईं मौखिक टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। मुख्य न्यायाधीश की ओर से यह बयान उन पर एक वकील द्वारा जूता उछालने की कोशिश के एक दिन बाद आया है।

वकील ने खजुराहो में विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना की याचिका पर पिछले महीने मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी से नाखुश होने का दावा किया था।

सीजेआई ने सुनाया किस्सा :

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश गवई ने एक किस्सा साझा किया। उन्होंने अपने सहयोगी न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन को एक मामले की पिछली सुनवाई के दौरान ऑनलाइन गलत व्याख्या से बचने के लिए कुछ खुले तौर पर टिप्पणियां करने से रोक दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मेरे विद्वान भाई (न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन) को कुछ टिप्पणी करनी थी, मैंने उन्हें धीरज मोर मामले की सुनवाई के दौरान इसे व्यक्त करने से रोक दिया।

वरना इसे सोशल मीडिया पर हमें नहीं पता कि क्या रिपोर्ट किया जाता? मैंने अपने विद्वान भाई से अनुरोध किया कि वे इसे केवल मेरे कानों तक ही सीमित रखें। मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति चंद्रन की पीठ अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

हैदराबाद में वोटर आईडी कार्ड बांट रहा था कांग्रेस नेता

नवीन यादव पर आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पार्टी टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे कांग्रेस नेता नवीन यादव पर मंगलवार को पुलिस ने चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया। एक चुनाव अधिकारी की शिकायत पर, उनके खिलाफ वोटर आईडी कार्ड बांटने और वोटर्स को प्रभावित करने के कथित प्रयास का मामला दर्ज किया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला बीएनएस की धारा 170, 171 और 174 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1) और 123 (2) के तहत भ्रष्ट आचरण से संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। नवीन यादव कांग्रेस पार्टी द्वारा चुने गए तीन उम्मीदवारों में से एक हैं। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उनके नाम को मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

चुनाव आयोग ने की उपचुनाव की घोषणा :

चुनाव आयोग ने 11 नवंबर को जुबली हिल्स पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही सोमवार को हैदराबाद जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। यह पद भारत राष्ट्र समिति के मौजूदा विधायक मगंटी गोपीनाथ के जून में निधन के कारण खाली हुआ था। उपचुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की आख़िरी तारीख 21 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को होगी और 24 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी और चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर 2025 तक पूरी हो जाएगी। बीआरएस ने गोपीनाथ की पत्नी मगंटी सुनीता को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।

यह पहली बार नहीं है जब तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। एक अन्य मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 2015 के कैश-फॉर-वोट कांड में कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन पर विधान परिषद चुनाव के मतदान को प्रभावित करने के लिए एक मनोनीत विधायक को 50 लाख रुपये की रिश्वत देने का आरोप था।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा की अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

बैंगलूरु, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते एचडी देवगौड़ा को बेंगलुरू के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एचडी देवगौड़ा को मंगलवार को संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मणिपाल अस्पताल ने एक बुलेटिन में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में डॉक्टर्स की टीम उन पर निगरानी रख रही है। वहीं पारिवारिक सूत्रों के अनुसार 92 वर्षीय जेडीएस प्रमुख को बुखार था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के तहत हटाए गए मतदाताओं की मांगी जानकारी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार अंतिम चुनावी सर्वेक्षण से बाहर रखे गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा उपलब्ध कराने के लिए कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से बिहार एसआईआर के तहत बाहर रखे गए मतदाताओं का विवरण 9 अक्टूबर देने के लिए कहा है।

भारत पर एक विशेष जिम्मेदारी है : जयशंकर

* वैश्विक दक्षिण के देश प्रेरणा के लिए हमारी ओर देखते हैं *

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने कहा कि 'भारत पर एक विशेष जिम्मेदारी है, क्योंकि वैश्विक दक्षिण के कई देश हमसे प्रेरणा लेते हैं।' उन्होंने यह बात मंगलवार को आयोजित 'ट्रस्ट एंड सेफ्टी इंडिया फेस्टिवल 2025' में कही। यह आयोजन फरवरी 2026 में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के भविष्य पर वैश्विक चर्चा होगी। जयशंकर ने कहा कि भारत आज दुनिया में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक प्रेरणास्रोत बन चुका है, चाहे बात आधार, यूपीआई या डिजिटल गवर्नेंस की हो। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में जिस पैमाने पर जनता तक सेवाएं पहुंचाई हैं और शासन में पारदर्शिता व दक्षता लाई है, वह दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है।

उन्होंने कहा, जब मैं विदेश जाता हूं, तो वहां के नेता मुझसे भारत की डिजिटल सफलताओं की चर्चा करते हैं। अब यह चर्चा एआई के क्षेत्र तक पहुंच चुकी है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल समाज के लिए 'जिम्मेदार एआई' की दिशा में काम करना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने तीन प्रमुख कदम बताए। जिसमें स्वदेशी उपकरण और ढांचे तैयार करना, इन नवाचारों के लिए आत्म-मूल्यांकन प्रणाली बनाना और ठोस दिशा-निर्देश तैयार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि केवल इन कदमों के बाद ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि एआई का विकास, उसका उपयोग और शासन, सभी सुरक्षित और सभी के लिए सुलभ हों।

बदलाव का युग आ चुका है :

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय एक 'महान परिवर्तन के मोड़' पर खड़ी है। जो फैसले आज लिए जाएंगे, वही आने वाले दशकों की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग एआई को अभी भी एक दूर की बात मानते हैं, उन्हें जल्द ही एहसास होगा कि आने वाले कुछ वर्षों में एआई हमारी अर्थव्यवस्थाओं, काम करने के तरीकों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और जीवनशैली. सब कुछ बदल देगा। उन्होंने कहा, एआई नए अवसर तो लाएगा ही, लेकिन इसके साथ नए खिलाड़ी और नई ताकतें भी उभरेंगी। इसलिए जरूरी है कि हम इसका संतुलित और जिम्मेदार नियमन करें।

डिजिटल नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि :

उन्होंने कहा कि एआई का असर हर नागरिक तक पहुंचेगा, इसलिए डिजिटल नागरिकों की सुरक्षा के लिए 'गार्डरेल्स' यानी सुरक्षा सीमाएं तय करना बहुत जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, टेक्नोलॉजी तभी भलाई की ताकत बनती है, जब मानवता उसे सही दिशा देती है।

इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भी यह माना कि भारत न केवल एआई के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, बल्कि विकासशील देशों के लिए एक 'नीति मार्गदर्शक' बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण है, टेक्नोलॉजी सबके लिए, जिम्मेदारी के साथ।

गृह मंत्रालय-सीएपीएफ के कार्यालयों में 79,774 वर्ग फुट स्थान खाली हुआ

निपटाई 40,880 जन शिकायतें

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता को संस्थागत करने और सरकार में लंबित मामलों को कम करने के विजन से प्रेरित होकर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय सक्रिय भागीदार के तौर पर विशेष अभियान चला रहा है। गृह मंत्रालय और इसके संगठनों ने नवंबर 2024 से अगस्त 2025 तक मासिक आधार पर लंबित मामलों को कम करने में सक्रिय रूप से कार्य किया है।

इस दौरान, गृह मंत्रालय/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्यालयों में 79774 वर्ग फुट स्थान खाली किया गया है। इसके अलावा गृह मंत्रालय में आयोजित विशेष अभियान, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कार्यस्थलों पर केन्द्रित है, साथ ही लंबित संदर्भों के निपटारे पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्या : राहुल

> भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण, दलित युवक की पीटकर हत्या

रायबरेली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा-दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है।

राहुल ने मंगलवार को एक्स पर लिखा-संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने। लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है।

रायबरेली में जो हुआ, वह देश पर कलंक :

हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।

राहुल-खड़गे ने लिखा है, देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व। चाहे हाथरस और उन्नाव में महिलाओं के खिलाफ अपराध हों या रायबरेली में हरिओम की हत्या।

कफ-सिरप से दो राज्यों में अबतक 23 बच्चों की मौत

5 राज्यों में कोल्ड्रिफ सिरप बैन, सीबीआई जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीला कफ सिरप पीने से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें मध्य प्रदेश में 2 सितंबर से 19 बच्चों और राजस्थान में 4 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामला सामने आने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और पंजाब ने इस सिरप की बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। इसमें मामले की सीबीआई जांच कराने और देशभर में दवाओं की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग की गई है। एडवोकेट विशाल तिवारी ने याचिका में मांग की है कि कोर्ट सरकार को राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश दे और जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ट जज की निगरानी में हो। वहीं, मामले में तमिलनाडु के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सिरप बनाने वाली कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस दवा को कांचीपुरम की कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स बनाती है। सरकार ने पांच दिन के अंदर कंपनी से जवाब मांगा है।

गुजरात की दो कंपनियों के सिरप में भी जहर :

वहीं, कफ सिरप बनाने वाली गुजरात की दो कंपनियों के सैंपल में भी जहरीले डायएथिलिन ग्लायकॉल (डीईजी) और एथिलिन ग्लायकॉल (ईजी) की मात्रा ज्यादा मिली है। छिंदवाड़ा से 19 दवाओं के सैंपल लिए गए थे। गुजरात की रीलाइफ सिरप और रेस्पिफ्रेस टीआर सिरप में गड़बड़ी मिली है। मध्य प्रदेश में इन दोनों सिरपों के स्टॉक और बिक्री पर बैन लगा दिया गया है। गुजरात सरकार को जांच के लिए लेटर भी लिखा है।

कोल्ड्रिफ की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गड़बड़ियां मिलीं :

इससे पहले तमिलनाडु सरकार की जांच कमेटी को कोल्ड्रिफ बनाने वाली श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गड़बड़ियां मिली थीं। जिन्हें क्रिटिकल और मेजर श्रेणी में रखा गया था।

केंद्रीय कैबिनेट ने 24634 करोड़ की चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

> 894 किलोमीटर बढ़ेगा रेल नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंगलवार को 24,634 करोड़ रुपये की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में मध्य भारत में क्षमता और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रमुख मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइनों का निर्माण शामिल है। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में महाराष्ट्र में 314 किलोमीटर लंबा वर्धा-भुसावल खंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैला 84 किलोमीटर लंबा गोंदिया-डोंगरगढ़ खंड, गुजरात और मध्य प्रदेश को कवर करने वाला 259 किलोमीटर लंबा वडोदरा-रतलाम कॉरिडोर और मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबा इटारसी-भोपाल-बीना खंड शामिल हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों को कवर करने वाली चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर का इजाफा होगा।

स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी आबादी लगभग 85.84 लाख है, और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं।

हाईकोर्ट बोला-भक्तों के साथ धोखा

बचा हुआ सोना शादी में इस्तेमाल होना था, बात मंदिर बोर्ड को पता थी, ये मिलीभगत

तिरुवनंतपुरम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने सबरीमाला मंदिर के दो द्वारपालक की मूर्तियों से गोल्ड चोरी के मामले में चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि केस के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को भेजे ईमेल से पता चलता है कि टीडीबी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान गोल्ड प्लेटिंग चढ़वाने वाला पोट्टी के टीडीबी अध्यक्ष को भेजे ईमेल का जिक्र किया। इसमें उन्होंने लिखा था कि श्रीकोविल के मुख्य द्वार और द्वारपालकों की मूर्तियों पर गोल्ड प्लेट चढ़ाने के बाद उनके पास कुछ सोना बचा है, जिसे वह एक जरूरतमंद लड़की की शादी में टीडीबी के सहयोग से इस्तेमाल करना चाहता है। जस्टिस राजा विजयराघवन वी और जस्टिस केवी जयकुमार की बेंच ने इस मामले की जांच के लिए एक एसआईटी गठित की है।

सबरीमाला विवाद : टीडीबी ने वरिष्ठ अधिकारी को किया निलंबित

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में स्थित प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर में सोने की कथित चोरी को लेकर बड़ा एक्शन लिया गया है। सबरीमाला अय्यप्पन मंदिर का प्रबंधन करने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने मंगलवार को मंदिर की 'द्वारपालक' मूर्तियों पर स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर एक वरिष्ठ अधिकारी को निलंबित कर दिया है। टीडीबी ने एक बयान में कहा कि वर्तमान में उप देवस्वोम आयुक्त (हरिपद) के रूप में कार्यरत बी मुरारी बाबू को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है।

बयान में आगे कहा गया है कि पहाड़ी मंदिर में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत रहते हुए बी मुरारी बाबू ने 17 जुलाई, 2019 को सबरीमाला कार्यकारी अधिकारी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करके एक "गंभीर चूक" की, जिसमें मंदिर के प्रवेश द्वार के दोनों ओर पाई गई स्वर्ण-पल्लवन वाली द्वारपालक मूर्तियों को गलत तरीके से ताम्र-पल्लवन वाली बताया गया था। इससे पहले अलप्पुझा में पत्रकारों से बात करते हुए मुरारी बाबू ने आरोपों से इनकार किया था और कहा था कि टीडीबी ने अभी तक उनसे कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा है। उन्होंने दावा किया, उस समय मैंने मंदिर के तंत्री की राय लेने के बाद प्रक्रियाओं के अनुसार एक प्रारंभिक रिपोर्ट दी थी। उस रिपोर्ट में मैंने लिखा था कि यह एक ताम्रपत्र था... मैंने ऐसा क्यों लिखा? क्योंकि यह एक ताम्रपत्र था। उसमें ताम्रपत्र पूरी तरह से साफ था। इसलिए इसे चढ़ाने का निर्देश दिया गया था।

जहरीले कफ सिरप से 17वीं मौत

छिंदवाड़ा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जहरीला कफ सिरप पीने से सोमवार रात को एक और बच्चे की मौत हो गई। छिंदवाड़ा निवासी नवीन डेहरिया की डेढ़ साल की बेटी धानी डेहरिया ने नागपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

तामिया ब्लॉक के जूनापानी गांव में रहने वाले नवीन डेहरिया का कहना है कि धानी को भी कोल्ड्रिफ सिरप दिया गया था। उसे 26 सितंबर को नागपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराने से पहले परासिया में उसका इलाज डॉ. प्रवीण सोनी ने ही किया था।

इस मौत के साथ ही छिंदवाड़ा जिले में मृत बच्चों का आंकड़ा अब 15 पर पहुंच गया है जबकि कुल संख्या 17 हो गई है। उधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है।

'मुझे कोई अफसोस नहीं, ये सब ऊपर वाले ने कराया'

सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने वाले वकील राकेश किशोर ने कहा है कि वह सीजेआई की टिप्पणी से आहत हैं और उन्हें अपने किए पर कोई अफसोस या पछतावा नहीं है। वकील राकेश किशोर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब भी सनातन धर्म से जुड़े मामले आते हैं तो सुप्रीम कोर्ट ऐसे ही आदेश देता है। सीजेआई पर जूता उछालने की कोशिश के बाद आरोपी वकील राकेश किशोर को निलंबित कर दिया गया है।

'मुख्य न्यायाधीश ने सनातन का मजाक उड़ाया'

वकील राकेश किशोर ने कहा 'मैं आहत था...मैं कोई नशे में नहीं था। ये उनकी कार्रवाई पर मेरी प्रतिक्रिया थी। न तो मैं डरा हुआ हूं और न ही मुझे अपने किए पर कोई अफसोस है। 16 सितंबर को मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने इसका मजाक उड़ाते हुए कहा - जाओ और मूर्ति से प्रार्थना करो और उससे ही अपना सिर वापस लगाने के लिए कहो....। जब हमारे सनातन धर्म से जुड़ा कोई मामला आता है, तो सर्वोच्च न्यायालय ऐसे आदेश देता है।

याचिकाकर्ता को राहत नहीं देनी मत दीजिए, लेकिन उसका मजाक भी न उड़ाएं।'

'संवैधानिक पद की गरिमा रखनी चाहिए'

न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ अपनी कार्रवाई को लेकर निलंबित वकील ने कहा कि 'इतने उच्च संवैधानिक पद पर बैठने वाले सीजेआई को भी सोचना चाहिए। उन्हें 'माई लॉर्ड' शब्द के मतलब को समझना चाहिए और इसकी गरिमा को बनाए रखना चाहिए। आप मॉरीशस जाते हैं तो वहां कहते हैं कि देश बुलडोजर से नहीं चलेगा। मैं सीजेआई से पूछना चाहता हूं कि सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ योगी जी की कार्रवाई गलत है? मैं आहत हूं और आगे भी आहत ही रहूंगा।'

'हो सकता है मैं भी दलित हूं'

वकील राकेश किशोर ने दलित सीजेआई पर जूता उछालने को लेकर हो रही आलोचनाओं पर कहा कि 'मेरा नाम राकेश किशोर है, क्या कोई मेरी जाति बता सकता है? हो सकता है कि मैं भी दलित हूं। सीजेआई बीआर गवई एक दलित हैं और यह एक पक्ष है और इसका फायदा लेने की कोशिश हो रही है। लेकिन वे दलित नहीं हैं। वे पहले सनातनी हिंदू थे, बाद में उन्होंने अपनी आस्था बदल ली और बौद्ध धर्म का पालन करने लगे। अब वे दलित कैसे हैं? ये सिर्फ सोच की बात है।'

'ये सब ऊपर वाले ने मुझसे कराया'

वकील राकेश किशोर ने कहा कि 'न्यायाधीशों को अपनी संवेदनशीलता पर काम करने की जरूरत है।

लाखों मामले लंबित हैं। मैं किसी से माफी नहीं मांगने वाला और न ही मुझे अफसोस है। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। आप मुझसे सवाल कर रहे हैं, लेकिन ये सब ऊपर वाले ने मुझसे कराया।'

खबरें जरा हटके

जन्म लेते ही चीख पड़ी थी मां, हाथों से गायब थे अंगूठे, बड़ा होकर जी रहा ऐसा जीवन

जन्म के ठीक उस पल में जब डॉक्टरों ने नवजात को गोद में लिया, मां की चीख पूरे डिलीवरी रूम में गूंज उठी. कारण? बच्चे के दोनों हाथों में अंगूठे गायब थे. यह कहानी है चीन के 26 वर्षीय क्यूओ अल्बर्स की, जिन्होंने अपनी इस 'कमजोरी' को ताकत बना लिया। आज सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल हो रहे हैं, जहां वे बिना अंगूठों के रोजमर्रा के काम करके दिखाते हैं. इसमें गिलास पकड़ना, बोतल से पानी डालना, यहां तक कि वॉटर बॉटल खोलना तक शामिल है. फॉलोअर्स के सवालों का जवाब देते हुए क्यूओ कहते हैं, 'मैं जीता-जागता उदाहरण हूं कि अंगूठे वैकल्पिक हैं!'

क्यूओ का जन्म चीन में हुआ था. चार महीने की उम्र में उन्हें नीदरलैंड्स में गोद लिया गया. वहां की संस्कृति में घुलमिल जाना आसान नहीं था. बचपन में वे खुद को अलग-थलग महसूस करते थे, खासकर स्कूल में जहां बच्चे उनके हाथों पर सवाल उठाते थे. अपना अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने बताया- 'मैं असुरक्षित महसूस करता था. लोग घूरते थे और पूछते – ये क्या है?' लेकिन यूरोप भर में यात्राओं ने उनका कॉन्फिडेंस बढ़ाया. विभिन्न देशों में लोगों से मिलना-जुलना, अपनी चाइनीज हेरिटेज से जुड़ना, इन सबने उन्हें मजबूत बनाया. अब वे चीन लौट आए हैं, जहां वो इंग्लिश टीचर की जॉब करते हैं. इसी के साथ लोगों के साथ अपनी लाइफ ऑनलाइन शेयर करते हैं. उन्होंने बताया कि लोगों ने उनसे पूछा था कि वो बिना अंगूठे के ये सारे काम कैसे कर लेते हैं. लेकिन ये देखो, मैं ये ऐसे करता हूं. उनके एक वीडियो में 67 लाख से ज्यादा व्यूज हैं, जहां वे हिचहाइकिंग का मजाक उड़ाते नजर आए. उन्होंने कहा 'मैं सब कुछ कर सकता हूं, सिवाय थंब से साइनल देने के!' उनके फॉलोअर्स कमेंट करते हैं, 'प्रिंगल्स कैन खोलने में तो तुम हमसे बेहतर हो!'

वोट देने का अजीब तरीका, कुत्ते के नाम पर वोट डाल आई महिला

जब सच आया सामने तो पुलिस ने लगा दी क्लास!

भारत में किसी और के नाम पर वोट डालना कोई कहानी नहीं, बल्कि एक सच्चाई है जिसे हम हमेशा से खबरों और चुनावी शिकायतों में देखते हैं. कई बार लोग परिवार, पड़ोसी या बुजुर्गों के नाम पर वोट डाल देते हैं, या फर्जी मतदाता सूचियों के जरिए धोखाधड़ी करते हैं. कभी यह राजनीतिक फायदे के लिए होता है, तो कभी सिस्टम की कमजोरियों का नतीजा. लेकिन, आज हम आपको अमेरिका के कैलिफोर्निया से सामने आई एक घटना के बारे में बताने जा रहे हैं. जहां एक 62 साल की महिला ने अपने पालतू कुत्ते को वोटर के तौर पर रजिस्टर करवाया और दो बार उसके नाम वोट डाल दिया! अब इस हरकत के चलते महिला पर कई गंभीर अपराधों के आरोप भी लगाए गए हैं. कैलिफेर्निया की रहने वाली लॉरा ली युरेक्स नाम की महिला पर आरोप है कि उसने अपने कुत्ते "माया जीन युरेक्स" के नाम से वोट डलवाए. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यह घटना दो अलग-अलग चुनावों के दौरान हुई, पहला 2021 का कैलिफोर्निया गवर्नर रिकॉल चुनाव, जिसमें गवर्नर गैविन न्यूसम को हटाने का प्रस्ताव था. दूसरा 2022 का प्राइमरी चुनाव. एससीएमपी के अनुसार, ऑरेंज काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी की प्रवक्ता किम्बरली एड्स ने बताया कि, पहले चुनाव में माया का वोट गिना गया, लेकिन दूसरे में बैलेट रिजेक्ट कर दिया गया. कैलिफ़ोर्निया में राज्य चुनावों में वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए कोई पहचान पत्र या निवास प्रमाण जरूरी नहीं होता.

असली जिंदगी में कभी नहीं मिले, फिर भी आ रहे मिलते-जुलते सपने, एक जैसे मॉल में टहलने जाते हैं अजनबी!

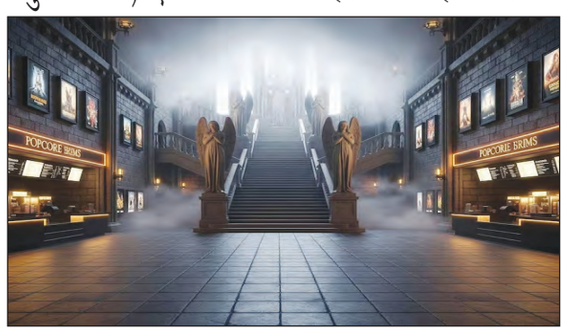

क्या ये संभव है कि आपको जो सपने आ रहे हैं, वही सपने आपके परिवार में किसी और को आएं. या फिर सपने में आप जिस मॉल में हैं, वहां पर आपका दोस्त भी आपको मिल जाए? आपको लगेगा कि ये तो किसी फिल्म की कहानी है, पर सोशल मीडिया पर लोगों का दावा कि वो ऐसा ही कुछ अनुभव कर रहे हैं. मगर परिवारवालों के साथ नहीं, बल्कि पूरी तरह अनजान लोगों के साथ...दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक कम्युनिटी बनाई गई है जिससे जुड़े लोगों का दावा है कि वो किसी मॉल जैसी जगह पर सपनों में गए हैं. हैरानी इस बात की है कि कम्युनिटी में मौजूद सभी लोग मिलती-जुलती जगह पर सपनों में गए हैं.

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक अजीब और दिलचस्प चर्चा चल रही है, हजारों लोग दावा कर रहे हैं कि वे बार-बार एक जैसे "मॉल वर्ल्ड" नामक सपने देखते हैं. इन सपनों में वे किसी विशाल भूलभुलैया जैसे मॉल, थीम पार्क, स्कूल, क्रूज़ शिप या अपार्टमेंट जैसी जगहों पर घूमते रहते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इन लोगों का आपस में कोई संबंध नहीं, फिर भी उनके सपनों के दृश्य आश्चर्यजनक रूप से मिलते-जुलते हैं. "द मॉल वर्ल्ड" नामक यह रहस्यमयी सपना लोगों के बीच इतना लोकप्रिय हो गया है कि इसके लिए रेडिट पर एक विशेष कम्युनिटी बनाया गया है, जहां हर हफ्ते 3,600 से अधिक लोग अपने अनुभव साझा करते हैं. इस कम्युनिटी के संस्थापक ने लिखा, "मैंने यह पेज सिर्फ यह जानने के लिए बनाया था कि क्या मैं अकेला हूं जिसे ऐसे सपने आते हैं लेकिन अब यह उम्मीद से कहीं बड़ा हो गया है." न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार टिकटॉक पर इस विषय पर हुई चर्चा ने इसे और वायरल बना दिया.

अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में टाइप-7 बंगला अलॉट

नया पता-95 लोधी एस्टेट; सीएम आवास छोड़ने के बाद पार्टी सांसद के घर रहते थे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में नया बंगला अलॉट हुआ है। इसका पता 95 लोधी एस्टेट है, ये टाइप 7 बंगला है। हालांकि आप ने केजरीवाल के लिए टाइप-8 बंगले की डिमांड की थी।

पिछले साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद 17 सितंबर को केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। 4 अक्टूबर को परिवार समेत 6, फ्लैग स्टाफ मार्ग स्थित सीएम हाउस (बंगला) खाली करके लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हुए थे। ये बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को अलॉट है। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए सरकारी आवास का कोई प्रावधान नहीं है। इसी वजह से आप ने अपनी नेता के लिए वैकल्पिक आवास के लिए कोर्ट का रुख किया था। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से संपदा निदेशालय को केजरीवाल के लिए आधिकारिक आवास अलॉट करने की मांग की थी।

हमले में घायल बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू के चेहरे की होगी सर्जरी

> मामले में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

कोलकाता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के नागरकट्टा इलाके में राहत कार्यों का दौरा कर रहे भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलिगुड़ी विधायक शंकर घोष पर बीते मंगलवार को स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया।

इस हमले में भाजपा सांसद को गंभीर चोट लगी है, उनकी स्थिति गंभीर है और उन्हें चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें आंख के नीचे हड्डी टूटने की भी जानकारी मिली है। अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुर्मू आईसीयू में इलाजरत हैं और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। उन्होंने कहा, 'उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। हमें उनकी स्थिति लगातार मॉनिटर कर रहे हैं और फिलहाल स्थिर पाए गए हैं।' अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने मामले में आगे बताया कि सांसद मुर्मू को चोटों के

इलाज के लिए सर्जिकल इंटरवेंशन की आवश्यकता पड़ सकती है। डॉक्टर उनकी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। वहीं, विधायक शंकर घोष का स्वास्थ्य भी स्थिर है और उनका भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने आठ लोगों पर दर्ज किया केस

इस हमले के बाद पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि घटना का वीडियो फुटेज प्राप्त हुआ है और आरोपी की पहचान की जा रही है। इस मामले में भाजपा का आरोप है कि सांसद मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हमला स्थानीय लोग और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने किया।

शंकर घोष ने कहा कि उन्हें 'मुक्का मारकर और पत्थर फेंककर घायल किया गया'। इस घटना ने राजनीतिक विवाद भी खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस को ऐसी मुश्किल परिस्थितियों में लोगों की मदद करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि हिंसा में उलझने पर। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर प्राकृतिक आपदा का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर लगाए आरोप

भाजपा का कहना है कि उनके नेता बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाने गए थे, लेकिन उन्हें हिंसक लोगों ने रोक दिया। विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने हमलावरों की तस्वीरें जारी कर तृणमूल कांग्रेस पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'बाढ़ प्रबंधन के तहत बंगाल को 1290 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए गए'

ममता के आरोप पर केंद्र का जवाब

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाढ़ प्रबंधन और नदी सफाई को लेकर लगाए गए भेदभाव के आरोपों को खारिज कर दिया। सरकार ने कहा कि भारत पहले से ही भूटान के साथ सीमापार नदी संबंधी मुद्दों पर निकटता से काम कर रहा है और राज्य को बाढ़ प्रबंधन योजनाओं के तहत 1,290 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए जा चुके हैं।

सीएम ममता बनर्जी ने क्या लगाए थे आरोप?

उत्तर बंगाल में सोमवार को हुई भारी बारिश ने कई इलाकों में तबाही मचाई, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र उनकी मांग पर इंडो-भूटान नदी आयोग नहीं बना रहा है और अगर ऐसा नहीं हुआ तो उत्तर बंगाल बार-बार बाढ़ की त्रासदी सहता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र बाढ़ प्रबंधन के लिए कोई फंड नहीं देता और गंगा सफाई योजना को भी रोक दिया गया है।

ममता के आरोप पर केंद्र का जवाब

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में स्पष्ट किया कि भारत और भूटान के बीच पहले से ही संयुक्त विशेषज्ञ समूह (जेजीई), संयुक्त तकनीकी टीम (जेटीटी) और संयुक्त विशेषज्ञ टीम (जेईटी) जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं हैं। ये टीमें उत्तर बंगाल में नदी कटाव, तलछट जमा होने और अचानक बाढ़ जैसे मुद्दों को लेकर काम करती हैं। मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारी भी इन संयुक्त टीमों में शामिल हैं।

हाल ही में भूटान के पारो में आयोजित 11वीं जेजीई बैठक में, राज्य में प्रवेश करने वाली आठ अतिरिक्त नदियों, जैसे हाशिमारा झोरा, जोगिखोला, रोकिया, धवला झोरा, गाबूर बसरा, गाबूर ज्योति, पाना और रईडक (प्रथम और द्वितीय), का नदी कटाव और तलछट पर संयुक्त अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। अब पश्चिम बंगाल सरकार को इन नदियों पर विस्तृत अध्ययन करना होगा और इसे साल के अंत में जेटीटी बैठक में प्रस्तुत करना होगा। केंद्र ने यह भी बताया कि भूटान के जल विज्ञान अवलोकन नेटवर्क को मजबूत करने का काम चल रहा है ताकि भारत में बहने वाली नदियों में बाढ़ की सही समय पर भविष्यवाणी की जा सके।

फंडिंग और गंगा सफाई पर स्थिति

केंद्र ने स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं से संबंधित कोई भी फंडिंग प्रस्ताव लंबित नहीं है।

पश्चिम बंगाल को फ्लड मैनेजमेंट और बॉर्डर एरियाज प्रोग्राम (एफएमबीएपी) के तहत 1,290 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। गंगा सफाई योजना को लेकर ममता बनर्जी के आरोपों का जवाब देते हुए मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम बंगाल में गंगा और नमामी गंगे कार्यक्रम के तहत 62 परियोजनाएं (कुल लागत 5,648.52 करोड़ रुपये) संचालित की जा रही हैं। इनमें से 31 परियोजनाएं सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी हैं और 30 परियोजनाएं घाट और चिता स्थल से संबंधित हैं।

बारिश-भूस्खलन से हुई तबाही का जायजा लेने दार्जिलिंग पहुंचे रिजिजू

> एमपी-एमएलए पर हमले को लेकर टीएमसी को घेरा

दार्जिलिंग, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से हुई जनहानि का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू दार्जिलिंग पहुंच गए हैं। वहीं उन्होंने जलपाईगुड़ी जिले के नगारकाटा में पार्टी नेताओं पर हमले के बाद सुरक्षा को लेकर प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि वह पहाड़ी क्षेत्रों में हुई बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आंकलन करने आए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री की ओर से मैं बाढ़ प्रभावित लोगों और मृतक परिवारों से मिलने आया हूं। नुकसान का आकलन कर मैं प्रधानमंत्री को रिपोर्ट दूंगा।'

भाजपा नेताओं पर हमले को लेकर टीएमसी को घेरा

वहीं उन्होंने भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'लोकसभा अध्यक्ष ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। अगर रिपोर्ट में देर होती है, तो हम नियमों के अनुसार प्रिविलेज मोशन के तहत कार्रवाई करेंगे। यह सिर्फ सांसद और विधायक का मामला नहीं है, हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।'

आज भाजपा नेताओं से मुलाकात करेंगे राज्यपाल

इस बीच, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस मंगलवार को सिलीगुड़ी के मैतीगरा इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती घायल भाजपा नेताओं से मिलने जाएंगे। इस हमले पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा, 'जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों, सांसदों और विधायकों पर हमला बेहद चौंकाने वाला और स्तब्ध करने वाला है, ऐसा लोकतंत्र में कभी नहीं होना चाहिए था... बंगाल जैसे प्रबुद्ध राज्य में इसे जारी रहने नहीं दिया जा सकता। यह बेहद चौंकाने वाला है कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। पुलिस से भारत के संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन वे मिलीभगत कर रहे हैं और अपना कर्तव्य नहीं निभा रहे हैं। यह बहुत दुखद स्थिति है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं सुनिश्चित करूंगा कि 24 घंटे के भीतर अपराधी पकड़े जाएं। अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'

भाजपा के सांसद-विधायक पर हुआ हमला

बता दें कि मलकानगंज उत्तर सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी विधायक शंकर घोष नगारकाटा में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे, तभी भीड़ ने उन पर हमला किया। राज्यपाल और केंद्रीय नेतृत्व इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त कर रहे हैं और प्रभावित लोगों की सुरक्षा व राहत कार्यों पर ध्यान देने का आश्वासन दे रहे हैं।

हरियाणा के 3 और युवक रूस आर्मी में फंसे

स्टडी के लिए गए, कुक की नौकरी बता आर्मी ने थमाए हथियार; बंकर में रह रहे

रोहतक, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। फतेहाबाद के 2 युवकों के बाद अब हरियाणा के 3 और युवकों के रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे होने का मामला सामने आया है। इन्हीं में से एक रोहतक के जेठपुर (तैमूरपुर) गांव के 29 वर्षीय संदीप ने परिजनों को वीडियो भेजकर इसकी जानकारी दी और बचाने की गुहार लगाई। इन युवकों को भी यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में झोंक दिया गया है।

संदीप के साथ सोनीपत, अंबाला और यूपी के युवक भी रूस गए थे। संदीप स्टडी वीजा पर 23 सितंबर 2024 को गया था। वहां पढ़ाई के साथ-साथ रेस्टोरेंट में नौकरी कर रहा था। इसी बीच वहां आर्मी में उसे कुक की नौकरी बताकर जॉइन करवा दिया। फिर उसके हाथ में हथियार थमा दिए। संदीप के मामा श्रीभगवान ने बताया कि चरखी दादरी के एजेंट को 6 लाख रुपए भी दिए थे। रूस में संदीप एक रेस्टोरेंट में काम करता था। अब सेना ने उसे हथियार थमा दिए और यूक्रेन की कब्जाई जमीन पर भेजा हुआ है, जहां से सिटी केवल ढाई किलोमीटर दूर है।

तृतीय पुण्यतिथि

भावांजली

स्व. श्री महावीरप्रसादजी सिंघानिया

(सुपुत्र : स्व. झूथरमलजी सिंघानिया)

स्वर्गवास : दि.8-10-2022

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो ।
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

श्रीमती संतोष देवी अग्रवाल (धर्मपत्नी),
CA हरि गोविन्द प्रसाद–वनीता अग्रवाल | गोपाल प्रसाद–आरती अग्रवाल | राजेश कुमार–रेखा अग्रवाल (पुत्र–पुत्रवधु)
अभिषेक आस्ट्रेलिया, मनन, उषभ, वर्धन (पौत्र), मेघना, तमन्ना (पौत्रियाँ) एवं समस्त सिंघानिया परिवार
संगीता–राजगोपाल बगड़िया ताण्डूर | नमृता कन्हैयालाल बागला (पुत्री–दामाद)
विधी–पियूष अग्रवाल अयोध्या | एकता–शिवम् अग्रवाल | तृप्ति–शशांक अग्रवाल लखनऊ | मुस्कान–धीरेन आस्ट्रेलिया (पौत्री–दामाद)
रोहित बगड़िया, कृष्णा बागला, प्रणय बागला (दोयते), विधिशा–अक्षय अग्रवाल (दोयती–दामाद), महक बागला (दोयती)
पूर्वांशी बगड़िया, गणविका अग्रवाल (पड़दोयती), दर्षिल बगड़िया, सिद्धविक अग्रवाल (पड़दोयता)

फर्म : **झूथरमल महावीरप्रसाद सिंघानिया**

16-11-405/63, SBI कॉलोनी, मूसारामबाग, हैदराबाद ✆ 92461 52040, 93471 73155

Hari Govind & Co.
Chartered Accountants
Moosarambagh, Hyderabad

Harigopal Enterprises
Diwan Devdi, Hyd.

Harigopal Trading Co.
Rikab Gunj, Hyd.

Chamundeshwari Traders
Rikab Gunj, Hyd.

R.R. Textiles
Ghansi Bazar, Hyd.

Jutharmal Mahaveerprasad Singhania Charitable Trust

गौरीशंकर संघी एडवोकेट (साले)

गुरुप्रसाद संघी (भतीजा), मकरंद संघी, मृगेन्द्र संघी, मन्नु संघी (पौत्र) एवं संघी परिवार

फर्म : **श्यामसुन्दरलाल गौरीशंकर संघी** एडवोकेट

BHAVES

एनडीए नेताओं का लालू प्रसाद यादव के पोस्ट पर पलटवार

कहा-हार के डर से बौखलाए

पटना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के सोशल मीडिया पोस्ट 'छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह' पर एनडीए नेताओं ने जोरदार पलटवार किया है। नेताओं ने कहा कि लालू हार के डर से बौखला गए हैं। बिहार की जनता ने फिर से नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने का फैसला कर लिया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव कितना भी कोशिश कर लें, बिहार की जनता एनडीए के साथ है। 14 नवंबर को परिणाम आएगा, जो बच्चों का दिन (बाल दिवस) भी है। उस दिन लालू यादव को पता चल जाएगा कि बच्चा, बच्चा ही रहता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि 6 नवंबर को पहले चरण का मतदान, 11 नवंबर को दूसरा चरण और 14 नवंबर को परिणाम। साल 2025 चल रहा है, सभी को जोड़ें तो 56 बनता है। यह 56 इंच का सीना बिहार में मजबूती से चलेगा। नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। बाल दिवस पर दोनों 'बाल बुद्धि युवराज' अपना गेम खेलते रहेंगे, लेकिन जनता एनडीए को चुनेगी। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि लालू यादव और अन्य विपक्षी नेता कटाक्ष कर मन बहला रहे हैं। एनडीए गठबंधन फिर से सत्ता में आएगा। पार्टी ने चुनाव अभियान शुरू कर दिया है। बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव की हार होगी। भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा कि लालू यादव सजा काट चुके हैं। वे भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। चारा घोटाला उनके नाम से जाना जाता है। उन्हें ऐसी बातें करने में शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनडीए जीतेगी और बिहार में विकास की गाथा लिखेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 20 साल से विकास की लहर है। तेजस्वी यादव सपने देख रहे हैं, लेकिन उनके सपने पूरे नहीं होंगे। लालू और तेजस्वी 'मन की बात' करते हैं, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया है।

बीजेपी नेता ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों से की गाली-गलौज, तेरी वर्दी उतरवा दूंगा

कानपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में नो-सिग्नल में स्कॉर्पियो गाड़ी रोकने पर बीजेपी नेता भड़क गया। उसने ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड को गालियां देते हुए धमकी दी। कहा- तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरी गाड़ी रोकने की। तेरी वर्दी न उतरवा दी तो मेरा नाम धीरेंद्र सेंगर नहीं।

मैं भाजपा सांसद भोले सिंह का भतीजा हूं। बुला किस अधिकारी को बुलाएगा, सबको औकात दिखाता हूं। होमगार्ड ने बताया कि खुद को सांसद का रिश्तेदार बताने वाले ने मेरा कॉलर पकड़ा। मेरी वर्दी उतरवाने की धमकी दी। बताया कि इस पूरे घटना की जानकारी मैंने डीसीपी और एडीसीपी ट्रैफिक को दी है। मंगलवार को कल्याणपुर क्रॉसिंग के पास होमगार्ड अजय कुमार सिंह ट्रैफिक को कंट्रोल कर रहे थे।

बिहार विधानसभा 2025 से पहले गयाजी में फैली सनसनी

जन सुराज नेता पर हुआ जानलेवा हमला

गयाजी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा 2025 चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से चुनावी हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसी क्रम में गयाजी के जन सुराज नेता और नगर निगम पार्षद गजेंद्र सिंह पर बाइक सवार अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। घटना में अपराधियों ने स्कॉर्पियो वाहन पर गोली चलाई, जिसमें एक गोली वाहन को लगी और दो गोलियां चूक गईं। हालांकि, नेता बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, गजेंद्र सिंह सोमवार की देर रात गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र से अपने वाहन से लौट रहे थे। वे उस दौरान एक परिचित से मिलने गए थे। इसके बाद वह अपने आवास एपी कॉलनी लौट रहे थे। चंदौती रोड में, एलआईसी कार्यालय के पास, बाइक सवार अपराधियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान गजेंद्र सिंह ने वाहन को तेज रफ्तार में भगाया और रामपुर थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

काशी में उमड़ी आस्था की भीड़, गंगा स्नान और बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु

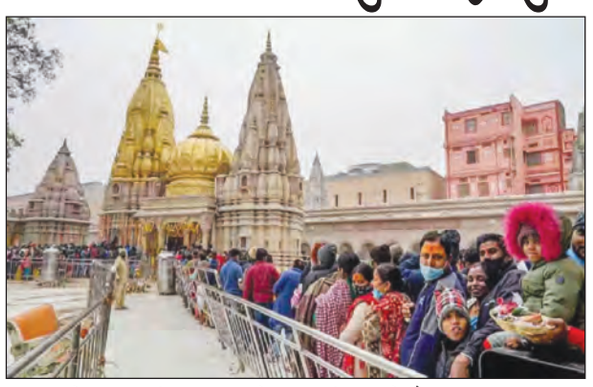

वाराणसी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को गंगा के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर को मनाई गई। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि है। इस बार पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को शाम 8:49 बजे शुरू हुई और 7 अक्टूबर 2025 को सुबह 9:18 बजे तक रही।

मंगलवार तड़के भक्तों ने मां गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जन किया और बाबा श्री काशी विश्वनाथ, मां अन्नपूर्णा और संकट मोचन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालु इस पवित्र दिन पर मां लक्ष्मी और कुबेर की विशेष पूजा में शामिल हुए।

शरद पूर्णिमा को शारदीय नवरात्रि का समापन और कार्तिक मास की शुरुआत से पहले का आखिरी दिन माना जाता है। इस दिन स्नान और दान का विशेष महत्व है, जिससे सुख-समृद्धि की कामना पूरी होती है। हालांकि इस बार गंगा में जलस्तर बढ़ने के कारण भीड़ पिछले वर्षों की तुलना में कम रही। श्रद्धालु प्रेम कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "मैंने गंगा में स्नान किया और अब बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रहा हूं। यहां आकर मुझे जो आनंद मिला, उसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता।"

अर्चना शर्मा ने कहा, "मैं प्रार्थना करती हूं कि भगवान सबका भला करें, विश्व में शांति हो और आतंक, बाढ़, प्रलय जैसी आपदाएं खत्म हों। गंगा स्नान और दर्शन के बाद मुझे बहुत शांति मिली है। यहां आकर सारे दुख भूल गए हैं।" गजानंद पांडे ने बताया, "शरद पूर्णिमा का स्नान और दान परिवार में सुख-समृद्धि लाता है। गंगा स्नान के बाद हम बाबा विश्वनाथ के दर्शन करते हैं। इस बार जलस्तर बढ़ने से भीड़ कम है वरना हर साल घाटों पर भारी भीड़ होती थी।" संजीव ने कहा, "काशी पावन नगरी है। यहां आकर दैवीय आनंद की अनुभूति होती है। कल शाम से यहां हूं और मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।"

पुलिस और प्रशासन ने घाटों और मंदिरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सफाई और अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं। स्थानीय लोग और पुजारी इस पर्व को काशी की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा मानते हैं। काशी में इस अवसर पर आध्यात्मिक माहौल और भक्ति की लहर देखनी लहर देखने को मिली।

आप नेताओं को पुलिस ने घर और दफ्तर पर रोका

संजय सिंह बोले-तानाशाही के खिलाफ आवाज नहीं रुकेगी

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राजधानी लखनऊ से बरेली जाने के लिए निकला तो कार्यालय गेट पर पुलिस से सामना हुआ। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें जाने से रोका। लेकिन, आप कार्यकर्ता जाने पर अड़े रहे। इस पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान देखी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने आप नेता नदीम अशरफ और सरबजीत मक्कड़ को हाउस अरेस्ट किया। जबकि, इमरान लतीफ को गोमती नगर स्थित पार्टी कार्यालय पर रोक लिया गया। पार्टी नेताओं के बरेली जाने की सूचना पर पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क था। पार्टी कार्यालय पर सुबह से ही पुलिस तैनात हो गई। दूसरी तरफ पूर्व विधायक दिलीप पांडेय अपने दिल्ली आवास से दोपहर 2 बजे बरेली के लिए निकलेंगे। हालांकि, उनको भी पुलिस जाने देगी, इसकी कम संभावना है। वहीं पार्टी ने इस मामले में प्रदेश सरकार की नीति को दमनकारी बताते हुए, आगे भी अपना विरोध जारी रखने की घोषणा की है।

नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट-संजय सिंह

आप कार्यकर्ताओं को कार्यालय और घर में रोका गया तो सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते सरकार को घेरा। उन्होंने लिखा कि 'न कोई आदेश है, न कोई कानून। यूपी पुलिस मनमानी तरीके से लोकतांत्रिक ढंग से आवाज उठाना भी बंद कर रही है। बरेली के पीड़ितों से मिलने की भी इजाजत नहीं है। यहां नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट है।' सजंय सिंह ने आगे लिखा कि 'बौद्ध प्रांत के अध्यक्ष इमरान लतीफ, अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल और मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे, अभिषेक सिंह को पुलिस ने बिना किसी आदेश के रोका है। तानाशाही के खिलाफ आप की आवाज को रोका नहीं जा सकता है।'

पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोका बताते चलें कि बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए बवाल के बाद सूबे में सियासत जारी है।

बाढ़ के पानी में डुबोकर बुजुर्ग मां को मारा

हरदोई/हमीरपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में रिश्तों का कत्ल करने वाली दो घटनाएं सामने आई हैं। एक मामला हरदोई जिले में हुआ है, जबकि दूसरी वारदात हमीरपुर में अंजाम दी गई है। हरदोई के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के इसरापुर गांव में रविवार रात शराबी पुत्र ने लकवा ग्रस्त बुजुर्ग मां को बाढ़ के पानी में डुबोकर मार डाला। हत्या के बाद आरोपी ने शव को खींच कर चारपाई पर डाल दिया। ग्रामीणों की जानकारी पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसरापुर निवासी सुशीला देवी (75) के पति पुत्तीलाल की चार साल पहले मौत हो गई थी। सुशीला के दो पुत्र थे। बड़े पुत्र रामकिशोर की 18 साल पहले मौत हो चुकी है। रामकिशोर की मौत के कुछ माह बाद उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी अपने दो बेटे और एक बेटी के साथ चंडीगढ़ चली गई थी। सुशीला का छोटा पुत्र सुनील (45) भी लक्ष्मी के साथ चला गया था।

वाल्मीकि जयंती : लखनऊ में सीएम योगी बोले

जो लोग भगवान राम को गाली देते हैं, वे महर्षि वाल्मीकि का भी अपमान करते हैं

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। योगी सरकार ने इस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सरकार की तरफ से वाल्मीकि से जुड़े सभी मंदिरों और स्थलों पर रामायण पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति गीत, भजन और दीप प्रज्वलन समारोह सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हाल में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि 'जो लोग भगवान राम को गाली देते हैं, वे भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं। जो लोग भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं, वे भगवान राम का भी अपमान करते हैं।' उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे।

सीएम ने अपने संबोधन में आगे कहा कि वाल्मीकि समाज बहुत प्रभावी है। वाल्मीकि के नाम पर देश का पहला इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या में बना है। राम मंदिर परिसर में जिन सप्तऋषियों का मंदिर बन चुका है, उसमें एक मंदिर भगवान वाल्मीकि का भी है। यह सभी कार्य डबल इंजन सरकार के समय में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो राम पर विश्वास नहीं करते, रामभक्तों पर गोली चलवाते हैं। उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती है। वे वही कार्य करेंगे, जिससे समाज में विघटन हो। सीएम ने अपील की है कि महर्षि वाल्मीकि व भगवान राम के महत्व के बारे में समाज को बताएं। भक्ति भाव जितनी मजबूती से बढ़ेगा, समाज उतना ही सशक्त होगा। क्योंकि, सशक्त समाज ही आत्मनिर्भर बनता है। वही विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दे पाएगा।

यह लोग रहे मौजूद

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, बृजलाल, अनूप प्रधान 'वाल्मीकि', पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

कांशीराम के नाम पर सपा-कांग्रेस का छलावा, जातिवादी सोच उजागर : मायावती

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम को लेकर सपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक और बहुजन मूवमेंट के प्रणेता कांशीराम के प्रति इन दोनों दलों का रवैया शुरू से ही घोर जातिवादी और द्वेषपूर्ण रहा है। मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि देश में जातिवादी व्यवस्था के शिकार करोड़ों दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े बहुजनों को शोषित से शासक वर्ग बनाने के बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के मिशनरी आत्मसम्मान आंदोलन को नई दिशा देने वाले कांशीराम के प्रति विरोधी पार्टियों, खासकर सपा और कांग्रेस, का रवैया हमेशा से जातिवादी और द्वेषपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख द्वारा आगामी 9 अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी आयोजित करने की घोषणा "मुँह में राम, बगल में छुरी" कहावत को चरितार्थ करती है।

दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और आम्रपाली दुबे के खिलाफ कोर्ट में मामला दर्ज

तिरहुत-मुजफ्फरपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में भोजपुरी फिल्म स्टार और बीजेपी के आजमगढ़ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ तथा अभिनेत्री आम्रपाली दुबे के खिलाफ सिविल कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने मुजफ्फरपुर शहर में आयोजित एक मॉल के उद्घाटन समारोह के दौरान सड़क जाम की स्थिति पैदा कर दी, जिससे आम लोगों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

यह मामला सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा द्वारा दर्ज कराया गया है। कोर्ट ने परिवाद को स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई की तिथि 18 अक्टूबर 2025 तय की है। दरअसल, 4 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर शहर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र स्थित कलमबाग चौक के पास एक मॉल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बीजेपी सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ तथा अभिनेत्री आम्रपाली दुबे को बुलाया गया था।जैसे ही दोनों स्टार मॉल उद्घाटन के लिए पहुंचे, उन्हें देखने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान आयोजकों और दोनों कलाकारों के कारण सड़क जाम की स्थिति बन गई।

इससे कई बीमार लोग और आम नागरिक घंटों फंसे रहे। यहां तक कि मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंसें भी ट्रैफिक जाम में फंस गईं। करीब एक घंटे तक लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। बाद में दोनों कलाकारों के कार्यक्रम स्थल से जाने के बाद स्थिति सामान्य हो सकी। घटना के बाद अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने इस पूरे मामले में मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट में अपराधिक परिवाद दर्ज कराया। परिवाद में निरहुआ और आम्रपाली दुबे के साथ-साथ तीन अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223, 189(6), 191(1), 190, 61(1), 280, 272, 298, और 199(बी) के तहत दर्ज किया गया है। परिवादी सह अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने कहा कि मॉल उद्घाटन का आयोजन "बेहद खतरनाक और जानलेवा" तरीके से किया गया था। उन्होंने कहा कि "इस तरह की स्थिति में तमिलनाडु जैसी भगदड़ की घटना भी हो सकती थी।"

चुनाव की घोषणा के साथ भाजपा ने दिया नया नारा

पटना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सीएम नीतीश कुमार को बड़ा भाई बनाकर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ी थी। जनता दल यूनाईटेड को 43 सीट आने पर भी भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही बनाया था।

इस बार चुनाव से पहले विपक्ष लगातार यह कह रहा है कि चुनाव के बाद भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। लेकिन, भाजपा के वरिष्ठ नेता हमेशा कहते हैं ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही इस बार भी चुनाव लड़ेगी। इस बात को भाजपा ने और पुख्ता कर दिया। एक नया नारा देकर। बिहार चुनाव की घोषणा होते ही भारतीय जनता पार्टी ने नया 25 से 30, हमारे दो भाई नरेंद्र और नीतीश। यानी

25 से 30, हमारे दो भाई नरेंद्र और नीतीश

2025 से 2030 तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे।

'बिहार में जारी रहेगी विकास की तेज रफ्तार'

भाजपा ने सोशल मीडिया पर भी कुछ ऐसे ही नारे लिखे। जैसे, बिहार में जारी रहेगी विकास की तेज रफ्तार, 14 नवंबर को फिर एक बार एनडीए सरकार। इसके अलावा भाजपा ने लिखा कि जनता का विश्वास, फिर से एनडीए सरकार! बस 38 दिन का है इंतज़ार, थमेगी नहीं विकास की रफ्तार।

वहीं एक अन्य पोस्ट में भाजपा ने लिखा कि बिहार की जनता का मूड, मन-मिजाज सिर्फ एनडीए के साथ, 160 से अधिक सीटों पर जीतकर 14 नवंबर को फिर आ रही प्रचंड बहुमत की सरकार! वहीं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लिखा कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आज बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा का मैं स्वागत करता हूं। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है।

यह देश व प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्रमुख माध्यम है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बनी है। बिहार का यह चुनाव प्रदेश को विकास के रास्ते पर अनवरत ले जाने, घुसपैठिया मुक्त करने और जंगलराज को फिर से आने से रोकने का चुनाव है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि लोकतंत्र की जननी बिहार की पुण्यधरा की जनता इन विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए को अपना आशीर्वाद और प्रचंड मतों से समर्थन प्रदान करेगी।

तौकीर रजा के करीबी पार्षदों की संपत्तियां सील

> कई और जनप्रतिनिधि भी कार्रवाई के घेरे में

बरेली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल को लेकर तीन पार्षद, एक पूर्व पार्षद और एक ग्राम प्रधान कार्रवाई के घेरे में आ गए हैं। कांग्रेस के पार्षद मैहसर खां, सपा पार्षद अब्दुल कय्यूम मुन्ना और मोहनपुर ठिरिया के प्रधान जाकिर की संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है। कई और जनप्रतिनिधियों तक भी इस बवाल की आंच पहुंच सकती है।

बवाल के बाद पार्षद अनीस सकलैनी को जेल भेजा गया था। अब फरीदापुर चौधरी के पूर्व पार्षद वाजिद बेग के 1200 वर्गमीटर जमीन पर दस करोड़ रुपये की लागत से बने बरातघर को सील कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक बवाल से पहले मौलाना यहां आया था। इसके बाद ही बरातघर को कार्रवाई के घेरे में लिया गया। दूसरी ओर बरातघर के मालिक वाजिद बेग ने मौलाना से किसी प्रकार के ताल्लुक से इन्कार करते हुए जांच की मांग की है। वह 2007 में सपा से पार्षद निर्वाचित हुए थे। अब किसी पार्टी में नहीं हैं। अब वह बीडीए के नोटिस का जवाब देंगे।

सीलिंग की जमीन पर कब्जे, राजस्व अधिकारी खंगाल रहे रिकॉर्ड

फाइक एन्क्लेव में सीलिंग की जमीन पर कब्जे होने के मामलों में राजस्व अधिकारी रिकार्ड खंगाल रहे हैं। वहीं, नगर निगम ने भी अपनी जमीन को सहेजना शुरू किया है। चिह्नित जमीनों से अवैध कब्जे हटेंगे और जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होगी। बरेली बवाल के बाद मौलाना तौकीर के करीबियों पर नगर निगम, बीडीए और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं। अब फाइक एन्क्लेव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे चिह्नित किए जाने हैं। पूर्व वार्ड पार्षद राममूर्ति मौर्य बताते हैं कि फाइक एन्क्लेव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे हैं। इस मामले को नगर निगम बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान उठाया था, लेकिन मामूली जांच के सिवा कुछ नहीं हुआ। कब्जे बरकरार हैं।

नगर निगम के अधिकारी अपनी संपत्तियों के रिकॉर्ड खंगालें तो हकीकत सामने आएगी और कब्जे भी हटेंगे। इस बीच नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि अवैध कब्जों पर नियमित रूप से कार्रवाई चल रही है। अगर किसी पूर्व पार्षद को जानकारी है तो शिकायत करें, उसे भी चेक कराएंगे।

बीडीए की कार्रवाई से बिफरे दोनों पार्षदों ने सफाई दी। मौलाना तौकीर से कोई वास्ता नहीं होने की दुहाई भी दी। कई अन्य तर्क देते हुए कार्रवाई को गलत बताया।

सुविचार: गलती और गलत में सिर्फ छोटा सा फर्क है नियत का।

नए चुनाव सुधारों के तहत आयोजित किए जाएंगे उपचुनाव : सी. सुदर्शन रेड्डी

जुबली हिल्स उपचुनाव पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के बाद मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) सहित प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी उपचुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा शुरू किए गए नए चुनाव सुधारों के तहत आयोजित किए जाएंगे, जिन्हें बिहार विधानसभा चुनावों और देश भर के आठ विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के दौरान पहली बार लागू किया जा रहा है। इन सुधारों का उद्देश्य चुनाव संचालन में मतदाताओं की सुविधा, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। प्रमुख उपायों में, भीड़भाड़ कम करने और मतदाता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या 1,200 तक सीमित करना शामिल है। इसी प्रकार, मतदाताओं को अपने पसंदीदा उम्मीदवारों की आसानी से पहचान करने में मदद करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) और बैलेट यूनिट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें लगाना शामिल है। महिला मतदाताओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त महिला मतदान कर्मियों की तैनाती की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए रैंप, व्हीलचेयर और पिक-अप/ड्रॉप-ऑफ सुविधाओं सहित बेहतर पहुच उपाय किए गए हैं।

पारदर्शी सूचना प्रवाह के लिए डिजिटल डैशबोर्ड और मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदाताओं की वास्तविक समय पर निगरानी की जाएगी। इसी प्रकार, कदाचार को रोकने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी और जीपीएस-सक्षम निगरानी का उपयोग किया जाएगा। आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से पालन प्रौद्योगिकी-सक्षम निगरानी टीमों के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा, कागज के उपयोग को कम करने, डिजिटल संचार को बढ़ावा देने और मतदान केंद्रों पर पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों को प्रोत्साहित करने जैसी हरित चुनाव पहलों का पालन किया जाएगा। सीईओ ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से पूर्ण सहयोग देने और आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने की अपील की। अतिरिक्त सीईओ लोकेश कुमार, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, उप सीईओ हरि सिंह और सुश्री सत्य वाणी, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

साइबराबाद में बढ़ता ट्रैफिक दबाव

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पश्चिमी हिस्से को कवर करने वाला साइबराबाद क्षेत्र तेजी से भारत के प्रमुख आईटी और व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, लेकिन इसके साथ यातायात की गंभीर समस्याए भी आई हैं। हाईटेक सिटी, गच्चीबावली, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, मियापुर और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के महत्वपूर्ण संपर्कों के कारण निजी वाहन वृद्धि और शहरी विस्तार से यातायात दबाव बढ़ रहा है।

हाईटेक सिटी-गच्चीबावली कॉरिडोर, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट और कोकापेट स्थित ओआरआर इंटरचेंज और मियापुर-कुकटपल्ली खंड पर जाम लगना आम बात है। व्यस्त समय में ऑफिस जंक्शन और शॉपिंग सेंटर जाम हो जाते हैं, जबकि अचानक बारिश से जलभराव यातायात को और बिगाड़ देता है। आईटी पेशेवर फातिमा और कर्मचारी कीर्ति जैसे लोग बताते हैं कि रोजाना का ट्रैफिक स्वास्थ्य, परिवार और उत्पादकता पर भी असर डालता है। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस और जीएचएमसी जाम वाले स्थानों पर मैन्युअल रेगुलेशन, डायवर्जन और पीक-ऑवर एडवाइजरी के साथ प्रयोग कर रहे हैं।

148 लाख मीट्रिक टन धान उत्पादन के साथ रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार तेलंगाना : उत्तम

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना खरीफ 2025-26 सीजन के दौरान ऐतिहासिक धान उत्पादन और खरीद हासिल करने के लिए तैयार है।

अनुमानित उत्पादन 148.30 लाख टन और खरीद लक्ष्य 80 लाख टन है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए कुल 21,112 करोड़ रुपये की धनराशि की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया है, जिसमें से 19,112 करोड़ रुपये सीधे किसानों को एमएसपी भुगतान के लिए हैं।

नागरिक आपूर्ति भवन में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने बताया कि इस सीजन में 67.57 लाख एकड़ में खेती की गई है- 40.75 लाख एकड़ में अच्छी किस्मों के तहत और 26.82 लाख एकड़ में मोटी (डोड्डू) किस्मों के तहत- जिसके परिणामस्वरूप रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

कृषि में तेलंगाना की प्रगति, उन्होंने कहा, यह सिंचाई विस्तार, कुशल खरीद प्रणाली और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को खरीफ और रबी सीजन के लिए कुल 3,159 करोड़ रुपये के बढ़िया धान के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मिलता रहेगा।

मंत्री ने केंद्र से एमएसपी भुगतान का समर्थन करने के लिए लंबित 6,500 करोड़ रुपये की चावल सब्सिडी जारी करने का आग्रह किया।

भंडारण स्थान की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि एफसीआई के गोदाम लगभग भर गए हैं, जिससे 20 एलएमटी बेकार उबला हुआ चावल अवरुद्ध हो गया है। तेलंगाना ने चावल की सुचारू खरीद, भंडारण और आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से अतिरिक्त उपायों का अनुरोध किया है।

तेलंगाना ने छह वर्षों में धान का उत्पादन दोगुना से अधिक कर दिया है, जिससे भारत में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और खरीद हासिल हुई है। तेलंगाना की उपलब्धि हर किसान के लिए गर्व की बात है।

यह केवल तेलंगाना के लिए एक रिकॉर्ड नहीं है- यह स्वतंत्र भारत में एक रिकॉर्ड है। किसी अन्य राज्य ने धान उत्पादन और खरीद के इस पैमाने को हासिल नहीं किया है। हमने ऐसी प्रणालियां बनाई हैं जो पारदर्शी, किसान-हितैषी और तकनीकी रूप से मजबूत हैं, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, भारत की चावल राजधानी के रूप में राज्य की स्थिति की पुष्टि की।

युवा आईआईटी स्नातक की करंट लगने से मौत

विवेक किरण रेड्डी का फ्लेक्सी बैनर हटाते समय हुआ हादसा

सिद्दीपेट, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट शहर के थोरनाला इलाके में मंगलवार सुबह एक युवा आईआईटी स्नातक की अपने अपार्टमेंट में बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विवेक किरण रेड्डी (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, विवेक अपार्टमेंट की ऊपर की मंजिल पर जा रहा था, तभी उसने एक लटके हुए फ्लेक्सी बैनर को हटाने की कोशिश की, जो बिजली के तारों से टकरा गया। जैसे ही उसने उसे छुआ, उसे जोरदार बिजली का झटका लगा और वह मौके पर ही मौत हो गया। विवेक ने हाल ही में आईआईटी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी और अपने माता-पिता यादव रेड्डी और अंजलि के साथ समय बिताने के लिए घर लौटा था। इस घटना के बाद परिवार बेहद दुखी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

बीआरएस नेताओं ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर 'फर्जी' बकाया कार्ड जारी करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस विधायकों और नेताओं ने आज सत्तारूढ़ कांग्रेस की निंदा की, क्योंकि पार्टी ने कथित तौर पर 'फर्जी' बकाया कार्ड जारी किया है। हनुमाकोंडा जिला बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व विधायक विनय भास्कर ने संवाददाताओं से कहा कि यह कार्ड वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का एक प्रयास है- उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रा के बहाने घरों को तोड़ा जा रहा है और किसानों को यूरिया नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए कालेश्वरम परियोजना रिपोर्ट का मुद्दा उठाया और पार्टी की साजिशों को नाकाम करने का संकल्प लिया। पूर्व विधायक टाटिकोंडा राजैया ने कांग्रेस पर अधूरे वादों के साथ जनता को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि एक भी पैसा जारी नहीं किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। पूर्व विधायक चल्ला धर्म रेड्डी ने कहा कि उनकी आपत्ति पिछड़ी जातियों के आरक्षण पर नहीं, बल्कि सरकार द्वारा की जा रही जनगणना के आंकड़ों का हवाला दिए बिना कोटा तय करने की बात कही। उन्होंने कांग्रेस पर केवल केसीआर-युगीन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने और "साधन, मुद्रा और घोटाले" करने का भी आरोप लगाया। हैदराबाद में, तेलंगाना खाद्य निगम के पूर्व अध्यक्ष राजीव सागर ने दलित मंत्री अदलुरी लक्ष्मण के बारे में मंत्री पोन्नम प्रभाकर की अपमानजनक टिप्पणी की निंदा की, माफ़ी की मांग की और चेतावनी दी कि अगर अपमान जारी रहा तो दलित समुदाय एकजुट होकर कांग्रेस को सबक सिखाएगा। बीआरएस नेताओं ने बकाया राशि और अधूरे वादों के बारे में निरंतर आंदोलन और सार्वजनिक रूप से याद दिलाने का संकल्प लिया, और कहा कि वे सत्तारूढ़ पार्टी के पाखंड और विफलताओं को उजागर करना जारी रखेंगे।

कांग्रेस में अंदरूनी विवाद

अदलुरी लक्ष्मण ने पोन्नम प्रभाकर की टिप्पणी पर जताई आपत्ति

लक्ष्मण ने कहा- माफी न मिलने पर परिणामों के लिए प्रभाकर स्वयं जिम्मेदार होंगे

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनाव और जुबली हिल्स उपचुनाव के नजदीक आने के साथ ही कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह सतह पर आ गई, जब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। लक्ष्मण ने श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी पर भी आपत्ति जताई, क्योंकि उन्होंने इस मुद्दे को नजरअंदाज किया और रणनीतिक चुप्पी साधे रखी। एससी-मदिगा समुदाय के सदस्यों ने पोन्नम प्रभाकर की टिप्पणी को गंभीरता से लिया और लक्ष्मण से सार्वजनिक माफी की मांग की।

रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान विवाद तब शुरू हुआ जब लक्ष्मण लगभग दस मिनट देरी से पहुंचे। उनकी अनुपस्थिति में, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कथित तौर पर उन्हें गालियां दीं और विवेक वेंकटस्वामी से बात करते हुए उन्हें 'भैंस' कहा और कहा कि अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री को कुछ नहीं पता। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लक्ष्मण ने कहा कि यह टिप्पणी पोन्नम प्रभाकर की समझदारी पर छोड़ दी जाए, और इससे पहले कि यह बड़ा विवाद बन जाए, बेहतर होगा कि वह सार्वजनिक माफी मांगें। लक्ष्मण ने चेतावनी दी कि यदि पोन्नम प्रभाकर कल तक माफी नहीं मांगते हैं तो राज्य में होने वाले परिणामों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। उन्होंने विवेक वेंकटस्वामी को भी अपने व्यवहार सुधारने की सलाह दी।

लक्ष्मण ने कहा कि उन्होंने एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को पत्र लिखा है और यह मुद्दा मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सामने भी उठाया, जिन्होंने उन्हें शांत रहने की सलाह दी। लक्ष्मण ने कहा कि वह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलने जा रहे हैं और व्यक्तिगत अपमान तो सह सकते हैं, लेकिन अपने समुदाय का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पारिवारिक विवाद में दो भाइयों की डूबकर मौत

निर्मल, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगालपेट में मंगलवार को पारिवारिक विवाद के बाद 23 वर्षीय नरेश ने सिंचाई टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली। उसे बचाने की कोशिश में उसका 25 वर्षीय भाई नवीन भी डूब गया। पुलिस ने बताया कि दोनों के शवों को टैंक से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है। आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

नामपल्ली मेट्रो स्टेशन पर गांजा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने सोमवार रात नामपल्ली मेट्रो स्टेशन पर गांजा के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। अधिकारियों ने उसके पास से 2.5 किलोग्राम गांजा जब्त किया। राज्य टास्क फोर्स की टीम को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर जी संजय को पकड़ लिया गया। संदिग्ध ने अधिकारियों को बताया कि उसने शेखर बाबू, कुमरा बाबू और गांगुली बहू से गांजा प्राप्त किया था।

अखिल भारतीय महिला रेलवे कबड्डी चैंपियनशिप का उद्घाटन

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एससीआरएसए), रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के तत्वावधान में 7 से 10 अक्टूबर 2025 तक 47वीं अखिल भारतीय रेलवे कबड्डी (महिला) चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है। सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने मंगलवार को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, अध्यक्ष, एससीआरएसए और प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण मध्य रेलवे, पी. कोटेश्वर राव, महासचिव, एससीआरएसए और वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी/भंडार एवं कार्यशाला, अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों और खेल कर्मियों की उपस्थिति में इस आयोजन का उद्घाटन किया। इस वर्ष, कुल नौ टीमें- दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्वी रेलवे, पश्चिमी रेलवे, मध्य रेलवे, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्वी तट रेलवे और मेजबान दक्षिण मध्य रेलवे शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इस टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग लेंगे, जो उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा और खेल उत्कृष्टता का वादा करते हैं। उद्घाटन नॉकआउट मैच दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) और पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) के बीच खेला गया, जिसमें एससीआर 48 अंक प्राप्त कर विजेता बना, जबकि एनईआर ने 25 अंक बनाए। इस अवसर पर बोलते हुए, अपर महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश ने चैंपियनशिप में भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतिभागियों को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए सच्ची खेल भावना, ईमानदारी और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कॉग्निजेंट ने एस्टन मार्टिन फॉर्मूला वन टीम के ड्राइवरों का किया स्वागत

लांस स्ट्रोल और पेड्रो डे ला रोजा ने कर्मचारियों से साझा की डिजिटल विशेषज्ञता की जानकारी

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कॉग्निजेंट ने सोमवार को हैदराबाद में अपने जीएआर परिसर में एस्टन मार्टिन अरामको फॉर्मूला वन टीम के ड्राइवर लांस स्ट्रोल और ड्राइवर एम्बेसडर पेड्रो डे ला रोजा का स्वागत किया। यह दौरा 'सेलिब्रेटिंग कॉग्निजेंट' का हिस्सा था, जो छह महीने की खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला है, जिसे कॉग्निजेंट सहयोगियों को साझा मूल्यों और उपलब्धियों के उत्सव में एक साथ लाने के लिए आयोजित किया गया।

कॉग्निजेंट, जो प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं में वैश्विक अग्रणी है, ने 2021 में एस्टन मार्टिन अरामको फॉर्मूला वन टीम के साथ साझेदारी शुरू की थी और तब से टीम के डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस दौरे के दौरान लांस और पेड्रो ने कॉग्निजेंट की नेतृत्व टीम और सैकड़ों सहयोगियों से मुलाकात की और बताया कि टीम के लिए उनकी डिजिटल विशेषज्ञता कैसे नवाचार को प्रेरित करती है, विशेष रूप से 2026 के खेल नियमों के संदर्भ में।

लांस स्ट्रोल ने कहा कि हैदराबाद कार्यालय का दौरा और कर्मचारियों से मिलना उनके लिए खुशी और मूल्यवान अनुभव रहा। कार्यक्रम में नकद पुरस्कार जीतने वाली दो शीर्ष टीमों (विजाग वालंटियर्स एसोसिएशन की टीम आस्क अलोंसो और कलाम ड्रीम लैब्स की टीम इन्फिनिटी लूपर्स) को भी आमंत्रित किया गया। कॉग्निजेंट इंडिया के अध्यक्ष राजेश वारियर ने कहा कि यह अवसर सहयोगियों के लिए गर्व का क्षण है और नवाचार के माध्यम से एस्टन मार्टिन अरामको फॉर्मूला वन टीम के भविष्य को आकार देने में मिली सफलता को दर्शाता है।

जुबली हिल्स में मुस्लिम कब्रिस्तान योजना का स्थानीय निवासियों का विरोध

स्थानीय लोगों ने सुरक्षा और व्यवधान के कारण भूमि आवंटन रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के लिए एर्रागड्डा में मुस्लिम कब्रिस्तान बनाने की सरकार की वैकल्पिक योजना को मंगलवार को विरोध का सामना करना पड़ा। 7500 वर्ग गज में प्रस्तावित कब्रिस्तान के आसपास के कई गेट बंद समुदायों के निवासियों ने सुरक्षा चिंताओं और व्यवधान का हवाला देते हुए इस कदम का विरोध किया। कल्पतरु, ब्रिगेड, वासावी और अन्य निजी अपार्टमेंट और गेटेड कम्युनिटी के लोग प्रस्तावित भूमि के पास विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। उन्होंने सरकार से मांग की कि यह भूमि मुस्लिम कब्रिस्तान के लिए सौंपने की योजना को तुरंत रद्द किया जाए। यह विरोध एक घंटे से अधिक समय तक चला।

कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक नेताओं ने सोमवार को एर्रागड्डा में भूमि का दौरा किया और कहा कि सरकार ने अतिक्रमण हटा दिया है और यह भूमि मुसलमानों को कब्रिस्तान बनाने के लिए सौंप रही है। शेखपेट में पूर्व में प्रस्तावित 2500 वर्ग गज जमीन सेना प्रतिष्ठानों की होने के कारण कब्रिस्तान के लिए उपयोग में नहीं आ सकी। एर्रागड्डा के सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद कलीम ने कहा कि सरकार गुट्टाला बेगमपेट, माधापुर में कम से कम पांच एकड़ जमीन आवंटित करे। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र की मुस्लिम आबादी, जहां कुल मतदाताओं में से 34 प्रतिशत मुस्लिम हैं, कब्रिस्तान के लिए बड़े भूखंड की मांग कर रही है, क्योंकि भारतनगर, एर्रागड्डा और एचएफ नगर के छोटे कब्रिस्तानों में जगह की कमी हो रही है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-22-2025, दिनांक : 26.09.2025

कार्य का नाम : वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता (साउथ)/ वाल्टियर के अधीन एल्युमिनो थर्मिक प्रक्रिया से शॉर्ट वेल्डेड पैनल में या अन्यथा RDSO अनुमोदित वेल्डिंग पोर्सन एवं तकनीकी द्वारा यातायत मुक्त स्थिति में सेस (Cess)/ट्रैक पर 60 कि.ग्रा./60 EI-R260 ग्रेड रेल की फ्यूजन (Fusion) वेल्डिंग के वेल्डिंग पोर्सन की आपूर्ति एवं परिवहन।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 45,67,428/-, EMD(रुपये में) : 91,400/-।

(2)सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-23-2025, दिनांक : 27.09.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/साउथ/वाल्टियर के अधीन कोरुकोण्डा-दुव्वाड़ा के बीच कि.मी. 844.12 से कि.मी. 771.91 तक 22.244 कि.मी. (पैचों में) लम्बाई के लिए 60 कि.ग्रा.R/260/90 UTS रेल द्वारा PSC-14 स्लीपर के नीचे लगे मौजूदा 60 कि.ग्रा. 90 UTS रेल का TRR (प्राथमिक)।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 1,71,83,502.73, EMD(रुपये में) : 2,35,900/-।

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.10.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-662/Q/25-26

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that my client **Mr. BANDI ANIL KUMAR**, S/o. Mr. BANDI BALARAJU, aged about 31 years, Occupation: Business, R/o. H.No. 2-73/29, Mandelagudem Village, Raghunathpalle Mandal, Jangaon District, Telangana, Pin Code: 506244., agreed to purchase all that the Plot No.285, in Survey No.62, land area admeasuring 300.00 Square Yards or 250.80 Square Meters, Situated at Medipally Village and Mandal, Peerzadiguda Municipal corporation Medchal-Malkajgiri District, Telangana State., Pin Code: 500098., and bounded by:- **NORTH:** Plot No.289 allotted to Second Party, **SOUTH:** 40'-0" Wide Road, **EAST:** Plot No.286, **WEST:** Plot No.284 allotted to First Party., from **Mrs. KUTHADI MANJULA**, W/o. Mr. K. YADAIAH, D/o. Late Mr. KUTHADI YADAIAH, aged about: 37 years, Occupation: Household, R/o. H.No.6-1, Sanjay Colony, Kondamadugu Village, Bibinagar Mandal, Yadadri-Bhuvanagiri District, Telangana State, Pin Code: 508125., Any persons(s) having any objection(s), charge, claim, lien over the said property shall approach the under signed office within **SEVEN (7)** days from the date of this publication. No objection claim will be considered after the specified period and registration as per law will be procured.

Sd/- **ANSHUL AGARWAL**
Advocate
#1-2-298, Amarnath Kunj, St No.7, Domalguda, Hyderabad-500029 T.S.
PH No. 8801617471.

द्वितीय पुण्यतिथि

स्व.श्री खींवारामजी सोलंकी

: सुपुत्र : स्व.श्री भानारामजी सोलंकी (मरुधर मे आंगदोष (राज.))

स्वर्गवास : 8-10-2023

मीठी मधुर स्मृतियां आपकी, कभी नहीं मिट पायेगी।
आपकी बातें, आपका सद्व्यवहार, हमें सदैव याद आयेगी।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : घीसीबाई (धर्मपत्नी), नेमाराम-दरियादेवी, तेजाराम-भंवरीदेवी, भुराराम-कमलादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), कन्यादेवी-स्व.पुखारामजी सैंणचा-गादाणा, पिस्तादेवी(मंजु)-भंवरलालजी वर्फा-राणावास (पुत्री-दामाद), जितेन्द्र-ममता, जयप्रकाश-सीमा, ओमप्रकाश-मनीषा, मुकेश-कुसुम (पौत्र-पौत्रवधु), मीना-चन्दनजी पंवार-गादाणा (पौत्री-दामाद), ललिता (पौत्री), कुशाल, दक्ष, गौरव, गणेश, देवांश, खुशवीर (पड़पौत्र), वर्षा (पड़पौत्री) एवं समस्त सोलंकी परिवार

P.Solankey

: फर्म :
* सोलंकी प्लाईवुड़ * शंकर प्लाईवुड एंड हार्डवेयर *
* सोलंकी इलेक्ट्रीकल हार्डवेयर * श्री एम.जे.मार्केटिंग *
हैदराबाद। मो. 9246193306, 9490455816, 9849096678

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 अक्टूबर- 2025

जहरीली कफ सिरप : सांप निकलने के बाद लाठी पीटी जा रही है

अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश में कोलड्रिफ कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। सिर्फ छिंदवाड़ा में अब तक 15 बच्चों की जान जा चुकी है। वहीं, अब एमपी सरकार ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इंवेस्टिगेटिव टीम का गठन किया है।जहरीले कफ सिरप का असर सीधे बच्चों की किडनी पर देखने को मिला। किडनी फेल होने से बच्चों की मौत हो गई। बच्चों की दवाईयों में कोलड्रिफ कफ सिरप लिखने वाले सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु के ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जांच में श्री सन कंपनी की कांचीपुरम यूनिट में हुई जांच में खुलासा हुआ है कि कोलड्रिफ कफ सिरप में 48।6% डाईथाइलीन ग्लॅायकाल था। यह एक जहरीला केमिकल है।केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने रविवार को कफ सिरप से मौत के मामलों को लेकर राज्यों से हाईलेवल मीटिंग की। उस दौरान उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि दवा बनाने के नियम का पालन करवाएं। बैठक में तय हुआ कि 19 दवा कंपनियों की स्पेशल जांच होगी, निगरानी बढ़ाई जाएगी और राज्यों के बीच मदद और जानकारी का आदान-प्रदान मजबूत होगा। डॉ। राजीव बहल ने कहा कि बच्चों को बिना जरूरत खांसी का सिरप नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इनके फायदे कम और खतरे ज्यादा होते हैं।इधर, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) कोलड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्री सन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इस सिरप से मध्य प्रदेश में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। इन सभी की उम्र 1- 5 साल के बीच थी। हालांकि प्रशासन ने अब तक सिर्फ 11 मौतों की पुष्टि की है। लोगों का कहना है कि सरकारी डिपार्टमेंट कोई घटना यां दुर्घटना होने पर ही क्यों जगती है । जब दवा , दवा कंपनी से बाहर निकलती है तभी उसके गुण धर्मों को क्यों नहीं परखा जाता । समाचार पत्रों में अक्सर पढ़ा जाता है कि कुछ डॉक्टर कमीशन खोरी के चक्कर बिना परखी हुई दवा लिख देते है और इस प्रकार मरीजों को या तो फायदा नहीं होता यां दुर्घटना हो जाती है तथा दवा लिखने के बाद डॉक्टर किसी विशेष या अपने प्रिय मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने की सलाह भी देते है ।दूसरी ओर, हमारे देश में, एफडीए, केवल नाम के लिए, जॉनसन एंड जॉनसन जैसी शक्तिशाली कंपनी पर महेश जगाड़े के कानूनी थप्पड़ को छोड़कर, महाराष्ट्र में एफडीए के पास पर्याप्त दवा निरीक्षक भी नहीं हैं और मुंबई क्षेत्र में कई दवा कंपनियां हैं, लेकिन उन्हें विनियमित करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। जो कंपनियां पकड़ी गईं, जिनकी जान इस तरह की फर्जी दवाओं के कारण चली गई, उन्हें 'सब कुछ शांत है' के बाद ड्रग्स बनाने का लाइसेंस दिया गया, ताकि ये कंपनियां फिर से वही ड्रग्स बनाने के लिए तैयार हो जाएं। अभी जो कंपनी है वो तमिलनाडु में है, और उसका कुछ और होगा इसकी कोई गारंटी नहीं है। अभी भी जब मिलावट का पता चला तो सैंपल टेस्ट करने का 'दिखावा' किया गया और संबंधित एजेंसी ने संबंधित कंपनी को सर्टिफिकेट भी दिया कि सब ठीक है। अफवाहें हैं कि मिलावटी दवाओं के नमूनों, जिसके कारण कई बच्चों की मौत हो गई, का बिल्कुल भी परीक्षण नहीं किया गया था। गलत दवाओं का परीक्षण किया गया। यह प्रमाणित किया गया था कि सब कुछ सही था। नतीजतन, मौतों की संख्या में वृद्धि हुई। लगभग सौ साल पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में इस प्रकार के सौ लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। पिछले कुछ वर्षों में हमारे देश में ऐसी मिलावटी दवाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या इससे दोगुनी है। फिर भी कोई नहीं चाहता कि स्थिति में सुधार हो।

चार पैसे बचाने के लिए मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों में खांसी की दवा बनाने के लिए कारों के ब्रेक सिस्टम में उपयोग किए जाने वाले समाधान का क्या प्रभाव होगा? यदि किसी समाज में नशीली दवाओं में मिलावट की ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, तो उस क्षेत्र के शासन और नियामक प्रणाली के बारे में क्या कहा जा सकता है? मध्य प्रदेश और उसके आसपास खांसी की दवा से 14-15 बच्चों की मौत एक बार फिर इस समस्या को रेखांकित करती है। 'एक बार फिर' कहने का कारण यह है कि उन दवाओं में मिलावट के कारण कई मौतों के इतिहास के बावजूद, वर्तमान उसी दिशा में जाता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जाता है। जम्मू-कश्मीर से लेकर राजधानी दिल्ली, आर्थिक राजधानी मुंबई तक, इस तरह के कई कफ सिरप मिलावट ने पिछले कुछ वर्षों में कई मौतों का कारण बना है, और यहां तक कि अफ्रीकी गाम्बिया और उज्बेकिस्तान जैसे देश, जो दुनिया के सबसे पिछड़े देश हैं, ने भी भारतीय दवाओं को वापस बुला लिया है या उन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन हमारे फार्मा उद्योग के फलने-फूलने के कोई संकेत नहीं हैं। हमारे पास कोई नियंत्रण प्रणाली नहीं है। विकसित देश का सपना देखने वाले देश में ऐसी व्यवस्था विकसित करने की आकांक्षा नहीं होती क्योंकि यह शासकों की प्राथमिकता नहीं होती है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुए खांसी की इस दवा की भयावह हकीकत को समझना जरूरी है। ग्लिसरीन को खांसी की दवाओं में उनकी आवश्यक चिपचिपाहट और मिठास के लिए जोड़ा जाता है। अच्छी गुणवत्ता वाले ग्लिसरीन के लिए भुगतान करना पड़ता है। इसे बचाने के लिए, कुछ माध्यमिक दवा निर्माता इन खांसी की दवाओं में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) मिलाते हैं, जो आमतौर पर कारों के ब्रेक सिस्टम में और कारों में विभिन्न रसायनों के जमने से रोकने के लिए बहुत ठंडे वातावरण में उपयोग किए जाते हैं। यदि यह शरीर में प्रवेश करता है, तो यह फेफड़ों की विफलता या तंत्रिका तंत्र पर गंभीर प्रभाव पैदा कर सकता है। इस पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया है।खांसी में मिलावट के दुष्प्रभावों का पहली बार 1930 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका में मानकीकरण की वैज्ञानिक प्रक्रिया विकसित होने से पहले पता चला था, और उस देश में 105 लोगों की मृत्यु हो गई थी। एक बार उपलब्ध होने के बाद, दवा को पूरी दुनिया में आसानी से बेचा जा सकता है। इसके लिए अन्य देशों से अलग दरअसल फार्माकोलॉजी एक बहुत ही जटिल विज्ञान है और इसमें 100 प्रतिशत सटीकता का अभाव है। अगर चिकित्सा में लापरवाही है और एक ऐसा समाज जो मानता है कि कुछ दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं है, तो ऐसी लापरवाह कंपनियों के गले में फंदा लगने का खतरा है। वहाँ हैं।

जिस तरह कंपनियां चिकित्सा के विज्ञान का पालन नहीं करती हैं, उसी तरह नागरिक भी करते हैं। किसी भी फार्मासिस्ट स्टोर पर जाएं और किराने की तरह दवाएं खरीदें; उन्होंने कहा कि विकसित देशों में फार्मेसियों की तरह हमारी तरह कोई अवधारणा नहीं है। जब तक डॉक्टर द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है तब तक दवाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। हमने इसे विनियमित करने की कोशिश की है। लेकिन इसका पालन कौन करता है? यह माल का उपभोग करने में फार्मासिस्टों के हित में लापरवाह और लापरवाह और उपभोक्ता के तथाकथित तत्काल परिणामों की आवश्यकता का एक संयोजन है। वास्तव में, सर्दी अक्सर बिना दवा के ठीक हो जाती है। चिकित्सा पेशेवरों का कहना है कि सर्दी की दवा एक सप्ताह में प्रभावी होती है, लेकिन बिना दवा के सर्दी ठीक होने में सात दिन लग जाते हैं।

बिहार में किसकी बहार?

बिहार में छठ के बाद दो चरणों में विधानसभा के चुनाव संपन्न हो जाएंगे। इस बार कोई भी राजनीतिक दल नहीं चाहता था कि राज्य में विधानसभा चुनाव लंबा खींचा जाए। चुनाव आयोग ने दरियादिल दिखाते हुए नेताओं की बात मान ली। इसलिए राज्य में सिर्फ दो चरणों में ही वोटिंग कराने का फैसला लिया गया। तारीख होगी - 6 और 11 नवंबर। 14 नवंबर को मतगणना के साथ ही बिहार में किसकी सरकार बनेगी यह तस्वीर भी साफ हो जाएगी। चुनावी घोषणा के साथ ही बिहार की सियासत जिस तरह से प्रतिपल करवट ले रही है उससे अभी आने वाले दिनों में बहुत ही उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। सबसे खास बात तो यह है कि यहां का चुनाव पहली बार एसआईआर से जुड़े विवादों के साये में हो रहा है। जितनी जल्दबाजी में और अधूरी तैयारियों के साथ चुनावी प्रक्रिया पूरी की गई है उसने विपक्ष को एक मौका दे दिया है। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग को बार-बार अंगुली उखती रही और आयोग को सफाई देने में भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। चुनाव आयोग के सामने अब तो और भी कड़ी चुनौती सामने आने वाली है। जो लोग गड़बड़ियों की शिकायत लेकर आने वाले हैं, उनकी समस्याओं का समाधान करना चुनाव आयोग के लिए एक चुनौती से कम नहीं होगी। जब तक चुनाव में दो दलों एनडीए और महागठबंधन का आमने-सामने सामना होता था तब तक तो चुनावी गणित आसानी से समझा जा सकता था लेकिन इस बार पूरी तैयारी से जन सुराज पार्टी की एंट्री ने इसमें तड़का लगा दिया है। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार लगातार बिहार का चेहरा बने हुए हैं। हालांकि इस बार भी चुनावी धुरी वही बने रहेंगे। लेकिन इस बार सवाल उठने लगा है कि क्या जनता एक बार फिर नीतीश कुमार को मौका देगी? राजनीति के फन में माहिर भाजपा ने चुनाव में नीतीश को ही एनडीए का चेहरा बना रखा है लेकिन नतीजे आने के बाद उसका क्या रुख हो सकता है इसे अभी कहना जल्दबाजी होगी। इस बार महागठबंधन भी किसी हालत में पीछे नहीं रहना चाहती। इसके लिए उसके महारथी चार महीने पहले से ही मैदान में उतर चुके हैं। लेकिन इस बार प्रशांत कुमार उर्फ पीके की जनसुराज ने जोर-आजमाइश कर रही है जिससे समीकरण किसी भी पार्टी का गडबडा सकता है। पीके मूल रूप से सरकार और प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठा कर ताल ठोंक रहे हैं। मई 2014 से फरवरी 2015 के बीच के वक्त को छोड़ दिया जाए, तो 2005 से नीतीश कुमार ही सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने कई बार पाला बदलकर 9 बार सीएम पद की शपथ ली है। कम सीटों के बावजूद गठबंधन के साथी बदल-बदल कर वे लगातार सीएम बने रहे। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी सहायक रही है, लेकिन इस बार सुशासन बाबू वाली छवि को पीके ने चुनौती दी है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, बिगड़ती कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानियों को बढ़ाया है। नीतीश और बीजेपी ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में 'जंगलराज' की तरह पेश किया, लेकिन इस बार विपक्ष यही सवाल विपक्ष पूछ रहा है। बिहार चुनाव में इस बार बदलाव की आहट साफ सुनाई दे रही है। इस छवि उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने हाल ही में की है। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए उन्होंने पहली बार खजाना खोल दिया है। नीतीश की दरियादिली को देखते हुए राजद और कांग्रेस ने पूछना शुरू कर दिया है कि जिस तरह से वे घोषणाएं कर रहे हैं उसके लिए पैसा कहां से आएगा? अब यह सवाल-जवाब क्या असर डालता है, इसका जवाब अगले महीने की 14 तारीख को मिल जाएगा।

देशद्रोह मामले में गिरफ्तार सोनम वांगचुक

राधा रमण

सामुदायिक विकास और शिक्षा में सुधार के लिए रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित गांधीवादी व्यक्तित्व के धनी, पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले करीब 10 दिनों से जोधपुर की सेन्ट्रल जेल में कैद हैं। दरअसल, 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया था। बाद में प्रशासन ने लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करने वाले जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिंसक विरोध प्रदर्शन को भड़काने और देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स के फुंगसुक वांगडू का किरदार सोनम वांगचुक से ही प्रेरित था। लद्दाख की बर्फीली वादियों से निकलकर पूरी दुनिया में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का परचम लहराने वाले सोनम वांगचुक आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। 3 इडियट्स के फुंगसुक वांगडू से अलग असल जिंदगी में वे एक दूरदर्शी इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और पर्यावरण योद्धा हैं। ऐसे में सवाल उठना वाजिब है कि जिस व्यक्ति को नवाचार, शिक्षा में सुधार, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के लिए देश दुनिया में 17 पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका हो, वह व्यक्ति अचानक देशद्रोही और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा कैसे बन गया।

अब सुप्रीम कोर्ट ने भी सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार, लद्दाख प्रशासन और जोधपुर सेन्ट्रल जेल प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। जाहिर है, तब तक सोनम वांगचुक जेल में रहेंगे। वांगचुक की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए याचिका उनकी जीवन संगिनी गीतांजलि अंगमो ने दाखिल की है। याचिका में अनुच्छेद 32 के तहत दावा किया था कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है। उन्होंने सोनम की गिरफ्तारी की वजह पूछी है। दरअसल, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर सोनम वांगचुक ने 35 दिनों के धरने का एलान किया था। 10 सितंबर से सोनम वांगचुक और लद्दाख एपेक्स बॉडी के 15 कार्यकर्ता भूख हड़ताल पर थे। यह भूख हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक था। इस बीच अनशनकारियों की हालत बिगड़ने लगी। 24 सितंबर को अनशनकारियों के समर्थन में स्थानीय नागरिकों और लद्दाख एपेक्स बॉडी के समर्थकों ने रैली निकाली थी। रैली में शामिल युवाओं ने भाजपा व हिल काउंसिल के मुख्यालय में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस व सुरक्षाबलों ने बल का प्रयोग किया। देखते ही देखते प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच पथराव शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी।

प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पथराव और गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि सरकारी आंकड़ों में 80 लोग घायल हो गए। घटना के बाद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने लोगों से शांति बहाल करने की अपील की। 26 सितंबर को सोनम इसी मसले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे। इसी बीच लद्दाख प्रशासन ने उन्हें हिरासत में ले लिया। अगले दिन उन्हें गिरफ्तार कर जोधपुर सेन्ट्रल जेल में बंद कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि राज्य की सुरक्षा के लिए सोनम वांगचुक की गतिविधियां हानिकारक हैं। उन्होंने युवाओं को हिंसा के लिए उकसाया और उन्हें शांत करने के लिए कोई पहल नहीं की। यही नहीं, उनके संबंध पाकिस्तान से हैं और विदेशी फंडिंग के बल पर वह लद्दाख में अस्थिरता फैलाने में संलग्न थे। जबकि कहा जाता है कि 24 सितंबर को अपना अनशन समाप्त करते हुए एक वीडियो संदेश में सोनम वांगचुक ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की थी। उन्हें अंदेशा हो गया था कि पुलिस उनपर कार्रवाई करेगी। इसीलिए उन्होंने 26 सितंबर को पूरे मामले की जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने बताया कि यह सही है कि सोनम फरवरी 25 में पाकिस्तान गए थे। वहां उन्हें पाकिस्तान की मीडिया हाउस डॉन समूह ने जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में बुलाया था। वह सरकार से अनुमति और वीजा लेकर पाकिस्तान गए थे और प्रधानमंत्री की जलवायु परिवर्तन पर किये गए प्रयास और पहल की सराहना की थी। उसका वीडियो और मीडिया रिपोर्ट है। जहां तक विदेशी फंडिंग की बात है तो वास्तविकता है कि खाद्य संप्रभुता और सुरक्षा पर अध्ययन के लिए मिली स्वीडिश अनुदान सरकार की मंजूरी के बाद ही ग्रहण किया गया था। तब सरकार ने इसे गलत नहीं माना था। अब सरकार और प्रशासन रस्सी को सांप बनाने पर तुले हैं।

गीतांजलि कहती हैं कि सोनम की गिरफ्तारी में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा अथवा देशद्रोह जैसी कोई बात नहीं है। यह एक सामाजिक कार्यकर्ता को चुप कराने की चाल है। उन्होंने कहा कि मेरे पति तो गांधीवादी तरीके से ही अनशन कर रहे थे। यह संवैधानिक अधिकार है। वह बोलने का हक रखते हैं। उनकी गिरफ्तारी संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। अदालत जाने से पहले गीतांजलि अंगमो ने लेह के जिला कलेक्टर, लद्दाख के उप राज्यपाल कवीन्द्र गुप्ता, कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, गृहमंत्री अमित शाह के अलावा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पत्र लिखकर सोनम वांगचुक को न्याय दिलाने की मांग की थी। उधर, जोधपुर जेल में बंद सोनम वांगचुक ने अपने अधिवक्ता मुस्तफा हाजी और भाई त्सेतन दोरजे ले के हाथों पत्र भेजकर लेह हिंसा की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि 'जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों और गिरफ्तार लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं। 4 लोगों की मौत की जांच एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग से होनी चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में ही रहूंगा।' बता देना जरूरी है कि सोनम वांगचुक ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। सोनम वांगचुक को सरकारी स्कूल व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सरकार, ग्रामीण समुदायों और नागरिक समाज के सहयोग से 1994 में 'स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख' के तहत 'ऑपरेशन न्यू होप' शुरू करने का श्रेय भी प्राप्त है। सोनम ने बर्फ-स्तूप तकनीक का आविष्कार किया है जो कृत्रिम हिमनदों (ग्लेशियरों) का निर्माण करता है, शंकु आकार के इन बर्फ के ढेरों को सर्दियों के पानी को संचय करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बहरहाल, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी से देश के बुद्धिजीवी वर्ग में असंतोष है। सरकार और सुप्रीम कोर्ट को इसका संज्ञान लेना चाहिए। यही देश और समाज के हित में है।

साहस, समर्पण और शक्ति का संगम भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं। भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं।

लोकतंत्र की राह में छिपा संकट

ममता कुशवाहा

विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में लोकलुभावनवाद एक ऐसा शब्द बनकर उभरा है, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की दिशा और दशा को गहराई से प्रभावित किया है। यह न केवल विकास नीतियों को प्रभावित करता है बल्कि दीर्घकालिन स्थिरता और संतुलन पर भी प्रश्नचिह्न खड़े करता है। लोकलुभावनवाद की मूल प्रवृत्ति जनता के तात्कालिक हितों और भावनाओं को भुनाकर राजनीतिक लाभ लेना है। यह प्रवृत्ति हर उस समाज में दिखाई देती है, जहाँ सामाजिक असमानता, बेरोजगारी, आर्थिक संकट या वैश्विक अनिश्चितताओं का दबाव अधिक होता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह लोकलुभावनवाद एक स्थायी राजनीतिक रणनीति का रूप ले लेता है और शासन की प्राथमिकताओं को दीर्घकालीन सुधारों और स्थिर नीतियों से भटकाकर तात्कालिक राहत और वोट बैंक की राजनीति तक सीमित कर देता है।

पिछले कुछ दशकों में दुनिया के अनेक हिस्सों में लोकलुभावन नीतियों का प्रभाव बढ़ा है। यूरोप और अमेरिका में दक्षिणपंथी लोकलुभावन पार्टियाँ और नेता उभरकर सामने आए हैं जिन्होंने प्रवासियों, अल्पसंख्यकों और वैश्वीकरण को निशाना बनाकर आम जनता को अपनी ओर आकर्षित किया। इसी प्रकार, लातिन अमेरिकी देशों में भी वामपंथी और राष्ट्रवादी लोकलुभावन नेता आर्थिक असमानताओं और गरीबी को मुद्दा बनाकर सत्ता तक पहुँचे। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में भी लोकलुभावनवाद की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। मुफ्त योजनाएँ, नकद हस्तांतरण, सब्सिडी और तात्कालिक राहत प्रदान करने वाली नीतियाँ आम जनता को तत्काल लाभ पहुँचाती हैं, लेकिन दीर्घकालीन आर्थिक संरचना को अक्सर कमजोर कर देती हैं।आर्थिक दृष्टि से लोकलुभावनवाद का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह उत्पादकता, निवेश और रोजगार सृजन के वास्तविक सुधारों से ध्यान हटाकर तात्कालिक उपभोग पर केंद्रित कर देता है। उदाहरणस्वरूप, जब सरकारें जनता को खुश करने के लिए अल्पावधि में बड़े पैमाने पर मुफ्त अनुदान और योजनाएँ लागू करती हैं, तो राजकोषीय घाटा बढ़ता है और मुद्रास्फीति का दबाव भी बढ़ सकता है। इससे आर्थिक अस्थिरता उत्पन्न होती है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्टों में यह चिंता कई बार व्यक्त की गई है कि यदि विकासशील देश दीर्घकालीन उत्पादक निवेश के बजाय लोकलुभावन योजनाओं पर अत्यधिक निर्भर हो जाएँ, तो उनकी अर्थव्यवस्था स्थायी संकट की ओर बढ़ सकती है। राजनीतिक दृष्टि से भी लोकलुभावनवाद कई समस्याएँ उत्पन्न करता है। यह लोकतंत्र के संस्थागत संतुलन और जवाबदेही की भावना को कमजोर कर देता है। जब नेता केवल बहुसंख्यक भावनाओं को भुनाकर सत्ता में बने रहने का प्रयास करते हैं, तो अल्पसंख्यकों और हाशिये के वर्गों की उपेक्षा होने लगती है। इससे सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होता है। हाल के वर्षों में हम देख रहे हैं कि कई देशों में चुनावी राजनीति 'हम बनाम वे' की मानसिकता को और अधिक गहरा कर रही है, जो लोकतंत्र के स्वस्थ भविष्य के लिए खतरा है। लोकलुभावनवाद का एक और महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक व्यवस्था से उसका टकराव है। आज के दौर में कोई भी देश अकेले नहीं चल सकता। आर्थिक सहयोग, व्यापार, जलवायु परिवर्तन और तकनीकी विकास जैसे मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता होती है।

माता-पिता अंतर्राष्ट्रीय स्नातक पाठ्यक्रम क्यों चुन रहे हैं

विजय गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय स्नातक (आईबी) भारतीय छात्रों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त, जांच-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो मूल सीखने से परे होता है। यह शैक्षणिक उत्कृष्टता, आलोचनात्मक सोच और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है, जिससे बच्चे तेजी से बदलती हुई दुनिया के लिए तैयार हो जाते हैं।भारत के विकासशील शिक्षा परिदृश्य में, अंतर्राष्ट्रीय स्नातक (आईबी) वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त और व्यापक पाठ्यक्रम की तलाश करने वाले माता-पिता के लिए एक पसंदीदा विकल्प बन गया है। अनुसंधान, रचनात्मकता और वैश्विक दृष्टिकोण पर जोर देने के लिए जाना जाता है, आईबी एक ऐसी शिक्षा प्रदान करता है जो न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता बल्कि व्यक्तिगत विकास, महत्वपूर्ण सोच और वास्तविक दुनिया की तत्परता को भी बढ़ावा देती है। रूट लर्निंग से परे परिवारों के लिए, आईबी एक आगे सोचने वाला विकल्प प्रदान करता है जो छात्रों को तेजी से बदलती हुई दुनिया में बढ़ने की तैयारी करता है। जैसे भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को अपनाता है, जो कौशल-आधारित सीखने को बढ़ावा देता है, आईबी दृष्टिकोण इस दृष्टि में सहज रूप से फिट बैठता है। आईबी फ्रेमवर्क जांच-आधारित परियोजनाओं, अंतःविषय सीखने और सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करने को प्रोत्साहित करता है।

यह बच्चों को समस्या-समाधान, अनुकूलन क्षमता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के भविष्य के कौशल सीखने में मदद करता है जिसे एनईपी जोरदार रूप से समर्थन देता है। आईबी कक्षा में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाएं भारतीय नैतिकता से मेल खाती हैं, जिससे आत्मविश्वासपूर्ण, दयालु और सक्षम छात्र पैदा होते हैं। एमिटी ग्लोबल स्कूल, नोएडा के प्रिंसिपल अनीता पॉल कहते हैं कि यह अभिसरण सुनिश्चित करता है कि छात्र अपनी जड़ों में दृढ़ता से स्थिर रहते हुए वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करें।

आईबी को क्या अलग बनाता है? सीबीएसई या आईसीएसई जैसे पारंपरिक भारतीय बोर्डों के विपरीत, IB पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तकों और उच्च जोखिम वाली अंतिम परीक्षाओं से परे है, इसके बजाय सीखने के लिए एक व्यापक और आकर्षक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका मूल प्रश्न-आधारित शिक्षण है, जहां छात्र नियमित याद रखने के बजाय पूछताछ, जांच और अनुसंधान के माध्यम से विषयों की खोज करते हैं।इसका पूरक वर्ष भर निरंतर मूल्यांकन है, जिसमें परियोजनाओं, प्रस्तुतियों, समूह कार्य और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का आकलन किया जाता है, जिससे अवधारणाओं की गहरी समझ सुनिश्चित होती है। सबक वैश्विक संदर्भ में तैयार किए जाते हैं, स्थानीय मुद्दों को अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोणों से जोड़ते हैं और छात्रों को व्यापक विश्वदृष्टि विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

इसके अलावा, आईबी वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर जोर देता है, जहां अकादमिक ज्ञान को प्रामाणिक समस्याओं पर लागू किया जाता है, आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और जिम्मेदार कार्रवाई को बढ़ावा दिया जाता है।माता-पिता को आईबी स्कूल क्यों चुनना चाहिए माता-पिता कई आकर्षक कारणों से भारत में आईबी स्कूलों के प्रति आकर्षित होते हैंवैश्विक विश्वविद्यालय मान्यताः आईबी डिप्लोमा दुनिया भर के अग्रणी विश्वविद्यालयों द्वारा स्वीकार किया जाता है और अक्सर आवेदकों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करता है।

इस दो मंदिर में चौथ माता के दर्शन मात्र से मिलता है पति की लंबी आयु का वरदान

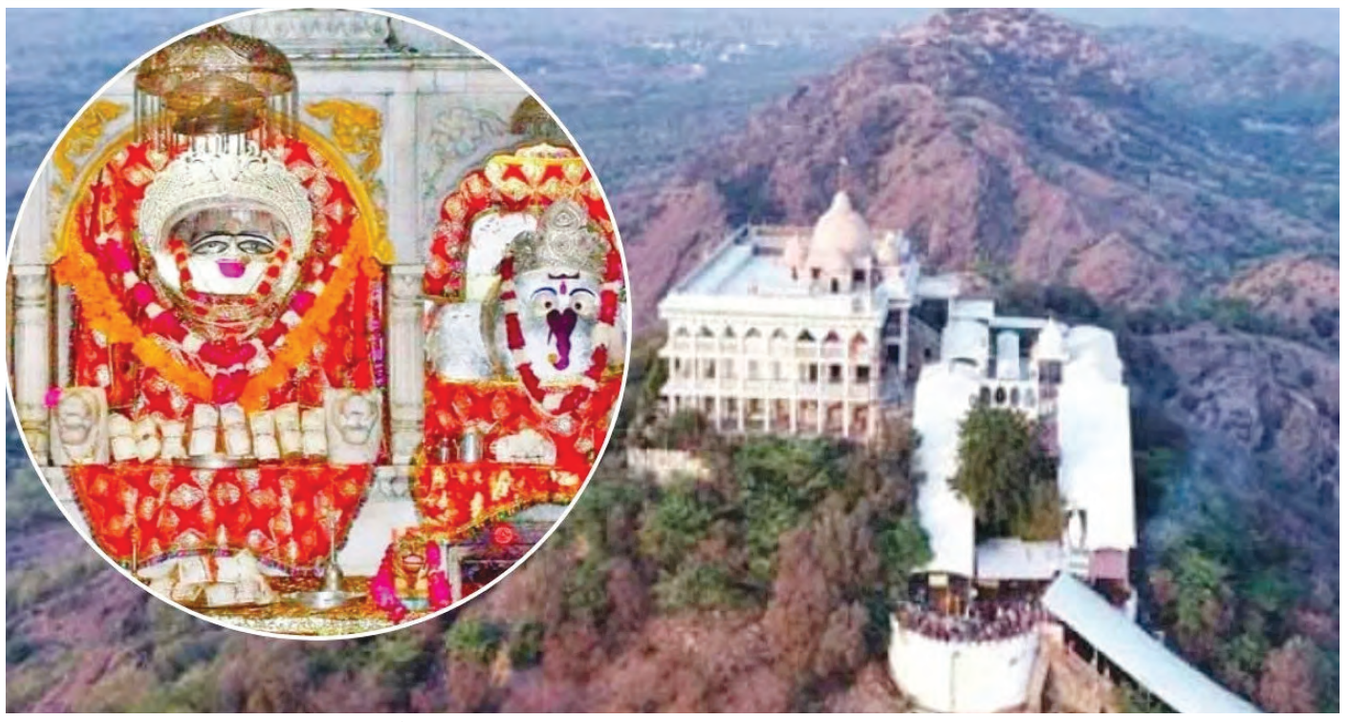

10 अक्टूबर दिन शुक्रवार को देशभर में करवाचौथ का त्योहार मनाया जाएगा। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार खासतौर पर उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मनाया जाता है। इस दिन पति की लंबी आयु के लिए पत्नियां निर्जला उपवास करती हैं और रात में चांद को देखकर निर्जला उपवास खोलती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि राजस्थान और उज्जैन में चौथ माता को समर्पित ऐसा मंदिर है, जहां महिलाएं अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद लेने जाती हैं।

राजस्थान का सिद्धपीठ चौथ माता मंदिर

राजस्थान के माधोपुर जिले के चौथ शहर के बरवाड़ा कस्बे में सिद्धपीठ चौथ माता का मंदिर है। यह मंदिर खासतौर पर पति की लंबी आयु के वरदान के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि जो भी महिलाएं चौथ माता का आशीर्वाद लेती हैं, उनके पति की आयु क्षीण नहीं होती। यह मंदिर अरावली पर्वत की पहाड़ियों पर बसा है और मंदिर के प्रांगण तक पहुंचने के लिए भक्तों को लंबी सीढ़ियों को चढ़कर जाना होता है। करवाचौथ के मौके पर इस मंदिर में महिलाओं की भीड़ उमड़ जाती है।

चौथ माता, मां गौरी का दूसरा रूप हैं। माना जाता है कि इस मंदिर में मांगी गई इच्छा कभी अधूरी नहीं रहती। नवरात्रि के मौके पर भी मंदिर में खास भीड़ रहती है। ये मंदिर इसलिए भी खास है क्योंकि इस मंदिर का निर्माण शासक भीम सिंह ने कराया था। मंदिर की बनावट राजस्थान की कला और पुराने पारंपरिक काल को दर्शाती है।

उज्जैन में स्थित करवा चौथ माता का मंदिर

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी मां पार्वती को समर्पित करवा चौथ माता का मंदिर है। यह मंदिर उन्हेल बायपास के पास के जीवनखेड़ी गांव में बना है, फिर भी यहां की मान्यता बहुत ज्यादा है। इस मंदिर में मां पार्वती अपनी दोनों बहुएं, ऋद्धि और सिद्धि के साथ विराजमान हैं और भगवान गणेश भी साथ हैं। इस मंदिर की खास बात ये है कि ये मंदिर सिर्फ करवाचौथ के दिन ही खुलता है और साल के बाकी दिन बंद रहता है।

करवा चौथ 2025 की तिथि और शुभ मुहूर्त

इस साल महिलाओं में थोड़ी उलझन है कि व्रत 09 अक्टूबर को रखा जाए या 10 अक्टूबर को। पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि की शुरुआत 09 अक्टूबर 2025, रात 10:54 बजे और समापन 10 अक्टूबर 2025, शाम 07:38 बजे होगा। वैदिक नियम के अनुसार सूर्योदय के समय जो तिथि चल रही हो वही सही मानी जाती है। इसलिए, करवा चौथ 2025 10 अक्टूबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन पूजा करना और व्रत करना शुभ रहेगा

करवा चौथ व्रत पारण विधि

करवा चौथ का व्रत पारण सबसे पहले चंद्रमा दर्शन के बाद किया जाता है। इसके लिए महिलाएं शाम को चंद्रोदय का इंतजार करती हैं।

चंद्रोदय होने के बाद भगवान शिव, गणेश और माता पार्वती की पूजा करें।

फिर करवा माता और चंद्रमा की पूजा करें।

चंद्रमा को छलनी से देखें और अर्घ दें।

इसके बाद अपने पति को देखें और उनसे आशीर्वाद लें।

पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलें।

अंत में कुछ मीठा खाएं।

इस विधि से पारण करने से व्रत सफल माना जाता है और पति-पत्नी के जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

करवा चौथ व्रत का महत्व

करवा चौथ का व्रत सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक रखा जाता है। इस दिन चंद्रमा का खास महत्व है। मान्यता है कि चंद्रमा की पूजा और उसके दर्शन करने से जीवन में खुशहाली आती है। इसके अलावा पति की रक्षा होती है और परिवार में सौभाग्य बढ़ता है। इस दिन की पूजा केवल धार्मिक नहीं बल्कि भावनात्मक और पारिवारिक जुड़ाव को भी मजबूत करती है।

कार्तिक में स्नान-दान से मिलता है पुण्य

कार्तिक माह का प्रारंभ 8 अक्टूबर दिन बुधवार को द्वितीया तिथि से है। हिंदी कैलेंडर में कार्तिक 8वां महीना है। कार्तिक माह में स्नान और दान करने से पुण्य मिलता है और पाप मिटते हैं।

हर्षण योग, अश्विनी नक्षत्र, द्वितीया तिथि में कार्तिक माह शुरू

इस साल कार्तिक माह का शुभारंभ 8 अक्टूबर बुधवार को कार्तिक कृष्ण द्वितीया तिथि से है। कार्तिक माह के पहले दिन हर्षण योग और अश्विनी नक्षत्र है। पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 09:16 बजे से हुआ है और यह 8 अक्टूबर को 05:53 ए एम तक है। ऐसे में उदयातिथि में कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा तिथि प्राप्त नहीं हो रही है। 8 अक्टूबर को उदयातिथि में कार्तिक कृष्ण द्वितीया तिथि मिल रही है। इस वजह से कार्तिक माह का शुभारंभ कार्तिक कृष्ण द्वितीया तिथि से है। कार्तिक माह के पहले दिन हर्षण योग प्रातःकाल से लेकर देर रात 01:33 ए एम तक है, उसके बाद से वज्र योग है। वहीं अश्विनी नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर रात 10:44 पी एम तक है, उसके बाद से भरणी नक्षत्र है।

कार्तिक माह 2025 पहले दिन के मुहूर्त

कार्तिक माह के पहले दिन स्नान के लिए सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त है, जो 04:39 ए एम से 05:29 ए एम तक है। इस दिन कोई अभिजीत मुहूर्त नहीं है। सूर्योदय 06:18 ए एम पर और चन्द्रोदय 06:39 पी एम पर है। द्वितीया तिथि 9 अक्टूबर को तड़के 02:22 ए एम तक है।

कार्तिक माह में स्नान का महत्व

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने कार्तिक माह में मत्स्य अवतार लिया था और वे जल में निवास करते थे। इस वजह से लोग कार्तिक माह में पवित्र नदियों में स्नान और दान करते हैं, ताकि उनको भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो और जीवन के अंत में पाप मुक्त होकर बैकुंठ में स्थान प्राप्त कर लें। कार्तिक स्नान से व्यक्ति के पाप मिटते हैं और पुण्य फल प्राप्त होता है।

कार्तिक स्नान की तारीखें

कार्तिक माह में स्नान के लिए 3 तारीखें बेहद महत्वपूर्ण है। वैसे तो आप चाहें तो पूरे कार्तिक माह में स्नान करके पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन सभी लोगों के लिए यह संभव नहीं है क्योंकि समय का अभाव है। ऐसे में आप कार्तिक माह में 3 दिन स्नान और दान करके पुण्य लाभ ले सकते हैं।

तुला संक्रांति पर स्नानः 17 अक्टूबर, दिन शुक्रवार

कार्तिक माह का पहला महत्वपूर्ण स्नान 17 अक्टूबर को तुला संक्रांति के दिन है। इस दिन सूर्य देव तुला राशि में प्रवेश करेंगे। इस दिन स्नान करके गेहूं, गुड़, तिल, लाल वस्त्र, लाल फूल, लाल फल, तांबा, केसर आदि का दान करें। सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

कार्तिक अमावस्या स्नानः 21 अक्टूबर, दिन मंगलवार

कार्तिक माह का दूसरा महत्वपूर्ण स्नान कार्तिक अमावस्या का है, जो 21 अक्टूबर को है। इस दिन स्नान करके पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध आदि करें।

शुक्रवार को करवा चौथ का इन राशि वालों को मिलेगा लाभ शुभ संयोग

मिथुनः करवा चौथ का दिन मिथुन राशिवालों की लव लाइफ के लिए बहुत अच्छा होगा। इस दिन आप अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। पार्टनर को डिनर पर ले जा सकते हैं। आपके दांपत्य जीवन में भी प्यार की मिठास होगी। लव लाइफ हो या फिर मैरिड लाइफ, मिथुन राशिवालों के लिए करवा चौथ प्रेम और खुशहाली का उत्सव लेकर आएगा।

कर्कः करवा चौथ का दिन कर्क राशिवालों की लव लाइफ में मिठास बढ़ाने वाला होगा। आप

अपने पार्टनर के साथ रिश्ते को और मजबूत करेंगे। प्रेम और रोमांस से भरा यह दिन आपकी लाइफ में नए नई एनर्जी लेकर आएगी। पार्टनर के साथ रिलेश नशिप बेहतर होगा। वैवाहिक जीवन में खुशहाली होगा। इस दिन पार्टनर को कोई सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं।

कन्याः करवा चौथ का दिन कन्या राशिवालों के लिए प्यार और पैसा दोनों की सौगात लेकर आने वाला है। इस शुभ दिन को आपको धन लाभ होगा और नौकरी में प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। वेतन वृद्धि का योग भी बन रहा है। इस दिन आप कोई मकान या प्रॉपर्टी भी खरीद सकते हैं। लव पार्टनर का पूरा साथ मिलेगा। रोमांस भरपूर रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

वृश्चिकः करवा चौथ के अवसर पर वृश्चिक राशि के लोग घर पर कोई बड़ा आयोजन कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन और प्रेम जीवन दोनों के लिए यह दिन अच्छा होगा। पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। इस दिन आप दोनों घर पर ही उत्सव मनाने की तैयारी कर सकते हैं। आप एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। कोई नया काम कर सकते हैं।

कुंभः कुंभ राशिवालों के लिए करवा चौथ का दिन प्रेम के उत्सव वाला होगा। आपका पार्टनर आपके जीवन को प्रेम और रोमांस से भर देगा। इस दिन आप कहीं पर रोमांटिक और यादगार पल व्यतीत करने के लिए जा सकते हैं। आपके रिश्ते में मधुरता आएगी और एक नयापन महसूस होगा। वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी। इस दिन आपके यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी होगी।

मीनः करवा चौथ का दिन मीन राशिवालों के लिए खुशियां और प्रेम लेकर आ रहा है। इस दिन आपको अपने पार्टनर का सच्चे प्यार देखने को मिलेगा। इस दिन वह आपसे खुलकर बातें कर सकता है, जिससे आप सरप्राइज हो सकते हैं।

आपने जो सोचा था, उससे कहीं अधिक प्रेमपूर्ण दिन होगा। आप भी पार्टनर की भावनाओं को समझेंगे। आपके रिलेशनशिप की बॉन्डिंग और मजबूत होगी। आपको नए अवसर मिल सकते हैं।

सुहागिनों के लिए महाव्रत है करवा चौथ, इस दिन कौन-कौन से शुभ काम कर सकते हैं

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर करवा चौथ (10 अक्टूबर) का व्रत किया जाता है, ये व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए महाव्रत की तरह है, क्योंकि मान्यता है कि जो महिला ये व्रत करती है, उसे अखंड सौभाग्य मिलता है। व्रत करने वाली महिलाओं के घर में सुख-शांति और प्रेम बना रहता है, जीवन साथी स्वस्थ रहता है। ये व्रत निर्जला है यानी इस व्रत में महिलाएं पानी भी नहीं पीती हैं।

करवा चौथ व्रत 10 अक्टूबर को किया जाएगा। इस व्रत में चंद्र दर्शन का महत्व काफी अधिक है। ये व्रत शाम को चंद्र दर्शन और पूजन के बाद ही पूरा होता है। इस व्रत में महिलाएं सुबह जल्दी जागती हैं और स्नान के बाद सूर्योदय से पहले सरगी खाकर व्रत शुरू करती हैं। इसके बाद पूरे दिन निर्जल रहती हैं।

ये निर्जला व्रत है यानी दिन भर जल और अन्न का त्याग किया जाता है। ये ससुराल पक्ष से दिया जाता है, इसे प्रेम का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। विशेषकर लाल रंग को शुभ माना जाता है, इसलिए महिलाएं श्रृंगार में लाल चीजों का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं।

इस दिन शिव-पार्वती, गणेश जी और करवा माता की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। करवा चौथ की व्रत कथा भी खासतौर पर पढ़ी-सुनी जाती है। कई जगहों पर महिलाएं छलनी से चंद्रमा और पति को देखकर व्रत खोलती हैं।

व्रत करने वाले भक्तों को क्रोध से बचना चाहिए और मन को शांत रखना चाहिए। दिन में सोने से बचना चाहिए। ये व्रत तपस्या की तरह है, इसलिए इसे तप के भाव के साथ ही करना चाहिए।

महिलाएं जरूरतमंदों को सुहाग का सामान दान करें, जैसे चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर आदि। इस दिन व्रत करने वाली महिलाओं को भारी शारीरिक श्रम

करने से बचना चाहिए, वर्ना भूख-प्यास बढ़ सकती है। शरीर में पानी की कमी होने से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

करवा चौथ की पौराणिक कथा

इस व्रत की कथा वीरावती नाम की एक महिला से जुड़ी है। कथा के मुताबिक, वीरावती एक साहूकार की इकलौती बेटी थी, इसने अपने पहले करवा चौथ व्रत में दिन भर भूखी-प्यासी रहकर उपवास किया। शाम होते-होते वह भूख-प्यास की वजह से बेहोश होने लगी। उसके भाई वीरावती की ऐसी हालत देखकर व्याकुल हो उठे और उन्होंने एक झूठा चंद्रमा दिखाकर बहन से व्रत तुड़वा दिया। व्रत में छल करने से उसके पति की मृत्यु हो गई। दुखी वीरवती ने देवी मां से क्षमा मांगी और मार्गदर्शन करने की प्रार्थना की। माता ने उसे फिर से विधिपूर्वक व्रत रखने का निर्देश दिया। माता की बात मानकर वीरावती ने अगली करवा चौथ का व्रत ईमानदारी से किया। जिससे उसके पति को जीवनदान मिला। यह कथा सिखाती है कि व्रत में छल या अधूरी निष्ठा नहीं होनी चाहिए।

श्री कृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने भी किया था करवा चौथ का व्रत

करवा चौथ हिन्दू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है, जिसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य की कामना के लिए रखती हैं। यह व्रत कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को किया जाता है। करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के प्रेम और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। करवा चौथ कथा हमें यह सिखाती है कि सच्चा प्रेम, भक्ति और संयम किसी भी विपत्ति को पार कर सकता है। जो महिलाएं इस व्रत को मन और हृदय से करती हैं, उनके पति लंबी उम्र पाते हैं और वैवाहिक जीवन सुखी और समृद्ध बनता है।

महाभारत काल में जब एक समय पांडव अर्जुन नीलगिरि पर्वत पर तप करने चले गए और काफी समय तक नहीं लौटे तो द्रौपदी चिंता में डूब गई। उसने भगवान श्री कृष्ण को याद किया तो उन्होंने तुरंत दर्शन देकर उसकी चिंता का कारण पूछा।

द्रौपदी ने कहा कि हमारे सब कष्ट दूर हों

तथा पति अर्जुन की दीर्घायु हो। श्री कृष्ण ने कहा कि पार्वती ने भी शंकर जी से एक समय यही प्रश्न किया था तो शंकर जी ने उन्हें जो कथा सुनाई थी वही सुनो :

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि करक चतुर्थी (करवा चौथ) को निर्जल व्रत करके यह कथा सुनी जाती है। किसी समय स्वर्ग से भी सुंदर शुक्र प्रस्थ नाम के नगर (जिसे अब दिल्ली कहा जाता है) में वेद शर्मा नामक एक विद्वान ब्राह्मण रहता था। उसके सात पुत्र और संपूर्ण लक्षणों से युक्त वीर वति नाम की एक सुंदर कन्या थी जिसका विवाह सुदर्शन नाम के एक ब्राह्मण से किया गया। वीरवति के सभी सातों भाई विवाहित थे।

जिस दिन करवा चौथ का व्रत आया तो वीर वति ने भी अपनी भौजाइयों के साथ व्रत किया। दोपहर बाद श्रद्धा भाव से कथा सुनी और फिर अर्घ्य देने के लिए चंद्रमा देखने की प्रतीक्षा करने लगी मगर इस बीच दिन भर की भूख-प्यास से वह व्याकुल हो उठी तो उसकी प्यारी भौजाइयों ने यह बात अपने पतियों से कही। भाई भी बहन की पीड़ा से द्रवित हो उठे और उन्होंने जंगल में एक वृक्ष के ऊपर आग जला कर आगे कपड़ा तान कर नकली चंद्रमा-सा दृश्य बना डाला और घर आकर बहन से कहा कि चंद्रमा निकल आया है तो बहन ने नकली चंद्रमा को अर्घ्य देकर भोजन कर लिया मगर उसका व्रत नकली चंद्रमा को अर्घ्य देने से खंडित हो गया और जब वह ससुराल लौटी तो पति को गंभीर बीमार तथा बेहोश पाया और वह उसे उसी अवस्था में साल भर लिए बैठी रही।

अगले वर्ष जब इंद्रलोक से इंद्र पत्नी इंद्राणी पृथ्वी पर करवा चौथ का व्रत करने आई और वीर वति से इस दुख का कारण पूछा तो इंद्राणी ने कहा कि गत वर्ष तुम्हारा व्रत खंडित हो गया था। इस बार तू इसे पूर्ण विधि से व्रत कर, तेरा पति ठीक हो जाएगा। वीर वति ने पूर्ण विधि से व्रत किया तो उसका पति फिर से ठीक हो गया।

श्री कृष्ण ने कहा कि द्रौपदी तुम भी इस व्रत को विधि से करो सब ठीक हो जाएगा। द्रौपदी ने ऐसा ही किया। अर्जुन ठीक से घर लौट आए। सब ठीक हुआ राज्य वापस मिला।

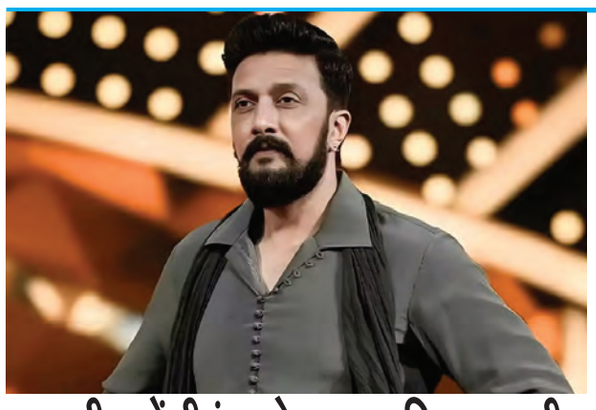

क्या बीच में ही बंद हो जाएगा किच्चा सुदीप का 'बिग बॉस कन्नड़ सीजन 12' शो?

कर्नाटक के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस कन्नड़' के फैंस के लिए बुरी खबर सामने आ रही है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शो के स्टूडियो को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया है। यह स्टूडियो बेंगलुरु दक्षिण जिले के बिदाड़ी इलाके में स्थित है, जहां कई वर्षों से शो की शूटिंग की जा रही थी।

पर्यावरण कानूनों के उल्लंघन का मामला

केएसपीसीबी की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, 'वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी ने बिना जरूरी अनुमति के बड़े पैमाने पर एंटरटेनमेंट और स्टूडियो संचालन शुरू कर रखा था। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि स्टूडियो ने वाटर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) एक्ट, 1974 और एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) एक्ट, 1981 के तहत आवश्यक मंजूरी नहीं ली थी।

बोर्ड द्वारा जारी पत्र में कहा गया?

बोर्ड द्वारा जारी किए गए पत्र में कहा गया- 'आपके परिसर में बड़े पैमाने पर मनोरंजन गतिविधियां और स्टूडियो संचालन किए जा रहे हैं, जबकि इसके लिए जरूरी स्थापना और संचालन की सहमति प्राप्त नहीं की गई है। अतः सभी गतिविधियां तत्काल बंद की जाएं और निर्धारित समय सीमा में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।'

प्रशासन को भेजी गई रिपोर्ट

बोर्ड ने यह आदेश 6 अक्टूबर 2025 को जारी किया और साथ ही इसकी प्रतियां रमणगरा जिले के डिप्टी कमिश्नर, बेसकॉम के प्रबंध निदेशक और विद्युत अभियंता को भी भेजी गई हैं। उन्हें इस निर्देश के पालन में सहयोग करने के लिए कहा गया है। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया, तो कंपनी के खिलाफ कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वर्षों से बिदाड़ी में होती थी शूटिंग

'बिग बॉस कन्नड़' का यह स्टूडियो पिछले कई सीजन से बिदाड़ी के विशेष रूप से निर्मित सेट में स्थित है। इस शो की मेजबानी किच्चा सुदीप करते हैं और यह कर्नाटक के सबसे लोकप्रिय टीवी शोज में से एक है। शो अपनी भव्य प्रोडक्शन क्वालिटी और उच्च दर्शक सहभागिता के लिए जाना जाता है।

शो के भविष्य पर सवाल

हालांकि इस आदेश के बाद शो की शूटिंग और प्रसारण पर तत्काल असर पड़ सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि निर्माता इस कानूनी विवाद से कैसे निपटते हैं- क्या वे किसी नए लोकेशन की तलाश करेंगे या पर्यावरण मंजूरी लेकर दोबारा संचालन शुरू करेंगे। यह मामला न सिर्फ मनोरंजन जगत बल्कि पर्यावरण नियमों के अनुपालन पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

60 करोड़ की ठगी मामले में शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज, 5 घंटों तक हुई पूछताछ

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से एक कारोबारी को 60 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में करीब चार घंटे तीस मिनट तक पूछताछ की। इस हाई-प्रोफाइल केस में अब तक शिल्पा के पति राज कुंद्रा समेत पांच लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जांच एजेंसी का फोकस अब उस कंपनी पर है, जिसके जरिए यह पूरा लेन-देन हुआ था। इसी कंपनी में शिल्पा और कुंद्रा दोनों डायरेक्टर थे।

मामला क्या है?

आरोप है कि व्यवसायी दीपक कोठारी (60) को कुंद्रा-शेट्टी दंपति ने एक लोन-कम-इन्वेस्टमेंट डील में 60 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। कोठारी ने अगस्त में जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद ईओडब्ल्यू ने इस मामले को अपने हाथ में लिया। जांच के दौरान कई वित्तीय दस्तावेजों और बैंक ट्रांजैक्शनों की पड़ताल की जा रही है।

राज कुंद्रा का बयान

पूछताछ के दौरान राज कुंद्रा ने दावा किया कि उस रकम का कुछ हिस्सा उन्होंने बिपाशा बसु, नेहा धूपिया और एकता कपूर जैसी बॉलीवुड हस्तियों को प्रोफेशनल फीस के रूप में दिया था। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वो अब यह जांच रहे हैं कि क्या इन भुगतानों का सीधा संबंध उस निवेश सौदे से था या फिर यह सिर्फ एक बहाना था।

शिल्पा शेट्टी की भूमिका पर सवाल

शिल्पा शेट्टी से ईओडब्ल्यू की टीम ने कंपनी में उनकी भूमिका, निवेश निर्णयों में उनकी भागीदारी और वित्तीय दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर से जुड़े कई

सवाल पूछे। सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री ने खुद को 'एक साइलेंट पार्टनर' बताया और कहा कि कंपनी के सारे ऑपरेशनल फैसले उनके पति राज कुंद्रा लेते थे।

मामले की जांच जारी

फिलहाल ईओडब्ल्यू ने ये साफ किया है कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और कई नए गवाहों से भी पूछताछ की जाएगी। मामले में नए नाम सामने आ सकते हैं क्योंकि दस्तावेजों में कई ट्रांजैक्शनों की प्रकृति संदिग्ध बताई जा रही है।

विजय देवरकोंडा की कार का एक्सीडेंट

एक्टर ने खुद बताया क्या हुआ और अब कैसी है हालत!

एक्टर विजय देवरकोंडा जोगुलम्बा गडवाला जिले के उंडावल्ली के पास सड़क पर बाल-बाल बच गए, जब उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। साउथ एक्टर की लेक्सस कार अचानक दाहिनी ओर मुड़ी एक बोलेरो से टकरा गई, जिससे यह दुर्घटना हुई।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि विजय देवरकोंडा उस समय गाड़ी के अंदर ही थे, लेकिन वे सुरक्षित बच गए। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना अचानक हुई क्योंकि बोलेरो ने दिशा बदल दी, जिससे एक्टर की कार को मामूली नुकसान हुआ। फैंस चिंता में हैं लेकिन आधिकारिक रिपोर्ट्स ने पुष्टि की है कि विजय देवरकोंडा घायल नहीं हुए हैं और दुर्घटना के बाद सुरक्षित हैं।

विजय देवरकोंडा ने दिया हेल्थ अपडेट

एक्स पर अपनी ताजा पोस्ट में विजय ने लिखा, 'सब ठीक है। कार लड़ गई, लेकिन हम सब ठीक हैं। मैंने स्ट्रेंथ वर्कआउट भी किया और अभी-अभी घर लौटा हूं। सिर में दर्द है, लेकिन बिरयानी और नींद से कुछ नहीं होगा। तो आप सभी को ढेर सारा प्यार। इस खबर से परेशान मत होइए।'

पुलिस के अनुसार, 'एक्टर विजय देवरकोंडा दोपहर करीब 3 बजे पुट्टपर्थी से हैदराबाद जा रहे थे, तभी आगे चल रही एक बोलेरो गाड़ी अचानक दाईं ओर मुड़ गई, जिससे उनकी कार का बायां हिस्सा टकरा गया। विजय और दो अन्य लोग कार में थे। शुक्र है कि किसी को चोट नहीं आई। उन्होंने तुरंत दूसरी गाड़ी ली और उनकी टीम ने बीमा के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।'

तीन दिन पहले हुई थी सगाई

यह खबर विजय देवरकोंडा के रविवार को अपने परिवार के साथ श्री सत्य साईं बाबा के प्रशांति निलयम आश्रम जाने के कुछ ही देर बाद आई है। यह खबर उन खबरों के बाद आई है कि विजय और रश्मिका मंदाना ने 3 अक्टूबर को विजय के हैदराबाद स्थित घर पर सगाई कर ली थी, जिसमें परिवार के करीबी सदस्य शामिल हुए थे।

2026 में होगी शादी

सूत्रों के अनुसार, दोनों के फरवरी 2026 में एक डेस्टिनेशन वेडिंग में शादी करने की उम्मीद है। न तो विजय और न ही रश्मिका मंदाना ने आधिकारिक तौर पर सगाई की पुष्टि की है और न ही अपनी शादी की प्लानिंग के बारे में कोई जानकारी दी है। वर्कफ्रंट पर, विजय को आखिरी बार गौतम तिन्ननुरी की तेलुगू फिल्म 'किंगडम' में देखा गया था, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

अलीशा चिनॉय पति से तलाक के बाद पीजी में रहने लगीं

कहा- कर्ज में डूबी थी, 12-15 साल बुरे दौर से गुजरी हूं

'मेड इन इंडिया' गाने से रातों रात सेंसेशन बनीं सिंगर अलीशा चिनॉय ने अपने एक्स हसबैंड राजेश से तलाक, फाइनैंशियल स्ट्रगल और कैंसर की लड़ाई के दौरान अपने पिता को सपोर्ट को लेकर बातें कीं। उन्होंने कहा- एक पीजी में रहने की जगह ले ली और जेब में कुछ भी नहीं था और मैं भाग गई।

अलीशा चिनॉय ने तलाक पर कही बात

'मेड इन इंडिया' गाने से हर दिलों को छूने वालीं सिंगर अलीशा चिनॉय को 1980 के दशक में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। ये सब तब हो रहा था जब उनका करियर अपने पीक पर था। एक तरफ जहां उनका म्यूजिक करियर रफ्तार में था, वहीं पर्सनल लाइफ में उनके एक्स हसबैंड और मैनेजर राजेश झावेरी के साथ खटपट शुरू हो चुकी थी।

हाल ही में एक इंटरव्यू में अलीशा ने जिंदगी के कई पन्नों को सबके सामने खोलकर रख दिया। उन्होंने इस दौरान फाइनैंशियल स्ट्रगल से जूझने और अपने पिता के कैंसर के इलाज जैसी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। 'जूम' के साथ बातचीत के दौरान, अलीशा ने कहा, 'यह बहुत ही चैलेंजिंग टाइम था। एक तरफ, मुझे अपार सफलता मिल रही थी, वहीं दूसरी तरफ मैं कई समस्याओं से जूझ रही थी। मैं अपने तलाक के दौर से गुजर रही थी, यह थोड़ा दर्दनाक समय था। हर घटना मुझे परेशान कर रही थी, इसलिए मैं अपनी सफलता को इंजॉय नहीं कर पा रही थी।'

अलीशा ने बताया- मैं बहुत ज्यादा बंधन महसूस कर रही थी

इस बारे में बातें करते हुए अलीशा ने कहा कि वो इन चीजों को और झेलने के लिए तैयार नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'मैं बस वहां नहीं रहना चाहती थी। मैं बहुत ज्यादा बंधन महसूस कर रही थी। मैंने उससे बहुत ईमानदारी से कहा कि हमें बस दोस्त रहना चाहिए या साथ काम करना चाहिए, लेकिन यह शादी नहीं चल पा रही है।

पूरा इक्वेशन बदल जाता है, उम्मीदें बदल जाती हैं और मुझे लगा कि शायद यह एक गलत फैसला था लेकिन जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो यह ठीक है क्योंकि हम आपसी सहमति से अलग होने के उस फैसले पर सहमत हुए थे।'

'जेब में कुछ भी नहीं था और मैं भाग गई'

अलीशा चिनॉय के माता-पिता को उनकी तलाक की खबर से धक्का लगा और उन्होंने उसे राजेश के साथ सुलह करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता हैरान रह गए, उन्होंने मुझे मामला सुलझाने की कोशिश करने की बात कही। मैंने उनसे कहा कि कोई बात नहीं, एक पीजी में रहने की जगह ले ली और जेब में कुछ भी नहीं था और मैं भाग गई। यह कठिन था, लेकिन मुझे बहुत सारे गाने मिल रहे थे इसलिए मैं ठीक थी। यह सिर्फ कॉन्फिडेंस ही है जो मुझे हर जगह ले गया है।'

अलीशा बोलीं- मैं पिछले 12-15 साल में एक बुरे दौर से गुजरी हूं

अलीशा की दिक्कतें यहीं तक नहीं थीं बल्कि वो अपने पिता के दर्द का भी हिस्सा बनीं। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 12-15 साल में एक बुरे दौर से गुजरी हूं। मेरे पिताजी को कैंसर हो गया, उन्होंने मदद मांगी और... वास्तव में उनकी मदद करने वाला कोई और नहीं था।'

कहा- मैं उदास थी और पूरी तरह टूट चुकी थी

सिगर ने आगे कहा, 'मेरे पास पैसों की कमी थी, हम कर्ज में डूबे हुए थे। कोई नहीं था, बस मैं, मैं और मैं ही इससे लड़ रही थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं इसे कर पाऊंगी। एक समय ऐसा भी था जब मुझे लगा कि बस, अब हो गया। मैं उदास थी और पूरी तरह टूट चुकी थी। यह बहुत ही अपमानजनक और साथ ही साथ विनम्र करने वाला समय था।' बताते चलें कि अलीशा चिनॉय 1994 में अपने पति राजेश झावेरी से अलग हो गईं।

राखी सावंत ने अभिषेक कुमार को बताया अपना दूल्हा, जान छुड़ाकर भागे एक्टर

राखी सावंत भारत आ चुकी हैं। उन्हें अविका गौर और मिलिंद चंदवानी की शादी में देखा जाएगा, जिसका प्रोमो जारी हुआ है। उसमें वह अभिषेक कुमार के पीछे पड़ती दिखीं लेकिन एक्टर उनसे अपनी जान छुड़ाते नजर आए।

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी की शादी 'पति पत्नी और पंगा' के सेट पर हुई और वहां कई नामी सेलेब्स पहुंचे। मीका सिंह से लेकर फराह खान और कृष्णा अभिषेक ने सभी का मनोरंजन किया। अब शो के लेटेस्ट प्रोमो में राखी सावंत भी नजर आई हैं। जिन्होंने आते ही अभिषेक कुमार के साथ फ्लर्ट करना शुरू कर दिया लेकिन एक्टर उनसे दूर-दूर भागने लगे। अंत में एक्ट्रेस दौड़ते-दौड़ते फर्श पर फिसलकर गिर भी पड़ीं और सबकी हंसी छूट गई।

अविका गौर की शादी में शामिल होने के लिए राखी सावंत दुबई से फाइनली इंडिया आईं। प्रोमो में वह अपना चेहरा छिपाए होती हैं तो अभिषेक पूछते हैं, 'ये कौन है? मेरे को बता दो।' एक्ट्रेस अपना हाथ हटाती हैं और उन्हें देख अभिषेक शॉक्ड हो जाते हैं। राखी कहती हैं, 'मुझे पति मिल गया।' फिर ईशा, गुरमीत और मुनव्वर, फहाद एक्टर का हाथ पकड़कर राखी के पास ले जाते हैं तो वह कहते हैं, 'अरे भाई मैं मजाक कर रहा था। मुझे कोई लड़की नहीं चाहिए।'

अभिषेक कुमार के पीछे-पीछे राखी सावंत

राखी ने कहा, 'मुझे कुबूल है।' इसके बाद मुनव्वर भी उन्हें चिढ़ाते हैं और एक्ट्रेस 'चिकनी चमेली' गाने पर ठुमके लगाती हैं और अभिषेक को छेड़ती हैं। कभी उनके पैरों में गिर जाती हैं तो कभी पैर पकड़ लेती हैं लेकिन शो के कंटेस्टेंट उनसे भागते ही दिखते हैं।

इसके बाद मुनव्वर ने कहा कि राखी, अभिषेक ने आपके लिए शायरी लिखी है। तो एक्टर बोले, 'मुझे डॉक्टर ने मना किया है कि अगर मैं शायरी बोलूंगा तो मर जाऊंगा।' राखी उनके करीब जाकर बोलीं, 'तो मरो न मेरे पर। मैं तो चाहती हूं कि आप मुझ पर मरो।

थामा का गाना 'दिलबर की आंखों का' में नोरा फतेही ने दिखाए जबरदस्त डांस मूव्स

रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थामा' का हाल ही में गाना 'तुम मेरे न हुए' रिलीज हुआ था। वहीं आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है।

आज मैडॉक फिल्म्स ने अगामी फिल्म 'थामा' का एक नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर दिया है। इस गाने के आने से साफ हो गया है कि अब नोरा फतेही भी मैडॉक्स हॉरर फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। आज 'थामा' फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'दिवाली और भी ज्यादा गरम हो गई।

'स्पिरिट' में प्रोफेशनलिज्म को लेकर हुआ था विवाद

अब दीपिका को लेकर तृप्ति ने दिया रिएक्शन

तृप्ति डिमरी इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने को लेकर चर्चाओं में हैं। तृप्ति इस फिल्म में दीपिका के काम के घंटों को लेकर होने वाले विवाद के चलते हटने के बाद शामिल हुई हैं। इसको लेकर दीपिका और संदीप रेड्डी वांगा के बीच काफी तल्खी भी देखने को मिली थी। अब तृप्ति डिमरी ने दीपिका पादुकोण से जुड़ी एक पोस्ट लाइक की है। तृप्ति ने हाल ही में एक सोशल मीडिया रील को लाइक किया, जिसमें दीपिका के खिलाफ नकारात्मक पीआर और झूठी धारणाओं का पर्दाफाश किया गया था। तृप्ति का इस रील पर लाइक अब वायरल है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

वायरल हुआ तृप्ति का लाइक

इस रील में सेलिब्रिटी साड़ी ड्रेपर डॉली जैन हैं, जिन्होंने दीपिका पादुकोण के डेडिकेशन और दृढ़ता की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कैसे 'गोलियों की रासलीला रामलीला' फिल्म के गाने 'नगाड़ा संग ढोल बाजे' की शूटिंग के दौरान दीपिका ने नंगे पैर शूटिंग की थी। उस गाने में वो 30 किलो का भारी लहंगा पहने थीं। इस पर कड़ी कोरियोग्राफी के कारण उनके पैरों में खून और सूजन भी आई, लेकिन उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। अब इस रील पर तृप्ति ने लाइक किया है। वैसे तो ये साधारण पोस्ट है, लेकिन तृप्ति उस फिल्म का हिस्सा बनी हैं, जिसमें दीपिका को प्रोफेशनलिज्म के चलते हटाया गया। ऐसे में तृप्ति के इस रील पर लाइक

आते ही ये चर्चा का विषय बन गया है।

यह थी दीपिका के 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह

दीपिका के 'स्पिरिट' से हटने की वजह उनका आठ घंटे काम करने की मांग करना था। जिसको लेकर दीपिका और संदीप रेड्डी वांगा के बीच अनबन शुरू हो गई। अंततः दीपिका 'स्पिरिट' से बाहर हो गईं।

दीपिका के इस रवैये को वांगा की टीम ने गैर-पेशेवर करार दिया। हालांकि, बात तब और बिगड़ गई जब दीपिका ने कथित तौर पर न केवल 20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस, बल्कि फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी भी मांगी। हालांकि, ये सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है। इसके बाद संदीप रेड्डी वांगा ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट किया था, जिसे दीपिका पादुकोण पर तंज माना गया। उसके बाद से मामला और भी बढ़ गया था।

प्रभास के साथ नजर आएंगी तृप्ति

इसके बाद मेकर्स ने तृप्ति डिमरी को 'स्पिरिट' में शामिल किए जाने की घोषणा की थी। तृप्ति इससे पहले संदीप रेड्डी वांगा के साथ रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में भी काम कर चुकी हैं। 'स्पिरिट' संदीप रेड्डी का मच अवेटेड प्रोजेक्ट है, इसमें प्रभास प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

'किंग' में शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वहीं दीपिका पादुकोण की बात करें तो 'स्पिरिट' के बाद दीपिका 'कल्कि 2898 एडी'

के सीक्वल से भी बाहर हुई हैं। जिसकी घोषणा भी मेकर्स ने ही की थी। फिलहाल दीपिका इन दिनों शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख-दीपिका के अलावा सुहाना खान समेत कई स्टार्स नजर आएंगे।

साउथ अभिनेता-निर्देशक हेमंत हुए गिरफ्तार यौन उत्पीड़न का लगा गंभीर आरोप

बेंगलुरु पुलिस ने हाल ही में फिल्म निर्माता और अभिनेता हेमंत को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब एक रियलिटी शो विजेता और अभिनेत्री ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में दावा किया गया कि हेमंत ने अभिनेत्री को फिल्म में मुख्य भूमिका देने के बहाने शोषित किया।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

शिकायत में कहा गया कि हेमंत ने 2022 में अभिनेत्री से संपर्क किया और उन्हें फिल्म 'रिची' में मुख्य भूमिका देने का वादा किया। दोनों के बीच 2 लाख रुपये की रिम्युनरेशन पर समझौता हुआ, जिसमें से 60,000 रुपये अग्रिम के रूप में अभिनेत्री को दिए गए। लेकिन शूटिंग बार-बार स्थगित होती रही, जिससे अभिनेत्री को पेशेवर व्यवस्था पर असंतोष होने लगा।

अभिनेत्री ने लगाए कई आरोप

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की प्रोडक्शन प्रक्रिया के दौरान हेमंत ने अभिनेत्री को विवादास्पद और आपत्तिजनक सीन करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने अभिनेत्री को ऐसे कपड़े पहनने पर भी दबाव डाला जो असहज थे और कहा जाता है कि उन्होंने अभिनेत्री को अनुचित रूप से छुआ भी। इसके कारण अभिनेत्री मानसिक रूप से परेशान रहने लगी और काम का माहौल असहज हो गया।

मुंबई में प्रमोशन के दौरान भी उत्पीड़न

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि असभ्य व्यवहार केवल सेट तक सीमित नहीं रहा। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म प्रचार के दौरान मुंबई यात्रा में भी हेमंत ने उन्हें परेशान किया। उनके अनुसार, जब उन्होंने विरोध किया तो हेमंत ने गुंडों के माध्यम से धमकी दी, जिससे उनकी सुरक्षा और भलाई पर खतरा महसूस हुआ।

वित्तीय और अन्य आरोप

अभिनेत्री ने यह भी आरोप लगाया कि हेमंत ने वित्तीय अनुचितता की। उन्होंने कहा कि हेमंत ने जो चेक जारी किया वह बाद में बाउंस हो गया। इसके अलावा, फिल्म से जुड़ी अनकसेड और अस्वीकार्य दृश्य सोशल मीडिया पर बिना उनकी अनुमति के अपलोड किए गए। यह सब पुलिस कार्रवाई के और मजबूत आधार बने।

पुलिस कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया

शिकायत के आधार पर राजाजीनगर पुलिस ने हेमंत को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायालय में पेश किया।

न्यायालय ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया और मामले की जांच शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि सभी आरोप कानूनी प्रक्रिया के अनुसार जांचे जा रहे हैं और आगे की कार्रवाई जांच में जुटाए गए सबूतों के आधार पर की जाएगी।

चेहरे पर भद्दे निशान खराब कर रहे हैं आपकी खूबसूरती?

चेहरे पर चोट या मुंहासों के निशान दिखने में बेहद भद्दे लगते हैं। इन्हें दूर करने के लिए आप कुछ घरेलू उपचार आजमाने के अलावा ट्रीटमेंट्स भी करवा सकते हैं, जिससे निशान धीरे धीरे कम हो जाएंगे।

चेहरे पर निशान विभिन्न कारणों से हो सकते हैं, जैसे- छोटी या बड़ी चोटें, घाव, मुंहासे, जलने, कटने या सर्जरी के दौरान टांको के निशान आदि। यदि यह चेहरे पर हैं और दिखने में छोटे हैं, तो आप इसे मेकअप आदि से छुपा सकती हैं, लेकिन अगर इनका आकार बड़ा है तो आपको

उपचार की जरूरत पड़ सकती है।

शरीर पर कई निशान समय के साथ मिट जाते हैं। इसमें कुछ महीनों से लेकर 2 साल तक का समय लग सकता है। हालांकि ये भी सच है कि आप घरेलू उपचार से निशान को पूरी तरह से कभी नहीं मिटा सकते। फिर भी कुछ प्राकृतिक उत्पाद हैं, जो निशान की उपस्थिति को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कलौंजी के बीज

कलौंजी के बीज इसमें एंटीवायरल और जीवाणुरोधी गुण होते हैं। इसकी सूजन-रोधी ताकत निशान को कम करने में भी मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, पशु और मानव कोशिका अध्ययनों से पता चला है कि काले बीज का तेल घाव भरने को बढ़ावा दे सकता है।

गुलाब का तेल

जंगली गुलाब के पौधों के फल से निकाला गया रस, निशान की उपस्थिति को कम करने में मदद कर सकता है। सर्जिकल निशानों पर शोध से पता चला है कि इस

तेल के परिणामस्वरूप निशानों के उभार और लालिमा में सुधार हुआ है।

एलोवेरा

इसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं जो कई अध्ययनों में प्रदर्शित किए गए हैं। क्षेत्र को नम रखने के लिए इसे घाव पर जेल के रूप में लगाया जा सकता है। यह कोशिकाओं को घाव भरने के लिए एक-दूसरे के ऊपर स्थानांतरित होने करने में सहायता प्रदान करता है। जिससे उपचार प्रक्रिया में सहायता मिलती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि एलोवेरा मेलेनिन (एक प्राकृतिक त्वचा रंगद्रव्य) के उत्पादन को नियंत्रित करता है। तो यह आपके निशान को कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज का अर्क

निशान कम करने वाले उत्पादों में प्याज का अर्क बहुत फायदेमंद हो सकता है। सर्जिकल साइटों पर एक अध्ययन से पता चला है कि प्याज के अर्क जेल ने मरीजों के घावों की बनावट, लालिमा और कोमलता में काफी सुधार किया है। अन्य शोधों से पता चला है कि प्याज का अर्क जेल केलोइड्स और हाइपरट्रॉफिक निशानों पर प्रभावी है, जिससे निशान की कठोरता, उपस्थिति और रंजकता में सुधार होता है।

हल्दी

ये दाग को कम करने में सहायक हो सकती है क्योंकि इसमें करक्यूमिन होता है, जो सूजन-रोधी गुणों वाला एक यौगिक है। कोशिका अध्ययनों से पता चला है कि करक्यूमिन घाव के संकुचन को बढ़ाता है और उपचार के समय को कम करता है। इसलिए शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि कर्क्यूमिन हाइपरट्रॉफिक स्कारिंग में फायदेमंद हो सकती है।

नये जीवन की यात्रा को ऐसे बनाएं यादगार

शादी के बाद अगर आप पहली बार साथी के साथ यात्रा पर जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर अपनी यात्रा को आरामदायक और यादगार बना सकती हैं। जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मोड़ होता है विवाह। शादी में दो व्यक्तित्व साथ जीने के लिए एक नए जीवन में प्रवेश करते हैं। ऐसे में एक-दूसरे को समझने के लिए साथ-साथ क्वालिटी टाइम बिताना, युगल का सपना भी होता है और जरूरत भी। सामान्यतः लाइफ पार्टनर जिंदगी के सफर की शुरुआत कुछ यात्राओं के साथ करते हैं। जीवनसाथी के साथ पहले सफर पर सबसे खास पल होता है। दंपत्ति अपनी इस यात्रा के लिए अत्यंत उत्साहित होते हैं। वे इसे यादगार बनाना चाहते हैं, चाहते हैं कि एक-दूसरे को कुछ खास अनुभव दे सकें। लेकिन कई बार अनजाने में कुछ ऐसा कर बैठते हैं कि यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है और मन में परस्पर स्वभाव के बारे में कुछ गलतफहमियां बैठ जाती हैं। अगर आप अपने साथी के साथ पहली बार सफर पर जा रही हैं तो कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें, ताकि नवजीवन की यह प्रथम यात्रा यादगार बन जाए।

पसंद का ध्यान

पहली यात्रा में केवल अपनी पसंद की ही चीजें ना करें बल्कि साथी की पसंद को भी प्राथमिकता दें। मसलन, उन्हें क्या खाना और कहां घूमने जाना पसंद है। इससे आप दोनों घूमने के साथ एक-दूसरे को अच्छे से समझ भी सकेंगे। अगर आप सिर्फ अपनी पसंद के काम ही करेंगी तो संभव है कि आपके साथी को लगे कि आप दबंग स्वभाव की हैं। यह गलतफहमी जीवन के रंग में भंग का काम कर सकती है।

पैनिक न हों

अक्सर कुछ लोग यात्रा के दौरान छोटी-छोटी बातों से पैनिक हो जाते हैं। इससे कई बार उनकी तबियत बिगड़ जाती है और यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है। या फिर चीजें पसंद की नहीं हों, तो लोगों का मूड खराब हो जाता है। ऐसे में वे अपने साथी पर झल्लाने या चिड़चिड़ाने लगते हैं, आप भूलकर भी ऐसी गलती न करें।

साथ वक्त बिताएं और घूमने भी जाएं

जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा में केवल होटल में ही न बैठी रहें, बल्कि पार्टनर के साथ बाहर घूमने भी जाएं। आस-पास के नजारों और बाजारों को भी देखें। इससे नए अनुभव मिलेंगे और उन पर बातचीत में दोनों को एक-दूसरे का नजरिया भी समझ में आएगा। हां, घूमने के साथ आराम का भी ध्यान रखें। ऐसा न हो कि इतना घूम लें कि शाम को आप पर थकान हावी हो जाए।

खाने की चीजें और दवाएं

घर से बाहर सफर में अनेक चीजों की जरूरत होती है। ऐसे में पैकिंग करते वक्त जरूरत की चीजों के साथ ही खाने-पीने की चीजें और कुछ सामान्य दवाइयां भी रखें। जब सफर में भूख लगे तो आप आराम से खा सकें और साथी को भी खिला सकें। इसके अलावा सफर की थकान या हल्के सिरदर्द में दवाई के लिए परेशान न होना पड़े। इससे जीवनसाथी को आपका केयरिंग नेचर भी समझ में आएगा।

सामान उठाने में मदद

जब आप दोनों साथ पहले सफर पर हैं तो ऐसा न करें कि स्वयं मस्ती से घूमें और सारा सामान केवल पति ही उठाते रहें। आपको खुद से पहल करके सामान उठाने में पति की मदद करनी चाहिए। इससे जीवन के बोझ को मिलकर उठाने का संदेश भी आप उन्हें दे सकेंगी।

हर पल पूरा ख्याल रखें

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं पति-पत्नी जीवन की गाड़ी के दो पहिए हैं। दोनों को समान रूप से परस्पर प्रेम, समर्पण देने के साथ ही जीवन के फैसलों में एक-दूसरे की राय को महत्व देना चाहिए।

विवाह के बाद जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा, एक नए जीवन की यात्रा का शुभारंभ होती है। इसके अनुभव जिंदगीभर दोनों को रोमांचित करते हैं। इसलिए इस यात्रा में प्रत्येक पल दूसरे का पूरा ख्याल रखें।

बहुत ज्यादा इमोशनल होना क्यों है खतरनाक?

भावनाएं जीवन को अर्थ और गहराई देती हैं। ये रिश्तों को मजबूत और मनुष्य को संवेदनशील इन्सान बनाती हैं। लेकिन जब भावनाएं आप पर हद से ज्यादा हावी हो जाती हैं तो वे आपकी कमजोरी बन सकती हैं। अक्सर लोग अत्यधिक भावुक व्यक्तियों का फायदा उठाते हैं और उन्हें अपराध-बोध का शिकार बना देते हैं। भावुक होना गलत नहीं है, लेकिन जरूरी है कि आप अपनी भावनाओं को समझदारी से संभालना सीखें। महिलाओं के लिए तो यह अधिक जरूरी है।

भावुकता कमजोरी क्यों?

इमोशनल होना अपने आपमें कोई बुरी बात नहीं है। भवनाएं तो इन्सान को दयालु और संवेदनशील बनाती हैं। लेकिन यह बात सभी जानते हैं कि जब कोई व्यक्ति हर बात में 'हां' कहता है और अपनी सीमाएं भूल जाता है तो लोग उसका फायदा उठाने लगते हैं। बार-बार दूसरों की उम्मीदें पूरी करते-करते वह खुद को थका देता है और धीरे-धीरे आत्मसम्मान खो बैठता है। महिलाओं के साथ ऐसा ज्यादा होता है, क्योंकि वह पुरुषों के मुकाबले ज्यादा भावुक होती हैं।

'न' कहना जरूरी?

हमारे समाज में अक्सर 'न' कहना अपमान समझा जाता है, लेकिन वास्तव में यह आत्मसुरक्षा का तरीका है। हर किसी की मदद करना संभव नहीं होता और न ही यह जरूरी है। जब आप सही जगह पर 'न' कहना सीख जाएंगी तो लोग आपका फायदा उठना छोड़ देंगे। याद रखें, 'न' कहने का मतलब स्वार्थी होना नहीं, बल्कि अपनी सीमाओं और क्षमताओं को समझना है।

समझदारी से संभालें ?

भावुक होना आपको एक बेहतर इन्सान बनाता है, लेकिन भावनाओं में बहकर निर्णय लेना कई बार नुकसानदायक साबित होता है। इसलिए जरूरी है कि दिल के साथ-साथ दिमाग को भी संतुलन में रखा जाए। किसी भी फैसले से पहले कुछ पल रुककर सोचें और हर मदद की गुहार पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। जरूरत पड़ने पर किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेना समझदारी होती है। आत्मचिंतन करें कि आप मदद सही कारण से कर रही हैं या सिर्फ इसलिए कि आपको 'न' कहने में डर लगता है।

सीमाएं तय करें?

सीमाएं तय करना आत्मसम्मान और मानसिक संतुलन की रक्षा करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका अर्थ यह नहीं कि आप असंवेदनशील हैं, बल्कि यह दर्शाता है कि आप अपने और दूसरों के बीच संतुलन बनाए रखना जानती हैं। जब आप स्पष्ट करती हैं कि किन परिस्थितियों में कितना सहयोग दे सकती हैं तो लोग आपकी भावनाओं और समय की कद्र करने लगते हैं। अपनी सीमाओं का सम्मान करना आत्मदेखभाल का हिस्सा है, जो स्वस्थ रिश्तों के लिए जरूरी है।

बुरा महसूस न करें?

यह स्वीकार करना जरूरी है कि आप हर समय हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं रह सकतीं। कभी-कभी अपनों को अपनी परिस्थितियों से खुद ही निपटना होता है। हर बार मदद न कर पाने पर बुरा महसूस करना स्वाभाविक है, लेकिन यह आत्मग्लानि नहीं, समझदारी का संकेत है। इसलिए अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीखें, तभी आप रिश्तों को दिल से निभा पाएंगी।

करवा चौथ पर पत्नी को खुश करने का सबसे आसान तरीका

करवा चौथ का व्रत सिर्फ उपवास नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम और एक-दूसरे के लिए समर्पण का प्रतीक है। इस दिन पत्नी पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र की

कामना करती है। ऐसे में अगर पति एक छोटा-सा तोहफा भी दिल से दे, तो पत्नी के चेहरे पर मुस्कान आना तय है। इसके लिए आपको जेब ढीली करने की भी जरूरत नहीं। 500 रुपये तक में भी ऐसे कई तोहफे हैं जो आपके प्यार का संदेश खूबसूरती से पहुंचा सकते हैं। तो इस करवाचौथ पति अपनी पत्नी को महंगा नहीं बल्कि महत्वपूर्ण तोहफा दें, जो प्यार और अपनापन दोनों का एहसास कराए।

500 रुपये तक के तोहफों की लिस्ट

हैंडमेड कार्ड और चॉकलेट बॉक्स

करवाचौथ पर अपनी पत्नी के लिए खुद से बनाकर कार्ड तोहफे में दें। इस कार्ड पर अपने प्यार का इजहार करें। साथ में एक चॉकलेट बॉक्स भी गिफ्ट कर सकते हैं। अपनी भावनाओं को शब्दों में पिरोएं। खुद लिखा कार्ड और कुछ पसंदीदा चॉकलेट्स, यकीन मानिए, इससे बड़ा तोहफा कोई नहीं। इस तरह के तोहफे में 150 रुपये से 300 रुपये तक खर्च हो सकते हैं।

कस्टमाइज्ड मग या कुशन

लगभग 300 से 400 रुपये खर्च करके अपनी पत्नी को कस्टमाइज्ड मग या कुशन गिफ्ट में दे सकते हैं। इन पर आपकी शादी की तस्वीर या "I Love You Forever" प्रिंट करवाएं। हर सुबह चाय पीते वक्त आपकी याद उन्हें मुस्कुराने पर मजबूर करेगी।

छोटा-सा ज्वेलरी पीस

लगभग 500 रुपये में ऑक्सीडाइज्ड ईयररिंग्स, चूड़ियां या पायल करवा चौथ की साज-सज्जा में चार चांद लगा देंगे। पत्नी को तोहफे में कोई छोटी लेकिन प्यारी सी ज्वेलरी गिफ्ट में दे सकते हैं।

सुगंधित कैंडल सेट या परफ्यूम

पत्नी को करवाचौथ पर कोई परफ्यूम या सुगंधित कैंडल तोहफे में दे सकते हैं। आपकी मोहब्बत

की खुशबू हमेशा उन्हें आपकी याद दिलाती रहेगी। यह गिफ्ट कम कीमत में सबसे एलिगेंट विकल्प है।

साड़ी का बॉर्डर गिफ्ट करें

लगभग 500 रुपये के अंदर अच्छी साड़ी के विकल्प मिल सकते हैं। अगर आपकी पत्नी साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो साड़ी के लिए सुंदर बॉर्डर खरीदकर उन्हें दें। यह विचारशील और उपयोगी तोहफा दोनों है।

जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करें?

हर इंसान की पसंद और नापसंद अलग-अलग होती है। हालांकि जब दो अलग अलग विचारधाराओं के लोग एक दूसरे के करीब आते हैं या एक रिश्ते में बंध जाते हैं तो हो सकता है कि उनके बीच आपसी तालमेल बैठाने में दिक्कत आए। जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलने की समस्या आम हो सकती है। खाने-पीने की छोटी छोटी बातों से लेकर जीवन जीने के सलीके तक कपल एक दूसरे से अलग हो सकते हैं। ऐसे में उनके बीच क्लेश होना भी लाजमी हो सकता है।

रिश्ते में लोग उम्मीद करते हैं कि साथी उनकी पसंद को अपनाएं और अपने जीवनशैली में उनके अनुरूप बदलाव करे। हालांकि रिश्ते में बदलाव बगावत का काम भी कर सकता है। ऐसे में जीवनसाथी से अलग पसंद होने पर रिश्ते को बिना किसी परेशानी के निभाने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। इस लेख के जरिए जानिए अगर जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करना चाहिए।

संवाद करें

पहले तो, आपको अपने जीवनसाथी के साथ बातचीत करनी चाहिए। खुलकर बात करने से समस्या के कारण का पता चलता है, साथ ही दोनों को एक दूसरे को अच्छे से समझने का

मौका मिलता है। जीवनसाथी की पसंद और नापसंद को समझकर रिश्ते को निभाने में आसानी हो सकती है।

समझें और समझाएं

अपने जीवनसाथी के दृष्टिकोण और आपके दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें। क्योंकि कभी-कभी, यह दोनों के बीच होने वाली समस्याओं का कारण हो सकता है। ये जानने का प्रयास करें कि जीवनसाथी आपसे क्या उम्मीद रखता है या आपकी क्या आशाएं पार्टनर से हैं, ये भी उन्हें बताएं।

समाधान की तलाश करें

हर समस्या को खत्म करने के लिए उसका कोई न कोई समाधान होता है, जिसे आपको तलाशना होगा। आप दोनों के बीच आपसी तालमेल बिठाने के लिए समस्या का समाधान तलाशें। अगर आप दोनों के विचारों और मूल्यों के असहमति है तो समाधान ढूंढने के लिए समझौता करने का प्रयास करें।

सहानुभूति और सहयोग

एक दूसरे के साथ सहानुभूति रखें और सहयोग का प्रयास करें। एक दूसरे की मदद करें, अगर आपको जीवनसाथी की कोई बात या विचार पसंद नहीं तो उन्हें संयम और शांति से ये बात बताएं, लेकिन उनके विचारों पर अपनी पसंद को थोपने का प्रयास न करें।

रोज ये गलतियां करते हैं मां-बाप, संवारने की जगह बिगाड़ लेते हैं अपने ही बच्चे का भविष्य

मां-बाप अपने बच्चे की परवरिश को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क रहते हैं जबकि इसमें उनसे भी कुछ गलतियां हो जाती हैं। अगर पैरेंट्स इन गलतियों से बच जाएं, तो वो अपने बच्चे के हेल्दी विकास में अहम योगदान दे सकते हैं।

अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो कहीं न कहीं इस बात से जरूर सहमत होंगे कि बच्चों की परवरिश करने का काम बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें ऐसा कोई भी एक तरीका नहीं है जो हर बच्चे के लिए फिट बैठता हो। मां-बाप को अपने बच्चे के हिसाब से अपने पैरेंटिंग स्टाइल में बदलाव करते रहना पड़ता है। बच्चों की परवरिश में मां-बाप से भी कुछ गलतियां हो जाती हैं जो कि बहुत नॉर्मल बात है। हम गलतियों से ही सीखते हैं लेकिन हमें बार-बार एक ही तरह की गलती करने से खुद को रोकना भी होता है। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी पैरेंटिंग मिस्टेक्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें करने से पैरेंट्स को बचना चाहिए।

बच्चे को लेकर ओवरप्रोटेक्टिव होना

मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चे को ओवरप्रोटेक्ट करने लगते हैं। वो अपने बच्चे को हर तरह के खतरे, मतभेद या निराशा से बचाने की कोशिश करते हैं जो असल में बच्चे के भावनात्मक और सामाजिक विकास में बाधा बन सकते हैं। ऐसा कर के पैरेंट्स अपने बच्चे को कमजोर बना रहे हैं। इन बच्चों में जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने की ताकत और क्षमता विकसित ही नहीं हो पाती है। आप बच्चे को मार्गदर्शन और सपोर्ट दें लेकिन उसके साथ ही उसे गलतियां भी करने दें। इससे बच्चे का आतमविश्वास बढ़ता है।

सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देना

आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है जबकि बाकी लाइफ स्किल्स को इग्नोर किया जा रहा है। कुछ पैरेंट्स अपने बच्चे के ऊपर बहुत ज्यादा प्रेशर डाल देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में अव्वल आए। इस चक्कर में बच्चे के भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास को नजरअंदाज कर दिया जाता है। बच्चों पर पढ़ाई को लेकर दबाव बनाने से उनमें एंग्जायटी, तनाव जैसी परेशानियां देखी जा सकती हैं। इससे बचने के लिए आप अपने बच्चे को उसकी पसंद की चीजें करने के लिए बढ़ावा दें।

पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर करना

पैरेंट्स अक्सर अपने बच्चे की जरूरतों को ऊपर रखते हैं और अपनी खुद की देखभाल और पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर कर देते हैं। मां-बाप के लिए अपने बच्चे को पहले रखना नैचुरल रहना है लेकिन जब आप खुद को इग्नोर करने लगते हैं, तो इससे आपमें थकान, स्ट्रेस आदि आने लगता है। जब आप खुद स्वस्थ रहेंगे, तभी आपका परिवार स्वस्थ और खुशहाल रह पाएगा।

बहुत ज्यादा पनिशमेंट देना

कुछ पैरेंट्स अपने घर में बहुत सख्त डिसिप्लिन लेकर चलते हैं जैसे कि बच्चों को डांटना, पीटना या उन पर चिल्लाना आदि। मां-बाप के लिए अपने बच्चे के व्यवहार को कंट्रोल करने के यही तरीके दिखते हैं।

बच्चों को अनुशासन सिखाना जरूरी है लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा पनिशमेंट देने से पैरेंट और बच्चे का रिश्ता खराब होने का डर रहता है और इसका बुरा असर बच्चे की भावनात्मक सेहत पर भी पड़ सकता है।

आप बच्चे को पनिशमेंट देने की बजाय उससे प्यार से बात करें और उसे सही और गलत के बीच फर्क समझाएं।

बोरे भर-भरकर सोना खरीद रहा चीन

लेकिन भारत ने लगा दिया 'ब्रेक', क्या है चक्कर?

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां) सोने की कीमत पहली बार 4,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच चुकी है। इस साल सोने की कीमत 40 बार से ज्यादा ऑल टाइम हाई पर पहुंची है। गोल्डमैन सैश का कहना है कि अगले साल दिसंबर तक सोने की कीमत 4,900 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है।

कीमत में तेजी के बावजूद दुनिया के कई देशों के बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। अगस्त में उन्होंने कुल मिलाकर 15 टन सोना खरीदा। चीन ने लगातार 11वें महीने सोने की खरीद की है जबकि आरबीआई ने लगातार दूसरे महीने सोना नहीं खरीदा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल मिलाकर 15 टन सोना खरीदा। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही कई देशों के केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफोलियो में सोने की मात्रा बढ़ा रहे हैं। अगस्त में उन्होंने फिर से सोना खरीदना शुरू कर दिया है। अगस्त में कजाकिस्तान के नेशनल बैंक ने सबसे ज्यादा 8 टन सोना खरीदा। लेकिन भारत के रिजर्व बैंक ने लगातार दूसरे महीने सोना नहीं खरीदा।

आरबीआई के पास कितना सोना?

आरबीआई ने 2025 के पहले आठ महीनों में से केवल तीन बार ही सोना खरीदा जबकि 2024 में उसने ये लगभग हर महीने सोना खरीद रहे थे। डब्ल्यूजीसी ने बताया कि आरबीआई ने जनवरी से अगस्त 2025 के बीच केवल 3.8 टन सोना खरीदा जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसने 45.4 टन सोना खरीदा था।

29 अगस्त तक, आरबीआई के पास कुल 879.98 टन सोना था। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 26 सितंबर तक आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 13.6% थी। एक साल पहले यह आंकड़ा 9.3% था जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। डब्ल्यूजीसी ने संभावना जताई है कि सोने की कीमत में हाल में आई तेजी केंद्रीय बैंकों की खरीद को सीमित कर रही है। कुछ देश सोने में आई तेजी का फायदा उठाने के लिए इसकी बिक्री भी की है। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि खरीद में हालिया कमी का मतलब यह नहीं है कि केंद्रीय बैंक सोने में रुचि खो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ रही हैं। ऐसे में सोने की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। उनका कहना है कि दुनिया भर में अनिश्चितता कम नहीं हुई है, जो सोने की कीमत को सपोर्ट करती है। साथ ही यह भी याद रखा जाना चाहिए कि सोने का खनन सीमित है जबकि मांग स्थिर बनी हुई है। इसलिए, सोने की कीमत में और बढ़ोतरी से केंद्रीय बैंकों को फायदा होगा। अगस्त में चीन के सेंट्रल बैंक ने दो टन सोना खरीदा जिससे उसकी गोल्ड होल्डिंग पहली बार 2,300 टन के पार पहुंच गई है। गोल्ड रिजर्व के मामले में अमेरिका के आसपास कोई नहीं है। उसके पास 8,133 टन सोना है। जर्मनी के पास 3,350 टन सोना है। इसके बाद इटली (2452 टन), फ्रांस (2437 टन) और रूस (2330 टन) का नंबर है। चीन 2,301 टन गोल्ड के साथ छठे नंबर पर है। उसके बाद स्विट्जरलैंड (1040 टन) और फिर भारत का नंबर है। जापान के पास 846 टन और तुर्की के पास 837 टन सोना है। तुर्की के सेंट्रल बैंक ने अगस्त में 2 टन सोना खरीदा।

अमेरिका की जनता पर बहुत भारी पड़ रहा टैरिफ... दिग्गज अर्थशास्त्री ने खोली डोनाल्ड ट्रंप की पोल

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर जमकर टैरिफ लगाया है। भारत पर सबसे ज्यादा 50% टैरिफ लगाया गया है। इसमें रूस से कच्चा तेल खरीदने पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ शामिल है। लेकिन कई अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इसका अमेरिका पर उल्टा असर हो रहा है। इसका बोझ अमेरिका की कंपनियों और वहां की जनता को उठाना पड़ रहा है। कुछ जानकारों का कहना है कि यह अमेरिका के लिए बुरा है और बाकी दुनिया के लिए अच्छा है।

इनमें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ भी शामिल हैं। भारतीय मूल की गोपीनाथ ने अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ के अब तक के नतीजों को निगेटिव बताया है। उनका कहना है कि ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के छह महीने बाद भी इसका कोई खास नतीजा नहीं निकला है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, टैरिफ की घोषणा को छह महीने हो गए हैं। अमेरिका के टैरिफ से क्या हासिल हुआ? क्या सरकार के लिए राजस्व बढ़ा? हां, काफी बढ़ा। लेकिन यह पैसा लगभग पूरी तरह से अमेरिकी कंपनियों और कुछ हद तक अमेरिकी उपभोक्ताओं से ही लिया गया। तो इसने अमेरिकी कंपनियों/उपभोक्ताओं पर एक टैक्स की तरह काम किया। गोपीनाथ ने कहा, क्या महंगाई बढ़ी? हां, कुल मिलाकर थोड़ी महंगाई बढ़ी। खासकर घरेलू उपकरणों, फर्नीचर और कॉफी जैसी चीजों के दाम थोड़े बढ़े। अगला सवाल है कि क्या व्यापार संतुलन सुधरा? अभी तक इसका कोई संकेत नहीं है। क्या अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिला? इसका भी कोई संकेत नहीं है। कुल मिलाकर, इन टैरिफ का स्कोरकार्ड निगेटिव है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को अपने ट्रेडिंग पार्टनर्स पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाए थे। ट्रंप की नीतियों पर सवाल उठाए गए हैं। कर्ज में डूबे अमेरिका के लिए टैरिफ बढ़ाना कोई समाधान नहीं है। टैरिफ के आलोचकों में लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के डीन एंड्रेस वेलास्को भी शामिल हैं। उनका कहना है कि अमेरिका ने राजनीतिक कारणों से टैरिफ लगाए हैं, आर्थिक कारणों से नहीं। जानकारों का कहना है कि टैरिफ से अमेरिका दुनिया में अलग-थलग पड़ जाएगा। दूसरे देशों के बीच व्यापार समझौते बढ़ेंगे और वे अमेरिका पर बहुत कम निर्भर रहेंगे।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 136 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की गई। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में तेजी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली से यह बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 136.63 अंक या 0.17 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 519.44 अंक या 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,309.56 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.65 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,108.30 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 88.78 (अनंतिम) पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख लाभ में रहे।वहीं एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट और इंफोसिस पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 65.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत गिरकर 65.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 313.77 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,036.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 पर और निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत बढ़कर 25,077.65 पर बंद हुआ।

'भारत में हो रहा दुनिया का 50% रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन'

बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत डिजिटल भुगतान प्रणाली में अग्रणी है और दुनिया के आधे रियल टाइम डिजिटल लेनदेन देश में ही होते हैं। मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि दुनिया के आधे रियल टाइम डिजिटल लेनदेन भारत में होते हैं, जिनकी अपनाने की दर 87% है, जबकि वैश्विक औसत 67% है।

फिनटेक कंपनियों की संख्या के मामले में भारत तीसरे स्थान पर

उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 261 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 18,580 करोड़ से ज्यादा यूपीआई लेनदेन किए। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में फिनटेक कोई विशिष्ट शहरी सुविधा नहीं है, बल्कि यह देशव्यापी आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाला है। सीतारमण ने कहा कि एक दशक में, हमने यूरोपीय संघ के बराबर आबादी को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों की संख्या के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है। भारत ने आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे के माध्यम से सार्वजनिक वित्त के संचालन के तरीके को बदला है, और भविष्य में भी ये तरीके अपनाए जाएंगे।

कर्ज चुकाने के लिए 22 सौ करोड रुपये लोन लेंगे अडानी

दुनिया के ये 4 बड़े बैंक देंगे उधार, शेयर में आ गया उछाल

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड अपना कर्ज चुकाने के लिए दुनिया के कई बड़े बैंकों से लोन लेगी। इसके लिए बैंक तैयार भी हो गए हैं। कंपनी ने वैश्विक ऋणदाताओं के एक समूह से लगभग 250 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपये) जुटाने के लिए एक सौदा किया है। यह सौदा अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद कंपनी की पहली विदेशी मुद्रा ऋण है। इस डील के साथ अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में मंगलवार को तेजी आ गई।

जिन बैंकों ने अडानी की इस कंपनी को लोन देने पर सहमति जताई है, उनमें डीबीएस बैंक लिमिटेड, डीजेड बैंक, राबोबैंक और बैंक सिनोपैक कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। कंपनी इस लोन की रकम का इस्तेमाल मौजूदा कर्ज को चुकाने के लिए करेगी। सिर्फ अडानी ही नहीं, मुकेश अंबानी भी इस तरह का लोन ले चुके हैं। उन्होंने कुछ महीने पहले ही 25 हजार करोड़ रुपये का विदेशी लोन लिया था। अडानी की कंपनी को दिए गए लोन की अवधि पांच साल से अधिक है और ब्याज दर लगभग 8.20% होगी। यह लोन वित्तपोषण नवीकरणीय ऊर्जा इकाई के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समूह अगले पांच वर्षों में अपने कर्ज को कम करने का लक्ष्य बना रहा है। कंपनी की साल 2027 तक अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजारों में बॉन्ड जारी करने की कोई योजना नहीं है। मार्च में अडानी ग्रीन ने भारत की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ करीब 1 अरब डॉलर का कंस्ट्रक्शन लिंक्ड लोन रीफाइनेंस कराया था। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स की अगस्त की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की पहली छमाही में अडानी ग्रुप ने अपने बंदरगाहों, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड सहित विभिन्न इकाइयों के लिए 10 अरब डॉलर से अधिक का लोन लिया है। यह नई डील अडानी ग्रुप के लिए एक बड़ी राहत है। कंपनी पर हाल ही में कुछ आरोप लगे थे, जिसके बाद यह उसका पहला बड़ा विदेशी कर्ज है।

सोमवार को इसका शेयर 1059.30 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह तेजी के साथ 1062.80 रुपये पर खुला।

इसके बाद इसमें और तेजी आई। सुबह करीब 9:30 बजे यह शेयर 2.73% की तेजी के साथ 1088.25 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

10 ग्राम सोना 1.20 लाख पर पहुंचा, 718 महंगा हुआ

अगले साल तक ये 1.55 लाख तक जा सकता है, चांदी 1.49 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 7 अक्टूबर को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 718 रुपए बढ़कर 1,19,967 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले ये 1,19,249 रुपए पर था। वहीं, चांदी 605 रुपए महंगी होकर 1,49,438 रुपए पर पहुंच गई। कल यानी सोमवार को ये 1,48,833 रुपए पर थी।

इस साल सोना 44,000 और चांदी 63,000 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 43,805 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,19,967 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 63,421 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,49,438 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

दक्षिण भारत में आकर्षक स्वर्णाभूषणों, हीरे, चांदी के आयटम्स की बिक्री में अग्रणी

ललिता ज्वेलरी मार्ट को आईपीओ के माध्यम से 1700 करोड़ रुपये जुटाने हेतु सेबी से मिली स्वीकृति

हैदराबाद, 7 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत में विभिन्न स्वर्णाभूषणों, हीरे, चांदी के आयटम्स की बिक्री में अग्रणी ललिता ज्वेलरी मार्ट को आईपीओ के माध्यम से 1700 करोड़ रुपये जुटाने हेतु पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंज़ूरी मिली है।

कंपनी ने 6 जून, 2025 को, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ के दस्तावेज़ जमा किए थे। इस आईपीओ में 1200 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयर जारी करना और प्रमोटर किरण कुमार द्वारा 500 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस नए निर्गम से प्राप्त 1014.50 करोड़ रुपये का उपयोग भारत में नए स्टोर स्थापित करने हेतु पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

ललिता ज्वेलरी मार्ट ने अपना पहला स्टोर 1985 में चेन्नई के टी. नगर इलाके में खोला था, जो रेशम और आभूषण खुदरा दुकानों का केंद्र है। यह मुख्य रूप से स्वर्णाभूषणों की बिक्री करता है और अन्य उत्पादों में चांदी के बर्तन और हीरे के आभूषण शामिल हैं। यह दक्षिण भारतीय बाजार में सेवा प्रदान करता है, जहाँ इसके 56 स्टोर हैं, जिनमें से 22 आंध्र प्रदेश में, 20 तमिलनाडु में, सात कर्नाटक में, छह तेलंगाना में और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हैं।

31 दिसंबर, 2024 तक, इसका कुल परिचालन क्षेत्र 6,09,408 वर्ग फुट है, जिसमें 47 स्टोर हैं जिनका कुल क्षेत्रफल 5,000 वर्ग फुट से अधिक है। इस संबंध में डीआरएचपी में उल्लिखित क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 से 2024 और 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त नौ महीने की अवधि के बीच, भारत में प्रमुख संगठित आभूषण कंपनियों में इसका प्रति स्टोर परिचालन राजस्व सबसे अधिक रहा। कंपनी वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच परिचालन राजस्व वृद्धि के आधार पर भारत में प्रमुख संगठित आभूषण कंपनियों में दूसरी सबसे तेज़ी से बढ़ती क्षेत्रीय आभूषण कंपनी भी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022 और 2024 के बीच 43.62% की परिचालन राजस्व चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) दर्ज की है। साथ ही यह प्रख्यात कंपनी 'धन वंदनम' और 'फ्री-यो-फ्लेक्सी' जैसी आभूषण योजनाएँ भी प्रदान करती है जो ग्राहकों को बार-बार आकर्षित करती हैं। 31 दिसंबर, 2024 तक, 420,261 ग्राहक इसकी योजनाओं में नामांकित और सक्रिय हैं। यह तमिलनाडु राज्य में तिरुमुदिवक्कम, चेन्नई (इसकी कंपनी के माध्यम से संचालित) और मराईमलाई, कांचीपुरम (इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, असिता मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से संचालित) में स्थित दो विनिर्माण सुविधाओं का संचालन करती है। दिसंबर से, इसने तिरुमुदिवक्कम, चेन्नई में अपनी विनिर्माण सुविधा का संचालन शुरू कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 तक, इसने 563 कारीगरों (कंपनी द्वारा नियोजित 474 कारीगर और असिता ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नियोजित 89 कारीगर) को नियुक्त किया था।यह कंपनी, आं.प्र. के विजयवाड़ा शहर में भारत के सबसे बड़े आभूषण स्टोरों में से एक का संचालन करती है, जो कुल 1,00,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में फैला हुआ है। साथ ही यह कंपनी सोमाजीगुडा और विशाखापत्तनम में दो बड़े आभूषण स्टोर भी संचालित करती है, जो क्रमशः 98,210 वर्ग फुट और 65,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में फैले हुए हैं और भारत के सबसे बड़े आभूषण खुदरा स्टोरों में से एक हैं। ललिता ज्वेलरी मार्ट का पुनर्घोषित परिचालन से समेकित राजस्व 26.07% बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023 में 13,316.80 करोड़ से वित्तीय वर्ष 2024 में 16,788.05 करोड़ हो गया है। ऐसा वित्तीय वर्ष 2023 में 47 स्टोर्स से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 53 स्टोर्स हो जाने, सोने की औसत मूल्य में वृद्धि और सोने की बिक्री में वृद्धि के कारण हुआ। वित्त वर्ष 2024 में इसका शुद्ध लाभ 359.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह 238.3 करोड़ रुपये था। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, पुनर्घोषित परिचालन से समेकित राजस्व और कर पश्चात लाभ क्रमशः 12,594.67 करोड़ रुपये और 262.33 करोड़ रुपये रहा। ललिता ज्वैलरी मार्ट कंपनी के आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड और इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ में लगाया आपका एक-एक पैसा दक्षिण कोरिया जाएगा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ आज से निवेशकों के लिए खुल गया है। निवेशक 9 अक्टूबर तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। यह एक 'ऑफर फॉर सेल' है, जिसमें कोरियाई पेरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक. अपने शेयर बेचकर 11,607 करोड़ रुपये जुटाएगी। यानी आप एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ में जो भी पैसा लगाएंगे, वह रकम कोरिया जाएगा। हालांकि ऐसा पहले भी कई कंपनी कर चुकी हैं। लेकिन सवाल है कि क्या यह कंपनी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे पाएगी? एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का यह कदम हाल ही में हुंडई के उस कदम जैसा ही है, जहां उसने अपनी भारतीय सब्सिडियरी के जरिए वैल्यू अनलॉक की थी। एक बड़ा ओएफएस निवेशकों के उत्साह को कम कर सकता है, जैसा कि हुंडई इंडिया की लिस्टिंग के समय देखा गया था। हुंडई इंडिया को अच्छी सब्सक्रिप्शन मिलने के बावजूद, उसकी लिस्टिंग उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी। लेकिन एलजी ने निवेशकों को लुभाने के लिए एक तरकीब अपनाई है। उन्होंने वैल्यूएशन को काफी हद तक कम रखा है और भारत में अपनी मजबूत पकड़ पर जोर दिया है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया आईपीओ शेयर की कीमत 1080 रुपये से 1140 रुपये प्रति शेयर के बीच तय की गई है। इससे कंपनी का वैल्यूएशन 73,000 करोड़ रुपये से 77,000 करोड़ रुपये के बीच आंका गया है। यह वैल्यूएशन पहले की 1.3 लाख करोड़ रुपये की योजना से काफी कम है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का भारतीय कारोबार है। यह कंपनी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में दुनियाभर में जानी जाती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारम्भ समय
सूर्य - कन्या	मे	कन्या-- 04-44 बजे
चंद्र - मेष	मे	तुला---- 06-49 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...08-59 बजे
बुध - तुला	मे	धनु...... 11-13 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर... 13-20 बजे
शुक्र -सिंह	मे	कुंभ.... 15-10 बजे
शनि मीन	मे	मीन.... 16-48 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष..... 18-23 बजे
केतु सिंह	मे	वृष.... 20-09 बजे
		मिथुन.. 22-09 बजे
		कर्क... 00-22 बजे
		सिंह--- 02-33 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-11**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-55**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण बुधवार **08 October**
तिथि - द्वितीया **02-22** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - अश्विनी **22-44** रात्रि तक उपरान्त भरणी
योग - हर्षण **01-32** तक उप वज्र
तैतिल - बव **16-08** तक उप गर
व्रत वायुसेना दिवस
त्योहार वाहन गज वर्षा श्रेष्ठ

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-03 से 13-32 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 06-11 - 07-37 शुभ	उत्पात17-55 - 19-30 अशुभ
अमृत 07-37 - 09-06 शुभ	शुभ 19-30 - 21-31 शुभ
काल 09-06 - 10-35 अशुभ	अमृत 21-31 - 22-32 शुभ
शुभ। 10-35 - 12-03 शुभ	चंचल 22-32 - 00-04 शुभ
रोग 12-03 - 13-32 अशुभ	रोग 00-04 - 01-35 अशुभ
उत्पात13-32 - 15-01 अशुभ	काल 01-35 - 03-06 अशुभ
चंचल 15-01 - 16-33 शुभ	लाभ 03-06 - 04-38 शुभ
लाभ 16-33 - 17-55 शुभ	उत्पात04-38 - 06-11 अशुभ

आपका राशिफल

राशि	फल
मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,	आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।
मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,	दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।
कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,	आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।
सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,	अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा ।
कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो	आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें ।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।
तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,	पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।
वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,	सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है ।आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं।
धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे	आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।
मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी	आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।
कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,	आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।
मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची	आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भीम जोरा का एनकाउंटर

गुरुग्राम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम की सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि भीम महाबहादुर जोरा साउथ दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। क्राइम ब्रांच प्रभारी नरेंद्र अपनी टीम के साथ दिल्ली पुलिस की टीम को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे तो वहां पर भीम जोरा अपने एक अन्य साथी के साथ सीमेन्ट के बेंच पर बैठा था। पुलिस पार्टी को देखकर अपने पकड़े जाने के डर से भीम जोरा ने जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी।

दिल्ली और गुरुग्राम पुलिस का था संयुक्त अभियान

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक बदमाश भीम जोरा को मुठभेड़ में मार गिराया। नेपाल निवासी भीम जोरा कई मामलों में वांछित था, जिसमें हाल ही में गुरुग्राम में एक भाजपा नेता के घर हुई चोरी की घटना भी शामिल है। इस मामले में उस पर 50,000 रुपये का इनाम था।

डॉक्टर का कत्ल-भाजपा नेता के घर चोरी के मामले में वांछित, नेपाल से कनेक्शन-अब ढेर

जंगपुरा में डॉ. योगेश चंद्र पाल की गलाघोटकर हत्या के मामले में फरार आरोपी भीम बहादुर जोरा को दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान देर कर दिया। दिल्ली पुलिस की दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस को संयुक्त टीम की ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में देर रात आरोपी के साथ मुठभेड़ हुई। बता दें कि भीम बहादुर जोरा पर गुजरात, कनार्टक और दिल्ली में कई आपराधिक मामले दर्ज थे। आरोपी ने हाल ही में गुरुग्राम के भाजपा नेता के घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी मूलरूप से नेपाल का रहने वाला था।

पुलिस ने सरेंडर करने को कहा, फिर भी करता रहा फायरिंग

भीम जोरा के द्वारा फायर की गई एक गोली इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। बुलेट प्रूफ जैकिट पहने होने के कारण इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा बच गए। उन्होंने आरोपियों को सरेंडर करने की चेतावनी देते हुए एक हवाई फायर किया, लेकिन भीम जोरा क्राइम ब्रांच की तरफ लगातार फायर करता रहा। पुलिस पार्टी की जवाबी फायरिंग में आरोपी भीम जोरा को गोली लग गई और वो घायल हो गया। जिसे तुरंत घायल अवस्था में एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने भीम जोरा को मृत घोषित कर दिया।

इस मुठभेड़ में भीम जोरा का साथी मौके से फरार हो गया। इंस्पेक्टर नरेंद्र ने बताया कि मृत आरोपी का नाम भीम जोरा पुत्र महाबहादुर जोरा था, जो मूल रूप से नेपाल का रहने वाला था। वह भारत में डकैती और हत्या के साथ-साथ चोरी की बहुत सी वारदातों को अंजाम दे चुका था।

एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई फ्लाइट के इंजन से पक्षी टकराया

158 यात्री सवार थे, सभी सुरक्षित; एयरलाइन ने वापसी उड़ान रद्द की

चेन्नई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई फ्लाइट के इंजन से मंगलवार को एक पक्षी टकराने (बर्ड हिट) से फ्लाइट को नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा के मद्देनजर एयरलाइन ने चेन्नई से कोलंबो जाने वाली वापसी उड़ान को फिलहाल रद्द कर दिया है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाला था, तभी उसके इंजन से पक्षी टकरा गया, जिससे विमान के इंजन से आवाज आने लगी। इसके बाद पायलट ने फ्लाइट को चेन्नई एयरपोर्ट पर उतार लिया। घटना के समय फ्लाइट में 158 पैसेंजर्स सवार थे। सभी पैसेंजर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से फ्लाइट को ग्राउंड कर दिया गया है। यानी उसे आगे उड़ान भरने की परमिशन नहीं है।

'गवाहों को धमका रहे भाजपा नेता'

कांग्रेस एमएलए की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने एमपी से दिल्ली ट्रांसफर किया केस

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती के खिलाफ चल रहे धोखाधड़ी के मामले की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि इस मामले में गवाहों को डराने-धमकाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह आदेश देते हुए कहा कि 'न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए।'

सरकार ने कहा-गवाहों को पुलिस सुरक्षा देने को तैयार

मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि वह गवाहों को पुलिस सुरक्षा देने को तैयार है, इसलिए केस को ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवाहों पर दबाव डालने के आरोप गंभीर हैं, इसलिए केस को दिल्ली ले जाया जा रहा है।

फरवरी में भी अदालत ने क्या दिया था निर्देश

इससे पहले फरवरी में भी अदालत ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट को उन आरोपों पर कार्रवाई करनी चाहिए थी, जिनमें बताया गया था कि बचाव पक्ष के गवाहों को धमकाने की कोशिश हुई थी। अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पाया था कि राज्य सरकार की तरफ से की गई जांच 'संतोषजनक नहीं' थी और बेहतर जांच के आदेश दिए थे।

भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा पर कांग्रेस विधायक का आरोप

कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती ने आरोप लगाया था कि पूर्व गृह मंत्री और भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ट्रायल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं और जिला अभियोजन अधिकारियों के साथ मिलकर दबाव बना रहे हैं। यह मामला तब शुरू हुआ जब एक बैंक मैनेजर ने शिकायत की थी कि भारती ने अपनी मां के नाम पर जिला सहकारी ग्रामीण बैंक में गलत तरीके से राशि जमा कराई थी। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती ने इन आरोपों को झूठा बताया है।

कांग्रेस ने पूछा-क्या स्वास्थ्य मंत्री के घर बुलडोजर चलेगा?

सिंघार बोले-बच्चों की मौतों का मामला करप्शन-कमीशन का; न्यायिक जांच हो

भोपाल, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौतों के मामले में मध्य प्रदेश और राजस्थान के नेता प्रतिपक्षों ने दिल्ली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पार्टी मुख्यालय में की गई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल पर सवाल उठाए हैं। सिंघार ने कहा-छिंदवाड़ा जिले के परासिया में 15 बच्चों की मृत्यु हो चुकी है। हमारे विधायक सोहन बाल्मीकि ने पहले बच्चे की मौत के बाद कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखे। धरना प्रदर्शन किए लेकिन सरकार नहीं जागी। ये पूरा मामला करप्शन और कमीशन का है। इस मामले की न्यायिक जांच होना चाहिए।

वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल परासिया विधायक सोहन लाल बाल्मीकि ने कहा- मध्य प्रदेश सरकार छोटे-छोटे मामलों में लोगों का घर तुड़वा देती है, बुलडोजर चला देती है। इन बच्चों की हत्या के जिम्मेदार मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल जी हैं। क्या अब उनके घर पर बुलडोजर चलाया जाएगा?

'लिंगायतों को अलग धर्म का दर्जा देकर हिंदुओं को बांटने की कोशिश हो रही'

> सीएम बोले-मेरा कोई पक्ष नहीं

बंगलूरू, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में लिंगायत समुदाय द्वारा अलग धर्म का दर्जा देने की मांग की जा रही है। इसे लेकर लिंगायत मठाधीश्वर ओक्कुटा (लिंगायत संतों का संघ) ने एक कार्यक्रम बसवा संस्कृति अभियान-2025 का आयोजन किया। इस आयोजन में लिंगायतों को अलग धर्म का दर्जा देने की मांग की गई। जब इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनका पक्ष जाना गया तो उन्होंने कहा कि उनका इस मुद्दे पर अपना कोई रुख नहीं है। वहीं विपक्षी भाजपा ने आरोप लगाया है कि हिंदू धर्म और समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है।

'जो लोगों का रुख, वो ही मेरा रुख'

कोप्पल में मीडिया से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'मेरा कोई रुख नहीं है। लोगों का रुख ही मेरा रुख है। जाति जनगणना का काम चल रहा है, हम देखेंगे कि जाति जनगणना के दौरान वे (लिंगायत समुदाय के लोग) अपना धर्म क्या बताते हैं।'

लिंगायत मुद्दे के फिर से उभरने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'यह मुद्दा हमेशा से रहा है। कुछ विरक्त मठ स्वामी इसकी मांग कर रहे हैं।' कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि लिंगायतों के लिए अलग धर्म का दर्जा देने की मांग फिर से उठी है और लोग जानते हैं कि इसके पीछे कौन है। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू धर्म को बांटने की कोशिशों के बीच इसकी रक्षा करनी होगी।

हमें समाज को एकजुट करना होगा और सभी समुदायों के साथ न्याय करना होगा। मुझे समझ नहीं आता कि मुख्यमंत्री इतनी जल्दी में क्यों हैं? कुछ ताकतें समाज और हिंदू धर्म को बांटनें की कोशिश कर रही हैं। पहले भी ऐसी कोशिशें हुई थीं, लेकिन वे सफल नहीं हुईं और भविष्य में भी सफल नहीं होंगी।'

मूर्ति पूजा को नहीं मानते हैं लिंगायत

लिंगायत को कर्नाटक की अगड़ी जातियों में गिना जाता है। यहां के 18 फीसदी लोग लिंगायत समाज से आते हैं। 12वीं सदी में समाज सुधारक बासवन्ना ने हिंदुओं में जाति व्यवस्था में दमन के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। बासवन्ना मूर्ति पूजा नहीं मानते थे और वेदों में लिखी बातों को भी खारिज करते थे। लिंगायत समुदाय के लोग भी शिव की पूजा भी नहीं करते बल्कि अपने शरीर पर ही इष्टलिंग धारण करते हैं जोकि एक गेंद की आकृति के समान होती है।

पंजाब में सरकार का बड़ा एक्शन

कोल्डरिफ सिरप पर लगाया प्रतिबंध, मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद लिया फैसला

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (ड्रग्स विंग) ने कोल्डरिफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है। विभाग ने यह कदम उस रिपोर्ट के बाद उठाया है जिसमें उक्त दवा को नॉन-स्टैंडर्ड क्वालिटी घोषित किया गया है। यह रिपोर्ट मध्य प्रदेश ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेटरी द्वारा 4 अक्तूबर 2025 को जारी की गई थी।

जांच में पाया गया कि यह सिरप डाइइथिलीन ग्लाइकोल की अत्यधिक मात्रा (46.28%) के कारण मिलावटी और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। यह सिरप स्रेसन फार्मास्युटिकल्स कांचीपुरम तमिलनाडु द्वारा मई 2025 में निर्मित और अप्रैल 2027 तक वैध बताया गया था। विभाग के अनुसार यह दवा मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बच्चों की हालिया मौतों से जुड़ी बताई जा रही है, जिसके चलते पंजाब में इसे तुरंत प्रतिबंधित किया गया है। आदेश में सभी रिटेलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, अस्पतालों और मेडिकल प्रैक्टिशनरों को निर्देश दिया गया है कि वे इस सिरप को न खरीदें, न बेचें और न ही उपयोग करें। पंजाब के संयुक्त आयुक्त (ड्रग्स) ने यह आदेश जारी गए किए हैं और इसकी प्रति स्वास्थ्य मंत्री व संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

'मनरेगा के नियमों से छेड़छाड़ कर रही केंद्र सरकार'

> कांग्रेस सांसद का आरोप-यह तानाशाही

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने केंद्र सरकार पर मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून) कानून के नियमों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मनरेगा के 60 फीसदी फंड का जल संबंधी योजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा योजना को तबाह कर दिया है।

'यह दिल्ली की तानाशाही'

एक अखबार के लेख को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मणिकम टैगोर ने लिखा कि 'मोदी सरकार ने चुपचाप मनरेगा के नियमों में फेरबदल कर दिया है। मनरेगा का 60 प्रतिशत फंड जल संबंधी परियोजनाओं में इस्तेमाल किया जा रहा है। मनरेगा योजना गरीब ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी देने और गांवों के विकास जैसे सड़क, घर, तालाब और स्कूलों आदि के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। लेकिन अब केंद्र सरकार तय कर रही है कि इसका फंड कहां खर्च होगा। यह विकेंद्रीकरण नहीं बल्कि दिल्ली की तानाशाही है।'

'मनरेगा योजना को तबाह कर दिया गया'

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि 'मनरेगा का फंड किसी अन्य योजना पर खर्च करने से ग्राम सभा की शक्ति छिन जाती है। अब ग्रामीण और ग्राम सभा तय नहीं करते कि फंड कहां इस्तेमाल होगा बल्कि मोदी सरकार तय करती है। मनरेगा की पूरी भावना है, नीचे से ऊपर की ओर विकास, लेकिन इसे तबाह कर दिया गया है।' कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि 'इससे भी बुरी बात ये है कि जिन योजनाओं के लिए फंड इस्तेमाल किया जा रहा है, वह पानी बचाने के बारे में नहीं है बल्कि सरकार की साख बचाने के बारे में है। सरकार वर्षों से भूजल संकट को नजरअंदाज कर रही है और ये सिर्फ साल 2029 में बड़े आंकड़ें दिखाना चाहते हैं।'

'सरकार के प्रचार के लिए कल्याणकारी योजनाओं को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है'

मणिकम टैगोर ने कहा कि 'मनरेगा के 35,000 करोड़ रुपये अब लोगों की जरूरतों पर नहीं, बल्कि पीआर सुर्खियों के लिए चुनी गई परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। इस बीच, मनरेगा में श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान नहीं हो रहा है, जॉब कार्ड निष्क्रिय हैं, और काम की मांग कम हो रही है।' उन्होंने कहा कि 'इस सरकार में हर कल्याणकारी योजना को प्रचार के लिए नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। मनरेगा ने कभी गरीबों को सशक्त बनाया था, अब इसे शक्तिशाली लोगों की सेवा के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है।'

18 अक्टूबर को अंबाला आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अंबाला, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला जिले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन होने जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति 18 अक्टूबर को अंबाला पहुंचेंगी।

हालांकि, उनके कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि अभी तक राष्ट्रपति भवन या प्रशासन की ओर से नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक अंबाला एयरफोर्स स्टेशन द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू शामिल होंगी। अंबाला एयरफोर्स स्टेशन देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण वायुसेना ठिकानों में से एक है। यहां पर कई बार शीर्ष स्तर के सैन्य और राजकीय कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बार भी वायुसेना से जुड़े एक अहम आयोजन की योजना बनाई जा रही है।

सीनियर आईपीएस अफसर ने सुसाइड किया

चंडीगढ़ आवास में खुद को गोली मारी; सुनारिया जेल में तैनात थे, यहीं राम रहीम बंद

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस ऑफिसर वाई पूरन कुमार ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने सरकारी आवास (कोठी नंबर 116) पर खुद को गोली मार ली। चंडीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंच गई है। अभी यह सामने नहीं आया है कि उन्होंने सुसाइड क्यों किया है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

वाई पूरन कुमार एडीजीपी रैंक के अधिकारी थे। 29 सितंबर को ही उनकी ट्रांसफर रोहतक की सुनारिया जेल में हुई थी। इसी जेल सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम साध्वियों से यौन शोषण मामले में सजा काट रहा है। वाई पूरन कुमार की पत्नी अमन पी. कुमार भी आईपीएस ऑफिसर हैं। वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को और अन्य अधिकारियों के साथ 5 अक्टूबर को जापान दौरे पर गई थीं। वह कल शाम को भारत लौटेंगी।

4 बैच आईपीएस अफसरों के प्रमोशन पर सवाल उठा थे

करीब 1 साल पहले हरियाणा में 4 बैच (1991, 1996, 1997 और 2005) के आईपीएस अफसरों के प्रमोशन पर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी को लेटर लिखा था। इसमें उन्होंने प्रमोशन के अवैध होने का कारण वित्त विभाग की महज सहमति से केंद्रीय गृह मंत्रालय की गाइडलाइंस को ओवररूल किया जाना बताया। लेटर में लिखा था कि उनके द्वारा 11 अक्टूबर 2022 को तत्कालीन गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद को प्रतिवेदन दिया था कि 2001 बैच के अफसरों को डीआईजी रैंक में पदोन्नति के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के गाइडलाइंस के मुताबिक विचार किया जाए। साथ में उनका वेतन दोबारा तय किया जाए और एरियर भी दिया जाए। इसका रिमाइंडर भी उन्हें भेजा गया, मगर इसका आज तक निपटारा नहीं किया गया। इससे उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ।

दो दिन की तबाही के बाद जनजीवन सामान्य

सड़कें खुलीं, पुलों का मरम्मत कार्य जारी

दार्जिलिंग/सिलीगुड़ी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर बंगाल की पहाड़ियों और तलहटी में दो दिनों तक मूसलाधार बारिश और बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद अब तक तीस लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कई लोग गायब बताए जा रहे हैं। क्षेत्र में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। आज सुबह जब आसमान साफ हुआ तो दार्जिलिंग के निवासियों को बर्फ से ढकी कंचनजंगा की एक झलक देखने को मिली। यह नजारा दो दिनों की कष्ट देने वाली मूसलाधार बारिश के बाद राहत देने वाला था। बारिश रुकने के साथ ही बचाव दल चौबीस घंटे काम कर रहे हैं। लापता लोगों के लिए खोज अभियान जारी है। जबकि अन्य टूटी सड़कों और पुलों की मरम्मत का काम जारी है।

उत्तर बंगाल के विकास मंत्री उदयन गुहा ने बताया कि सोमवार शाम तक मृतकों की संख्या 30 हो गई थी और इस आंकड़े के बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि चार लोग अब भी लापता हैं और भूस्खलन प्रभावित दूर-दराज के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। पहाड़ियों में फंसे हजारों पर्यटकों को घर लौटने के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान किए। दार्जिलिंग को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाली हिल कार्ट और पंखाबारी रोड आपात मरम्मत कार्यों के बाद बहाल कर दी गईं। इससे पर्यटकों को आखिरकार मैदानी इलाकों की ओर जाने की अनुमति मिल गई। ये दोनों रोड यहां की जीवनरेखा मानी जाती हैं।

आतंक फैलाने के लिए 'विशेष समुदाय' का इस्तेमाल कर रही टीएमसी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस बंगाल में हमले करवाने के लिए एक 'विशेष समुदाय" का इस्तेमाल कर रही है। बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू पर हुए हमले को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल को पश्चिमी बांग्लादेश में बदला जा रहा है। बीजेपी नेता ने कहा कि हमले में शामिल संदिग्ध तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। जलपाईगुड़ी ज़िले के नागराकाटा गांव में भीड़ के हमले में बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू और पार्टी विधायक शंकर घोष लहूलुहान हो गए।

'सबरीमाला का सोना चोरी कर करोड़ों में बेचा गया'

नेता प्रतिपक्ष सतीशन ने विजयन सरकार से मांगा जवाब

तिरुवनंतपुरम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) वी.डी. सतीशन ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर के सोने की परत चढ़ी द्वारपालक प्लेट्स को देवास्वोम बोर्ड और सरकार की मंजूरी से करोड़ों रुपये में बेचा गया।

केरल विधानसभा में भारी शोर-शराबे के बीच सत्र दिन भर के लिए समाप्त कर दिया गया। इसके तुरंत बाद पत्रकारों से बात करते हुए, नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक सतीशन ने कहा कि उच्च न्यायालय के निष्कर्षों ने विपक्ष के लंबे समय से चले आ रहे इस आरोप की पुष्टि की है कि सबरीमाला में चोरी और बिक्री का एक गंभीर खेल हुआ था। उन्होंने कहा, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि जो हुआ वह एक गंभीर धोखाधड़ी थी। मूल स्वर्ण-चढ़ाई वाले द्वारपालक (संरक्षक देवता) के प्लेट (तांबे की प्लेट पर सोने की परत चढ़ाई गई थी) मंदिर से निकालकर ऊंची कीमत पर बेच दिए गए, जबकि उनकी जगह एक तांबे का सांचा चेन्नई भेज दिया गया। जब इसे वापस लाया गया, तो देवास्वोम बोर्ड ने वजन में अंतर पर ध्यान न देने का नाटक किया।

सतीशन ने आरोप लगाया कि बोर्ड और सरकार ने जानबूझकर चोरी को छुपाया, वरना वरिष्ठ अधिकारी फंस जाते। सतीशन ने आगे कहा, सब कुछ जानते हुए भी, उन्होंने 2015 में सोने के अगले काम के लिए उसी उन्नीकृष्णन पोट्टी को फिर से नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने इसलिए देवास्वोम मंत्री वी.एन. वासवन के इस्तीफे और बोर्ड को बर्खास्त करने की मांग की। सतीशन ने कहा कि उच्च न्यायालय की आलोचना ने जता दिया है कि विपक्ष की चिंताएं जायज थीं। उन्होंने पोट्टी द्वारा तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष एन. वासु को भेजे गए एक ईमेल का हवाला दिया, जिसमें एक जरूरतमंद महिला को मंदिर का बचा हुआ सोना दान करने की बात थी।

सतीशन ने कहा, वह अय्यप्पन का सोना था। वासु, जिनके माकपा से संबंध हैं, वो इससे बेखबर नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा कि सत्तारूढ़ दल को यह बताना चाहिए कि अब मूल मूर्ति किसके महल में है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इमरान खान की पार्टी विरोध में, कहा– सीक्रेट सौदे से देश के हालत बिगड़ेंगे

इस्लामाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मटेरियल) की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है।

इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन (एफडब्ल्यूओ) की मदद से तैयार किए गए।

यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया

वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं।

पीटीआई ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। पीटीआई के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है

यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं।

खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं।

इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी।

इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था।

पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें।

पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है।

रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं।

प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी।

पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

ब्रिटेन से 40 हजार आईफोन चुराकर चीन भेजे

गिरोह लंदन में फोन चोरी के 40% मामलों में शामिल, एक भारतीय समेत 18 गिरफ्तार

लंदन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मोबाइल फोन तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिस पर आरोप है कि उसने पिछले साल 40,000 चोरी किए गए मोबाइल फोन ब्रिटेन से चीन तक भेजे।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस का कहना है कि यह ब्रिटेन में फोन चोरी के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है। इसमें 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2,000 से ज्यादा चोरी किए गए फोन बरामद किए गए।

गिरफ्तार लोगों में 2 अफगानी और एक भारतीय नागरिक की पहचान हुई है। पुलिस का दावा है कि यही गिरोह लंदन में चोरी हुए कुल फोन में से करीब 50% को विदेश भेजने के लिए जिम्मेदार था।

यह जांच तब शुरू हुई जब पिछले साल क्रिसमस पर एक पीड़ित ने अपने चोरी हुए आईफोन को ट्रैक किया और उसकी लोकेशन हीथ्रो एयरपोर्ट के पास एक गोदाम में मिली।

वहां सुरक्षाकर्मियों ने जब जांच की, तो फोन एक डिब्बे में मिला जिसमें 894 और फोन थे। जांच में पता चला कि लगभग सभी फोन चोरी किए गए थे और उन्हें हॉन्गकॉन्ग भेजा जा रहा था।

इसके बाद पुलिस ने आगे की खेप रोक दी और फोरेंसिक जांच से दो संदिग्धों की पहचान की। पुलिस को पता चला कि ये कार में पन्नी में लपेटकर फोन की तस्करी करते थे ताकि चोरी का सामान पकड़ा न जाए।

दोनों आरोपी 30 साल के अफगान नागरिक हैं। उन पर चोरी का माल रखने और आपराधिक संपत्ति छिपाने की साजिश का आरोप है। तस्करी के गिरोह में एक 29 साल का भारतीय नागरिक भी शामिल है।

डिटेक्टिव इंस्पेक्टर मार्क गेविन के मुताबिक, यह गिरोह लंदन में चोरी हुए फोनों को विदेश भेजने में शामिल था। गेविन ने कहा कि लंदन में फोन चोरी के मामले तेजी से बढ़े हैं।

साल 2020 में 28,609 फोन चोरी हुए थे, जो 2024 में बढ़कर 80,588 हो गए। यानी चार साल में यह संख्या लगभग तीन गुना हो गई। ब्रिटेन में जितने भी फोन चोरी होते हैं, उनमें से तीन-चौथाई लंदन में चुराए जाते हैं। लंदन के वेस्ट एंड और वेस्टमिंस्टर जैसे पर्यटन इलाकों में फोन छीनने की घटनाएं आम हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सेकेंड हैंड फोन की बढ़ती मांग चोरी की बड़ी वजह है।

पुलिस मंत्री सारा जोन्स ने कहा कि अब कुछ अपराधी नशीले पदार्थों की तस्करी छोड़कर फोन चोरी की ओर जा रहे हैं, क्योंकि इसमें काफी मुनाफा होता है। जोन्स ने कहा कि एक फोन सैकड़ों पाउंड में बिक सकता है, इसलिए अपराधी इसे आसान और फायदेमंद धंधा मान रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, यह गिरोह खास तौर पर एप्पल फोन को निशाना बनाता था, क्योंकि ये विदेशों में ज्यादा दाम पर बिकते हैं। लंदन में चोरी करने वालों को प्रति फोन 300 पाउंड तक मिलते थे, जबकि वही फोन चीन में 4,000 पाउंड तक में बिकते थे। चीन में ऐसे फोन लोकप्रिय हैं क्योंकि वे सरकारी सेंसरशिप से बचने के लिए इंटरनेट इस्तेमाल करने में मदद करते हैं। पुलिस कमांडर एंड्रयू फेदरस्टोन ने कहा, 'यह ब्रिटेन में मोबाइल चोरी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। हमने सड़क पर चोरी करने वालों से लेकर हजारों फोन विदेश भेजने वाले अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क तक सबको निशाना बनाया है।'

भारत के राफेल से टकराने वाले 20 चीनी जे-10सीई विमान को खरीदने की तैयारी में बांग्लादेश

ढाका, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के नक्शे-कदम पर चलते हुआ बांग्लादेश चीन से जे-10सीई फाइटर जेट खरीदने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश का प्लान साल 2027 तक चीन से 20 जे-10सीई फाइटर जेट खरीदने की है। ये सौदा करीब 2.20 अरब डॉलर का हो सकता है। इसमें विमानों की खरीद के साथ-साथ ट्रेनिंग, मेंटेनेंस और अन्य तकनीकी खर्च शामिल होंगे। बांग्लादेश सरकार के सरकारी दस्तावेजों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अनुबंध 2026–27 के दौरान साइन हो सकता है और भुगतान की प्रक्रिया 2035–36 तक 10 वर्षों में पूरी की जाएगी। यह सौदा या चीन की सरकार से सीधी खरीद या गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट व्यवस्था के तहत पूरा किया जाएगा। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रत्येक विमान का बेस प्राइस करीब 6 करोड़ डॉलर बताई जा रही है, जबकि पूरे बेड़े की कीमत लगभग 1.2 अरब डॉलर होगी। इसके अलावा ट्रेनिंग, इसके अलग अलग कंपोनेंट्स, माल ढुलाई, इंश्योरेंस, टैक्स और अन्य लागतों को जोड़ने पर कुल रकम 2.2 अरब डॉलर तक पहुंचती है। मार्च में मोहम्मद यूनुस के कार्यालय से जारी एक सरकारी बयान में कहा गया था कि मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने चीन दौरे के दौरान इन विमानों की खरीद पर चर्चा की थी और चीन ने उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। इस साल अप्रैल में बांग्लादेश सरकार ने इस सौदे को अंतिम रूप देने के लिए एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी समिति गठित की थी, जिसमें रक्षा, वित्त, कानून और आर्थिक संबंध विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिल्सा मछली को बचाने जंगी जहाज तैनात

हेलिकॉप्टर से निगरानी भी हो रही, प्रजनन के समय अवैध शिकार रोकने की कवायद

ढाका, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिल्सा मछली को अवैध रूप से पकड़ने से बचाने के लिए सेना की तैनाती की गई है। इसके लिए 17 वॉर शिप और गश्ती हेलिकॉप्टर तैनात किए गए हैं।

ये जहाज और गश्ती विमान घरेलू और विदेशी मछुआरों को गहरे समुद्र में घुसपैठ से रोकने के लिए 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा है कि 4 से 25 अक्टूबर तक हिल्सा मछली के प्रजनन वाले इलाके में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हिल्सा को बांग्लादेश में इलिश मछली भी कहा जाता है। यह बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और इसे वहां पर 'मां' का दर्जा दिया गया है। हिल्सा प्रजनन के लिए हर साल अंडे देने के लिए समुद्र (गर्म पानी) से नदियों (ठंडे पानी) की ओर लौटती है।

हिल्सा मछली पर लाखों लोग निर्भर हैं। ढाका में फिलहाल इसकी कीमत 2800 से 3000 टका (2050 से 2200 रुपए) प्रति किलोग्राम है। भारत के पश्चिम बंगाल में भी यह मछली बहुत पसंद की जाती है और महंगी कीमत पर बिकती है।

भारतीय मछुआरे गंगा नदी और उसके डेल्टा के खारे पानी में मछली पकड़ते हैं, जिससे कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जरूरतें पूरी होती हैं। लेकिन ज्यादा मछली पकड़ने से हिल्सा के प्रजनन के समय मछली का स्टॉक कम हो सकता है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और समुद्र के जलस्तर का बढ़ना हिल्सा मछली के स्टॉक पर असर डाल रहा है। इसके साथ ही यह डर भी है कि नौसेना के जहाज हिल्सा के प्रजनन के दौरान शांत पानी में बाधा डाल सकते हैं।

वर्ल्ड फिश की परियोजना के पूर्व प्रमुख मोहम्मद अब्दुल वहाब ने कहा कि हिल्सा को प्रजनन के लिए शांत और निर्बाध पानी चाहिए और इसके लिए ड्रोन का इस्तेमाल बेहतर होगा।

बांग्लादेश सरकार ने प्रजनन अवधि में मछुआरों की मदद के लिए हर मछुआरे परिवार को 25 किलोग्राम चावल दिया है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है।

60 वर्षीय मछुआरे सत्तार माझी ने एएफपी से कहा, 'तीन हफ्ते मछुआरों के लिए बहुत कठिन हैं, क्योंकि हमारे पास जीवनयापन का और कोई साधन नहीं है।'

वनतारा शिफ्ट की गई बाघिन 'बिजली'

शिफ्टिंग देखने खुद जंगल सफारी पहुंचे वन मंत्री

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के जंगल सफारी की बाघिन बिजली को गुजरात के वनतारा में शिफ्ट किया गया है। यह शिफ्टिंग बाघिन के स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए की गई है। बाघिन की शिफ्टिंग के दौरान छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप भी जंगल सफारी पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों से साथ चर्चा भी की। बाघिन को मंगलवार शाम हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस से रवाना किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बाघिन बिजली को इन्फेक्शन है। हाल के दिनों में उसे खाने-पीने में दिक्कतें आ रही थीं। एक महीने बेहतर इलाज और देखरेख के लिए उसे वनतारा भेजने का निर्णय लिया गया है। जिसके बाद वनतारा की एक टीम बाघिन को देखने के लिए जंगल सफारी पहुंची थी। उसके बाद उसे वहां शिफ्ट करने का फैसला किया गया। इस दौरान वनतारा की विशेष टीम के अलावा रायपुर जंगल सफारी का स्टाफ, रेलवे के साथ-साथ वन विभाग के अधिकारी भी थे।

गाजा में 67000 मौतें, हर तरफ मलबा ही मलबा

इजरायल के युद्ध के 2 साल बाद भी जिंदा है हमास, युद्ध जीत पाएंगे नेतन्याहू?

तेल अवीव, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने इजरायल को दहला कर रख दिया था। हमास ने इस दौरान क्रूरता दिखाते हुए 1200 इजरायली नागरिकों की हत्या कर दी थी। इसके अलावा हमास ने 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था। इनमें ज्यादातर इजरायली नागरिक और कुछ अन्य दूसरे देशों के नागरिक थे। इस हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास का नामोनिशान मिटाने की कसम खाते हुए गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया था।

पिछले दों सालों के युद्ध में अभी तक 67 हजार लोगों की मौत हो चुकी है और पूरा गाजा पट्टी मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, गाजा में अब 5 करोड़ टन से ज्यादा मलबा भर चुका है। अब जबकि गाजा युद्ध के दो साल पूरे हो चुके हैं तो सवाल उठ रहे हैं कि क्या हमास को खत्म करने की बेंजामिन नेतन्याहू की कसम पूरी हो पाई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि हमास सैन्य शक्ति के लिहाज से तो काफी कमजोर हो चुका है, लेकिन इजरायल अभी भी उसे जड़ से मिटाने में नाकाम रहा है।

इजरायल ने हमास के हमले के बाद अक्टूबर 2023 में 'ऑपरेशन स्वोर्ड्स ऑफ आयरन' शुरू किया था। शुरूआत में इजरायल ने गाजा पट्टी में फाइटर जेट से भीषण बमबारी किए। इजरायल ने हर उस बिल्डिंग पर बम बरसाए, जिन्हें वो हमास का अड्डा मानता था। बमबारी में आधा से ज्यादा गाजा को ध्वस्त करने के बाद जनवरी 2024 में इजरायल ने हमास में जमीनी अभियान शुरू कर दिया। इजरायली टैंक अपनी रफ्तार के साथ बम के गोले बरसाते हुए गाजा में दाखिल रहो गये। इजरायली टैंक जबालिया शरणार्थी कैंप तक पहुंच गये। युद्ध गुजरने के साथ इजरायल ने हमास के ज्यादातर शीर्ष नेतृत्व का सफाया कर दिया। जुलाई 2024 में इजरायल ने हमास के पॉलिटिकल विंग के नेता इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या कर दी।

जनवरी 2024 में ही इजरायल ने हमास के एक और शीर्ष नेता सालेह अल-अरूरी को बेरूत में ड्रोन हमले में मार गिराया। फिर अक्टूबर 2024 में इजरायल ने हमास के सैन्य कमांडर याह्या सिनवार, जो 7 अक्टूबर को हुए हमले का मास्टरमाइंड था, उसे रफाह की सुरंग में मार गिराया। इजरायल डिफेंस फोर्स का दावा है कि उसने अब तक हमास के 17,000–23,000 लड़ाकों को मार गिराया है, जबकि संगठन की कुल अनुमानित ताकत 25,000–30,000 के बीच होने की संभावना है। इजरायल ने गाजा मेट्रो नाम के सुरंग नेटवर्क को भी पूरी तरह से खत्म करने का दावा किया है, जिसकी लंबाई 700 किलोमीटर तक बताई गई थी।

बगराम एयरबेस अमेरिका को नहीं सौपेंगे

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद तालिबान का ऐलान, काबुल से भेजा कड़ा संदेश

काबुल, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। तालिबान ने डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि काबुल स्थित बगराम एयरबेस किसी भी हाल में अमेरिका को नहीं सौंपा जाएगा। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने स्काई न्यूज से बात करते हुए कहा कि अफगान किसी भी परिस्थिति में अपनी जमीन किसी को भी सौंपने की अनुमति नहीं देंगे। तालिबान के प्रवक्ता का यह बयान उस वक्त आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तालिबान को बगराम एयरबेस फिर से सौंपने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि 'अमेरिका को बगराम एयरबेस फिर से हासिल करने की कशिश करनी चाहिए।

स्काई न्यूज से बात करते हुए जबीहुल्लाह मुजाहिद ने यह भी खुलासा किया कि तालिबान सरकार और अमेरिका के बीच कूटनीतिक संबंधों की बहाली को लेकर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, हमने वाशिंगटन में अफगान दूतावास और काबुल में अमेरिकी दूतावास दोबारा खोलने पर चर्चा की है और हम चाहते हैं कि ये दोनों खुलें, लेकिन बगराम एयरबेस को अफगानिस्तान की संप्रभुता से जोड़ा है।

आपको बता दें कि तालिबान शासन के अब चार साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक सिर्फ रूस ने ही औपचारिक रूप से उसकी सरकार को मान्यता दी है। इसके बावजूद मुजाहिद का दावा है कि कई देशों ने निजी तौर पर तालिबान सरकार को स्वीकार कर लिया है, बस सार्वजनिक रूप से इसका ऐलान नहीं किया गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध के बावजूद अफगानिस्तान को इस्लामिक देशों का समर्थन हासिल है। दूसरी तरफ महिलाओं और लड़कियों पर कठोर प्रतिबंध लगाने के कारण तालिबान की लगातार वैश्विक आलोचना हो रही है। 12 वर्ष से ज्यादा आयु की लड़कियों के लिए स्कूल अब भी बंद हैं और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने तालिबान सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा समेत दो शीर्ष नेताओं के खिलाफ महिलाओं और लड़कियों के उत्पीड़न के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

स्कूलों को बंद रखने पर सवाल पूछे जाने पर मुजाहिद ने एक बार फिर से गोल मटोल जवाब दिया। उन्होंने कहा, मैं इस विषय पर कोई वादा नहीं कर सकता। जब तालिबान ने 2021 में सत्ता संभाली थी, तब शिक्षा मंत्रालय ने कहा था कि लड़कियों के स्कूल अस्थायी रूप से बंद हैं और जल्द खुलेंगे जब तक इस्लामी कानून और अफगान संस्कृति के अनुरूप नीतियां" न बन जाएं।

शराब घोटाला: कारोबारी अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

मां का स्वास्थ्य खराब, 4 दिन परिवार के साथ रहेंगे, फिर वापस जेल जाना पड़ेगा

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारी अनवर ढेबर को 4 दिन की अंतरिम जमानत दी है। कोर्ट ने मां के खराब स्वास्थ्य के चलते जमानत दी है। ढेबर 4 दिन परिवार के साथ रह सकेंगे। दरअसल, अनवर ढेबर ने अदालत से अपील की थी कि, उनकी मां की तबीयत बहुत खराब है। वह उन्हें देखने जाना चाहते हैं। सुनवाई के दौरान ढेबर के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि, उनकी मां की हालत गंभीर है। वह अस्पताल में भर्ती हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, परिवार के ऐसे समय में इंसान को अपने करीबियों के साथ रहने का मौका मिलना चाहिए। कोर्ट ने 4 दिन की अंतरिम जमानत मंजूर की। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि यह राहत सिर्फ उनकी मां की तबीयत को ध्यान में रखते हुए दी गई है। 4 दिन के बाद उन्हें फिर से वापस जेल जाना होगा। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। जांच के अनुसार 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आइएएसअफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले। अनवर ढेबर ने इन पैसों को रिश्तेदारों और सीए के नाम कई कंपनियों में इन्वेस्ट किया।

कोयला खदान में ब्लास्ट 10 मजदूर मलबे में दबे

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। चिरमिरी ओपन कास्ट कोयला खदान में विस्फोट के कारण कई मजदूर मलबे में दब गए हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मलबे में 10 मजदूर दबे थे। उन्हें निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। दो मजदूरों की हालात गंभीर बताई जा रही है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब कोयला खदान में बारूद भरने का काम चल रहा था। बारुद में अचानक विस्फोट हो गया जिस कारण से वहां काम कर रहे मजदूर मिट्टी और पत्थरों के मलबे के नीचे दब गए।

हादसे में 10 मजदूरों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि जो मजदूर दबे हैं उनमें से 4 ठेका मजदूर हैं जबकि वहीं 6 एसईसीएल के कर्मचारी हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद बारूद वाहन और एक दूसरी गाड़ी पूरी तरह से डैमेज हो गई। वहीं, विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी है।

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना

इस्लामाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। BRG ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए।

पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तानी पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं।

यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है। इस साल मार्च में जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई, मरने वालों में कई पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

मिर्धा परिवार की कांग्रेस वापसी से मची सियासी हलचल

डोटासरा-बेनीवाल गठबंधन पर लगा प्रश्नचिन्ह

नागौर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में नागौर का मिर्धा परिवार हमेशा से एक अहम कड़ी रहा है। जाट समाज का यह प्रभावशाली खानदान, जो कभी कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था, अब फिर से पार्टी की गोद में लौट रहा है। हाल ही में कुचेरा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा की कांग्रेस में घर वापसी के बाद सियासी हलकों में हलचल मच गई है।

अब चर्चा यह है कि क्या यह वापसी महज एक रणनीतिक कदम है या फिर हनुमान बेनीवाल के साथ पुराने गठबंधन की कड़वाहट मिटाने की कोशिश? बड़ा सवाल यह भी है कि क्या तेजपाल मिर्धा ने डोटासरा के इशारे पर कांग्रेस से इस्तीफा दिया था?

तेजपाल मिर्धा ने हाल ही में अपने फेसबुक पेज पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा "आज डोटासरा जी से मुलाकात की। आगामी पंचायत व निकाय चुनाव और नागौर जिला कांग्रेस संगठन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। डोटासरा जी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा है।" यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी और इसके साथ ही पुरानी सियासी यादें ताजा हो गईं।

गौरतलब है कि अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नागौर की सियासत में भूचाल आया था। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस ने नागौर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नेता हनुमान बेनीवाल को दे दी थी। इससे नाराज होकर मिर्धा परिवार के दिग्गज नेताओं ने बगावत कर दी और तेजपाल मिर्धा समेत कई सदस्यों ने कांग्रेस से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। कुचेरा नगर पालिका के 21 पार्षदों, 8 पूर्व पार्षदों और 7 पंचायत समिति सदस्यों ने भी तेजपाल के साथ त्यागपत्र सौंपा। इसके बाद कांग्रेस ने जवाबी कार्रवाई में तेजपाल समेत तीन नेताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

यह बगावत हनुमान बेनीवाल के खिलाफ थी, जिन्हें मिर्धा परिवार अपना पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी मानता है। 2023 के विधानसभा चुनाव में तेजपाल ने बेनीवाल के खिलाफ खींवसर सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। गठबंधन के फैसले ने परिवार को यह महसूस कराया कि पार्टी ने उनकी सीट छीन ली है।

नागौर का जाट वोट बैंक मिर्धा परिवार के प्रभाव में रहा है। नाथूराम मिर्धा से लेकर ज्योति मिर्धा तक यह परिवार कांग्रेस की पहचान रहा है लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा के बीजेपी में शामिल होने से परिवार दो हिस्सों में बंट गया। एक ओर रिछपाल मिर्धा जैसे नेता बीजेपी के साथ चले गए, वहीं तेजपाल ने बगावत का रास्ता चुना। चुनाव के दौरान तो हनुमान बेनीवाल और ज्योति मिर्धा समर्थकों के बीच झड़प में तेजपाल मिर्धा घायल भी हुए थे। यह घटना परिवार की नाराजगी और दरार को उजागर करती है।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा खुद भी बेनीवाल के साथ गठबंधन से सहज नहीं थे। चुनाव के दौरान उन्होंने कई बार बेनीवाल की आक्रामक शैली पर अप्रत्यक्ष टिप्पणियां कीं। खींवसर उपचुनाव में तो कांग्रेस ने गठबंधन तोड़ते हुए अपना उम्मीदवार उतार दिया, जिससे यह संकेत मिला कि पार्टी अंदरखाने में बेनीवाल से दूरी बना रही है।

बेनीवाल ने भी इसका जवाब देते हुए कहा था कि "कांग्रेस ने गठबंधन तोड़ा है, अब हम अकेले लड़ेंगे।"

तेजपाल मिर्धा की कांग्रेस में वापसी का औपचारिक ऐलान 25 सितंबर 2025 को हुआ। पीसीसी ने उनका निष्कासन रद्द कर दिया। हालांकि एक इंटरव्यू में तेजपाल ने कहा कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन खींवसर में डबल इंजन सरकार विकास कर रही है। तेजपाल का यह बयान बीजेपी की तारीफ के रूप में देखा गया, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि वापसी सशर्त हो सकती है।

कुछ दिन पहले ही डोटासरा ने तेजपाल के विरोधी गुट के दो नेताओं को भी कांग्रेस में शामिल कराया था, जो परिवार के अंदरूनी मतभेद को दर्शाता है।

रमेश रूलानिया हत्याकांडः रोहित गोदारा गैंग ने ली जिम्मेदारी

लिखा- 'हम किसी को नहीं भूलते, सबकी बारी आएगी'

कुचामन शहर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कुचामन सिटी (डीडवाना) में मंगलवार सुबह हुए सनसनीखेज हत्याकांड के पूरे शहर में हड़कंप मचा हुआ है। बाइक शोरूम और होटल व्यवसायी रमेश रूलानिया की जिम में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात की जिम्मेदारी कुख्यात रोहित गोदारा गैंग के सदस्य वीरेंद्र चारण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ली। हांलाकि राजस्थान पत्रिका इस वायरल पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है।

इस पोस्ट में चारण ने खुलेआम धमकी दी कि जो उनकी बात को अनसुना करेगा, उसकी बारी आएगी। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पूरे शहर में तनाव और आक्रोश का माहौल है। व्यापारियों ने बंद का ऐलान किया है।

गैंगस्टर वीरेंद्र चारण का खुला ऐलान

हैरानी की बात यह है कि रोहित गोदारा गैंग के सदस्य वीरेंद्र चारण ने सोशल मीडिया पर इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए खुलेआम पुलिस को चुनौती दी।

चारण ने अपनी पोस्ट में लिखा कि लगभग एक साल पहले हमने रमेश रूलानिया को फोन किया था। उसने हमारे लिए अपमानजनक शब्द कहे और सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर बोला कि वह 100 रुपये भी नहीं देगा। आज सबको पता चल गया होगा कि हम किसी को नहीं भूलते। जो हमारी बात अनसुना करेगा, सबकी बारी आएगी।

बता दें, चारण का आपराधिक रिकॉर्ड भी बेहद खौफनाक है। वह पहले राजस्थान में करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या में शामिल रहा था और इसके बाद पुर्तगाल भाग गया था। विदेश में बैठकर भी वह और रोहित गोदारा भारत में बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

केंद्रीय पर्यवेक्षक के सामने अजमेर कांग्रेस में बवाल

आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन को बताया 'दलाल'; लगे विवादित पोस्टर

अजमेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में कांग्रेस पार्टी की आंतरिक गुटबाजी अब सड़कों पर खुलकर सामने आ गई है। RTDC के पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ के खिलाफ शहर में कई जगहों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें उन्हें चोर और दलाल बताया गया है। इन पोस्टरों में लिखा है, कांग्रेस-देश में वोट चोर, गद्दी छोड़ और कांग्रेस-अजमेर में दलाल व चोर, अजमेर छोड़ के साथ राठौड़ की तस्वीर और नाम भी छपा है।

दरअसल, कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक अशोक तंवर इन दिनों अजमेर के दौरे पर हैं और वे बार-बार पार्टी में एकजुटता का दावा कर रहे हैं। हालांकि, रविवार को हंस पैराडाइज में आयोजित शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक में आपसी कहासुनी और हंगामे ने उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया। इस बैठक में राठौड़ और निवर्तमान जिलाध्यक्ष विजय जैन के समर्थकों के बीच नोकझोंक हुई, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। करीब 15 मिनट तक चले इस हंगामे को अन्य नेताओं ने बीच-बचाव कर शांत कराया।

राठौड़ के खिलाफ पोस्टर, समर्थकों का विरोध

राठौड़ के खिलाफ लगे पोस्टरों में उनकी छवि को निशाना बनाया गया है। इन पोस्टरों को शहर के टॉयलेट्स और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर देखा गया।

राठौड़ के समर्थकों ने इस घटना की निंदा करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इसे राठौड़ की छवि खराब करने की साजिश बताया और जांच के साथ सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, राठौड़ ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं धरियावद में पार्टी के काम से हूं।

मुझे नहीं पता कि अजमेर में कोई पोस्टर लगे हैं। यह किसने और क्यों किया, इसकी जानकारी ले रहा हूं।

क्या गहलोत-पायलट गुट में तनातनी?

बताते चलें कि धर्मेंद्र राठौड़ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाते हैं, जबकि विजय जैन पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के गुट से जुड़े हैं। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा है और वे एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे हैं। रविवार की बैठक में भी यह विवाद खुलकर सामने आया।

उपचुनावों की घोषणा के साथ ही सीट हथियाने की कवायद में जुटीं पार्टियां, नरेश मीणा खेल सकते हैं दांव

बारां, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों ने इस सीट पर अपना कब्जा जमाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन उपचुनावों के लिए वोटिंग 11 नवंबर को होगी और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किया जाएगा। गजट नोटिफिकेशन 13 अक्टूबर को जारी किया जाएगा, जबकि प्रत्याशी 21 अक्टूबर तक नामांकन कर सकेंगे। नामांकन की जांच 23 अक्टूबर को होगी और 27 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकेंगे।

अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,26,227 वोटर हैं, जिनमें 1,15,982 पुरुष, 1,10,241 महिला और 4 अन्य वोटर शामिल हैं। वोटर लिस्ट अपडेट अभियान में 1,336 वोटर बढ़े हैं। पिछले तीन चुनावों में अंता सीट पर दो बार भाजपा और एक बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। 2013 में भाजपा के प्रभूलाल सैनी ने प्रमोद जैन भाया को 3,399 वोटों से हराया था, जबकि 2018 में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया ने भाजपा के प्रभूलाल सैनी को 34,063 वोटों से हराया। 2023 में भाजपा के कंवरलाल मीणा ने प्रमोद जैन भाया को 5,861 वोटों से हराया। इस बार का मुकाबला पिछली लड़ाइयों से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक और रोचक होने की उम्मीद है।

उपचुनावों की घोषणा होते ही प्रमुख पार्टियों समेत सीट हथियाने की जुगत में भिड़ी अन्य पार्टियों ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस इस बार एक बार फिर प्रमोद जैन भाया को टिकट दे सकती है। भाजपा में पूर्व विधायक सहित कई बड़े नेता टिकट की दौड़ में हैं। राजनीतिक गलियारों में अचानक उभरते नरेश मीणा पर सबकी निगाहें टिकी हैं। माना जा रहा है कि नरेश मीणा उपचुनाव को रोचक और उलटफेर भरा बना सकते हैं। सूत्रों के अनुसार नरेश मीणा प्रमोद जैन भाया के कट्टर विरोधी हैं और यदि कांग्रेस भाया पर दांव खेलेगी तो नरेश मीणा निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं।

बता दें कि अंता सीट पहले विधायक कंवरलाल मीणा के कब्जे में थी। करीब 20 साल पहले एसडीएम पर पिस्टल तानने के मामले में उन्हें कोर्ट ने दंडित किया था, जिसके कारण इस साल मई में उनकी विधायकी चली गई और सीट खाली हो गई। कंवरलाल मीणा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समर्थक हैं और साल 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को हराया था। कंवरलाल दो बार विधायक रह चुके हैं और 2013 में मनोहर थाना से विधायक चुने गए थे।

हाईकोर्ट का सख्त सवाल, सरकारी इमारतों में क्यों हो रहे हादसे? सरकार को दिए निर्देश

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी इमारतों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ इमारतें गिर रही हैं तो कुछ में आग लग रही है, आखिर हो क्या रहा है सरकारी भवनों के साथ?

अदालत यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जो जुलाई में झालावाड़ जिले के एक सरकारी स्कूल की इमारत गिरने की घटना से संबंधित थी। गौरतलब है कि उस हादसे में सात छात्रों की मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि सरकारी इमारतों को क्या हो गया है? कुछ ढह रही हैं, कुछ में आग लग रही है।

अदालत ने राज्य सरकार को 9 अक्टूबर तक एक सुरक्षा रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके, खासतौर पर स्कूल भवनों में।

राज्य के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि असुरक्षित स्कूल भवनों से छात्रों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है और उनकी मरम्मत व पुनर्निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी गई है।

राजस्थान पुलिस ने किया हनी ट्रेप गैंग की 10 महिलाओं के नाम का खुलासा

झालावाड़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में हनी ट्रेप के जरिए चौथवसूली करने वाली गैंग की 10 महिलाओं के नामों का खुलासा किया है। एसपी अमित कुमार ने कहा कि यदि इन महिलाओं ने किसी को ब्लैकमेल किया हो या चौथवसूली की हो तो पुलिस से आकर मिले। पुलिस उनकी हर संभव मदद करेगी। यदि उनके खिलाफ अदालत में कार्रवाई चल रही है तो पुलिस इन महिलाओं के बारे में अदालत को भी अवगत कराएगी।

एसपी ने बताया कि पिछले दिनों पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग को पकड़ा था। यह गैंग फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी के साथ ही हनी ट्रेप में शामिल थी। पुलिस ने इस गैंग की 10 महिलाओं के बारे में खुलासा किया है।

एसपी ने बताया कि ये सभी महिलाएं पूर्व में हनी ट्रेप के मामलों में गिरफ्तार हो चुकी है। सभी के खिलाफ अदालत में चालान भी पेश हो चुके है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि इन महिलाओं ने उन्हें हनी ट्रेप में फंसाया हो। बलात्कार, छेड़छाड़ या अन्य झूठे मुकदमें दर्ज करवाकर या धमकाकर उनसे चौथवसूली की हो तो वे उनसे आकर सम्पर्क करें। यदि उनके खिलाफ इन महिलाओं ने कोई प्रकरण दर्ज करवाया हो तो पुलिस उनकी इस मामले में मदद करेगी। जरूरत पडने पर अदालत में भी इन महिलाओं के रिकॉर्ड के बारे में जानकारी देगी।

तीन अन्य गिरफ्तार

पुलिस ने हेमराज गैंग के तीन अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। एसपी अमित कुमार ने बताया कि पूर्व में हेमराज समेत गैंग के 13 सदस्यों को गिरफ्तार किया था। अब इस गैंग के तीन अन्य सदस्य चापाखुर्द रोड सारोला निवासी सुनील उर्फ सुरेश, नयागांव [धुलेट] निवासी गोलू बंजारा और तेजगढ़ [बारां] निवासी प्रमोद धाकड़ को गिरफ्तार किया। उनसे तीन कार बरामद की। सुनील के खिलाफ पांच और प्रमोद के खिलाफ 6 प्रकरण दर्ज है।

सीमा शर्मा उर्फ सीमा मीणा पुत्री बालचन्द शर्मा निवासी तेल फैक्ट्री नई कॉलोनी बारां। सीमा पुत्री मांगू सिंह पत्नी दिलीप सिहं निवासी काछीवाडा शाजांपुर [मध्यप्रदेश] । हेमलता पत्नी अंकित मीणा निवासी खरखडा अटरु हॉल रोज विहार बोरखेडा कोटा शहर। भूरीबाइर् उर्फ सुनीता मेरोठा पुत्री परमानन्द कोलुखेडी गुराड़ी हाल हल्दीघाटी केवट के पास झालावाड़। मुस्कान पुत्री दिनेश कुमार पत्नी जुगराज सिह निवासी बड़ी गल्टोली थाना पलासिया इन्दौर, हाल करणवास थाना सारोला। संध्या उर्फ गोलू पुत्री रामचन्द्र पत्नी राजेन्द्र निवासी धर्मराज कालोनी इन्दौर। लीलाबाई पत्नी मुरारीलाल निवासी केशपुरा गुना हाल करोत तिराया भोपाल। मनीषा पत्नी सुरेश जाति ढोली निवासी दादिया, सारोला। छोटीबाई पुत्री औंकारलाल निवासी माली मोहल्ला सारोला झालावाड। लाडबाई पत्नी बजरंगलाल माली निवासी बाघेर।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री भरत सिंह का निधन, लंबे समय से थे बीमार

कोटा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाड़ौती क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री भरत सिंह का सोमवार रात जयपुर के एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। शुरुआत में कोटा में इलाज चला, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया था। करीब एक महीने से उनका इलाज एसएमएस अस्पताल में चल रहा था। उनके निधन की खबर से कांग्रेस में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने शोक जताया और भरत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। भरत सिंह को मुद्दों पर अडिग रहने वाले नेता के रूप में जाना जाता था। उनके करीबी और कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कुशल पाल सिंह पानाहेड़ा ने बताया कि भरत सिंह ने राजनीति में कभी लाभ-हानि की चिंता नहीं की। वे गांधीवादी विचारधारा को मानते थे और उनकी ईमानदारी की सराहना विपक्षी नेता भी किया करते थे। भरत सिंह का जन्म 15 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने एमएस बड़ौदा यूनिवर्सिटी (गुजरात) से स्नातक की पढ़ाई की थी। वे 1993 में पहली बार खानपुर (झालावाड़) से विधायक बने। 1998 में लोकसभा चुनाव में वसुंधरा राजे से हार गए। 2003 में दीगोद (कोटा) से विधायक बने, जहां उन्होंने भाजपा के ललित किशोर चतुर्वेदी को हराया।

मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरकर हुए तितर-बितर

बीकानेर-जैसलमेर रेलमार्ग प्रभावित

बीकानेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के कोलायत क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। कोलायत और चानी स्टेशन के बीच कल देर रात एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा इतना जोरदार था कि डिब्बे तितर-बितर होकर ट्रैक के दोनों ओर फैल गए। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गए तथा ट्रैक को साफ करने का काम शुरू किया गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने पर आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे के चलते बीकानेर-जैसलमेर रेलमार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

आटे- साटे में हुई शादी, ससुराल भेजने की बात पर बवाल; चले लाठी-डंडे, 2 महिलाओं की मौत

अजमेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर शहर में एमडीएस यूनिवर्सिटी के पास कायड़ चौराहे पर देर रात आपसी झगड़े में सड़क खून से लाल हो गई। झगड़े में जमकर लाठी डंडे चले और दो महिलाओं की मौत हो गई वहीं कुछ अन्य लोग जख्मी हो गए। बंजारा समाज के लोगों में पारिवारिक विवाद के चलते हुए झगड़े में गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।

आटे- साटे के विवाद में झगड़ा

अजमेर सिविल लाइन थाना पुलिस के अनुसार देर रात करीब एक बजे बंजारा परिवार में झगड़ा हुआ। दो परिवारों में आटे- साटे में शादी हुई थी। किशनगढ़ से आए परिवार के सदस्यों और ससुराल पक्ष में विवाद को बाद झगड़े की स्थिति बन गई। परिवार के सदस्यों ने युवती को साथ भेजने का दबाव बनाया तो दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी और डंडे चले।

दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट

बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के चलते देर रात दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी- डंडे चले। मारपीट में दो महिलाओं को गंभीर चोटें आईं जिन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इलाज के दौरान दोनों महिलाओं की आज तड़के मौत हो गई। झगड़े में 5-6 अन्य लोगों के भी चोटें आई हैं।

करोड़ों की जमीन कब्जामुक्त, मंदिर की जमीन पर बना रखा था आलीशान मकान, चला बुलडोजर

झालावाड़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज सुबह प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई करते हुए झालावाड़ में श्रीनाथ जी मंदिर की करीब 28 बीघा जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। इस जमीन का नाम श्रीकृष्ण वाटिका है, जिस पर बरसों से कुछ दबंग और आपराधिक तत्वों का कब्जा था। कब्जाधारक इस करोड़ों की जमीन पर इमारत बनाकर रह रहे थे लेकिन भारी पुलिस बल के साथ आज इस इमारत को ध्वस्त कर दिया गया।

बुलडोजर चलाने की इस कार्रवाई को जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के आदेश पर शुरू किया गया। श्रीनाथ जी मंदिर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी ने अवैध कब्जे के संबंध में कलेक्टर को पत्र लिखकर मदद मांगी थी। पत्र मिलते ही प्रशासन ने एसडीएम अभिषेक चारण के नेतृत्व में टीम का गठन किया। इस टीम में राजस्व विभाग के अधिकारी, तहसीलदार और मंदिर मंडल के सदस्य भी शामिल थे।

प्रशासन इस बात से वाकिफ था कि कब्जा करने वाले आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग हैं। इसलिए ऑपरेशन के दौरान एडिशनल एसपी चिरंजीलाल मीणा, सीओ हर्षराज खरेड़ा, साइबर और ट्रैफिक सीओ समेत कई थानों के अधिकारी और 100 से ज्यादा पुलिस जवान मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने पूरे इलाके का घेरा बनाकर कार्रवाई को शांति से संपन्न कराया।

प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने घर में घुसकर बरसाई गोलियां, तीन लोग घायल, एक गंभीर

कोटपूतली-बहरोड़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहरोड़ जिले की बानसूर तहसील के हरसौरा थाना क्षेत्र के छींड वन इलाके के पास स्थित ग्राम दामोदर का बास में रविवार देर रात एक सनसनीखेज मामले में कुछ हमलावरों ने घर में घुसकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों पर गोलियां चला दीं। घटना में तीनों लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने घायलों को पहले बानसूर उप जिला अस्पताल, फिर कोटपूतली के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि घायल रामफल (57), चेतराम (55) दोनों पुत्र इंद्राज गुर्जर और राजेश (25) पुत्र चेतराम गुर्जर हैं। तीनों के पैरों में गोलियां लगी थीं। चेतराम की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया गया, जबकि अन्य दो का इलाज कोटपूतली में जारी है। कुछ कार सवार युवक गांव में पहुंचे और घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। घटना की सूचना पर हरसौरा थाना प्रभारी प्रकाश सिंह राठौड़ पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस में दी गई रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों की पहचान हैप्पी सिंह, जलेसिंह, कमलेश और योगेश के रूप में हुई है, जो अलवर ग्रामीण क्षेत्र के धोकड़ी थाना विजय मंदिर के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

सप्लाई के लिए तैयार 1900 किलो नकली चीज नष्ट

अजमेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर में मिलावटखोरी के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। विभाग की टीम ने मंगलवार को पुष्कर रोड स्थित पदमपुरा गांव में संचालित एक फैक्ट्री पर दबिश देकर 1900 किलो नकली चीज को नष्ट किया। यह फैक्ट्री शिवांश पिज्जा चीज फैक्ट्री के नाम से संचालित हो रही थी। टीम को मौके पर बिना मेन्युफैक्चरिंग डेट, बैच नंबर और कोडिंग वाले पैकेट मिले, जिन पर पूरा एड्रेस तक दर्ज नहीं था। विभाग ने इसे खाद्य सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन माना है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी केसरी नंदन शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई सीएमएचओ डॉ ज्योत्सना रंगा के निर्देश पर चल रहे शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत की गई है।

सीएम ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर महत्वपूर्ण बैठक की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री आवास पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण बैठक की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राज्य कांग्रेस मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, उत्तम कुमार रेड्डी, वक्ति श्रीहरि, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी उपस्थित थे। पिछड़ा वर्ग आरक्षण मामले में कल उच्च न्यायालय में होने वाली सुनवाई के संदर्भ में अपनाई जाने वाली रणनीति और प्रस्तुत की जाने वाली दलीलों पर चर्चा।

घर में चोरी, 43 तोला सोना और एक लाख रुपये नकद लूटे गए

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मनगर के ओयू कॉलोनी में चोरों ने एक घर में घुसकर 43 तोला सोना और एक लाख रुपये नकद लूट लिए। पुलिस के अनुसार, घर की मालकिन स्वप्ना अपने पति के हाल ही में निधन के बाद 27 सितंबर को अपने ससुराल गई थीं और 5 अक्टूबर को घर लौटीं। लौटने पर उन्होंने पाया कि उनके घर के ताले टूटे हुए थे और कीमती सामान गायब था। उनकी शिकायत के आधार पर फिल्मनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया। फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल की जांच की और पुलिस चोरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है।

युवक-युवती ने कीटनाशक खाकर की आत्महत्या का प्रयास

युवक की मौत

वारंगल, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले के घनपुर मंडल के ताटीकोंडा गांव में सोमवार को 26 वर्षीय मारापाका अन्वेश और 22 वर्षीय गद्दाम पावनी ने कथित तौर पर कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, अन्वेश की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि पावनी, जो उसकी प्रेमिका मानी जा रही है, वारंगल के एमजीएम अस्पताल में गंभीर हालत में है। आत्महत्या के प्रयास के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अन्वेश थाटिकोंडा का रहने वाला था, जबकि पावनी पेद्दा पेंड्याला की निवासी है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल में बस पर पहाड़ी से मलबा गिरा

15 लोगों की मौत, 2 बच्चे बचाए, बिलासपुर में दिनभर हुई बारिश के कारण हादसा

बिलासपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम यात्री बस पर पहाड़ से मलबा गिर गया। बिलासपुर के एसपी ने 15 मौतों की बात कही है। वहीं 2 बच्चों को सुरक्षित निकाला गया। एसडीआरएफ, पुलिस और लोकल लोग राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

बिलासपुर के एसपी संदीप धवल ने बताया कि ज्यादातर मलबा हटाया जा चुका है। ऐसा लग रहा है कि बस में 17 ही लोग सवार थे। बस में बचे हुए मलबे को हटाने का काम जारी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई और यात्री बस में न दबा हो।

दरअसल, बिलासपुर के कई क्षेत्रों में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। हादसा बरठीं के पास भलू में शाम 6:25 बजे हुआ। यह बस मरोतन से घुमारवीं जा रही थी। भलू के पास बस पर पहाड़ का मलबा गिर गया। बस की केवल छत नजर आ रही थी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुई एक दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

केएनआरयूएचएस ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम में मुफ्त प्रवेश के लिए जारी की अधिसूचना

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए सक्षम प्राधिकारी कोटा के तहत प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रम में मुफ्त प्रवेश की अधिसूचना जारी की है।

अधिसूचना के अनुसार, केएनआरयूएचएस से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए मुफ्त प्रवेश की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर, 2025 को दोपहर 3 बजे है। उम्मीदवार बिना किसी दंड के प्राचार्य को आवेदन देकर प्रवेश छोड़ सकते हैं, लेकिन पाठ्यक्रम छोड़ने के बाद वे सक्षम प्राधिकारी कोटे के तहत आगे की काउंसलिंग के लिए पात्र नहीं होंगे। 8 अक्टूबर दोपहर 3 बजे के बाद प्रवेश रद्द करने पर जुर्माना लगाया जाएगा। मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों को कहा गया है कि वे सभी मूल प्रमाण पत्र और उम्मीदवारों द्वारा भुगतान की गई पूरी फीस तुरंत वापस करें और 8 अक्टूबर दोपहर 3.30 बजे तक प्रवेश पोर्टल पर डेटा अपलोड करें। इसके बाद उम्मीदवारों को सीट से हटने की अनुमति नहीं होगी।

ट्रेनों में चोरी करने वाले तीन कुख्यात अपराधी गिरफ्तारी

आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त अभियान में की कार्रवाई

विजयवाड़ा, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), ओंगोल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक सफल संयुक्त अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेनों में यात्रियों के सामान की छीना-झपटी और चोरी के कई मामलों में शामिल तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

यह अभियान रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। सोना छीनने के मामले में, आरोपी एस.के. निदुब्रोलू निवासी, मधर और आनंद को 1 अक्टूबर 2025 को दर्ज अपराध संख्या 109/2025, धारा 304(2), बीएनएस के संबंध में गिरफ्तार किया गया। यह घटना ओंगोल रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन संख्या 18121 तिरुमाला एक्सप्रेस (एस1 कोच) में हुई। कार्रवाई के दौरान, अधिकारियों ने अपराधियों से लगभग 4 लाख रुपये मूल्य का 41 ग्राम सोना सफलतापूर्वक बरामद किया। मोबाइल चोरी के एक अन्य मामले में, ज्ञात मोबाइल अपराधी गोरला राघव रेड्डी को अपराध संख्या 111/2025, धारा 303(2), बीएनएस, बीते 6 अक्टूबर 2025 के संबंध में गिरफ्तार किया गया। चोरी ओंगोल के पास ट्रेन संख्या 17479 पुरी-तिरुपति एक्सप्रेस में हुई।

चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ विभिन्न क्षेत्रों में लैपटॉप और मोबाइल चोरी और सोना छीनने जैसे 19 पुराने अपराध दर्ज हैं। उनकी लगातार आपराधिक गतिविधियों और सुस्थापित कार्यप्रणाली ने उन्हें रेल यात्रियों के लिए लगातार खतरा बना दिया था। आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों के समन्वित प्रयासों, जिन्होंने खुफिया जानकारी पर त्वरित कार्रवाई की और अभियान को सटीकता से अंजाम दिया, के परिणामस्वरूप इन बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और बहुमूल्य चोरी की संपत्ति बरामद की गई। यह सफल अभियान यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में आरपीएफ और जीआरपी टीमों के समर्पण और सतर्कता को दर्शाता है। रेलवे अधिकारियों ने दोनों बलों द्वारा प्रदर्शित टीम वर्क और दक्षता की सराहना की है और ट्रेनों में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु ऐसे समन्वित अभियान जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

डीजीपी कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह मनाया गया

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के आदेशानुसार, महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंगलवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने समारोह में भाग लिया।

उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में, उन्होंने समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया और उनके सत्य, स्वावलंबन और धर्म के प्रति समर्पण के आदर्शों पर प्रकाश डाला।

एआईजी (कानून एवं व्यवस्था) श्री रमण कुमार सहित डीजीपी कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

एक शाम वीर तेजाजी महाराज का भव्य तेजा गायन सम्पन्न

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित वीर तेजा जाट समाज तेलंगाना के तत्वावधान में सर्वे 49/1 हमीदुल्ला नगर में वीर तेजाजी महाराज के प्रांगण में भव्य तेजा गायन संपन्न हुआ। सोमवार 6 अक्टूबर को पूजा-अर्चना व जाट समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में वीर तेजा जाट समाज तेलंगाना के कार्यकारणी पदाधिकारियों ने संयुक्तरूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी लगातार आठवीं बार वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण व तेजा गायन आयोजित किया गया। वीर तेजाजी महाराज का विशेष श्रृंगारकर, पूजा-अर्चना व आरती के पश्चात् पधारे भक्तों एवं समाज बन्धुओं ने रात्रि 7.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम वीर तेजाजी के नाम तेजा गायन का आयोजन किया। गणपति वन्दना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ जो देर रात तक चलता रहा।

मरुधरा की दरियावजी धोलिया गादीपति भोपाजी के सानिध्य में व तेजा गायन पार्टी सालगराम बांगड़ा सिलारिया एण्ड पार्टी कालुराम लंगोड़ एण्ड पार्टी राजस्थान वीर तेजाजी महाराज भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसमें वीर तेजाजी महाराज के भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों ने वीर तेजाजी महाराज अमर रहे के नारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण को भक्तिमय बना दिया। अंतरराष्ट्रीय नृत्य कलाकार अनु सोलंकी, राजेन्द्र राठौड़, मटकी डांसर प्रेम मण्डा बाड़मेर ने नृत्य प्रस्तुत किया। समाज बन्धुओं ने श्री तेजाजी महाराज के चरणों में धूप बत्ती, नारियल एवं पुष्प अर्पितकर खुशहाली की कामना की। रात्रि 7=15 बजे से महाप्रसादी की व्यवस्था की गयी। कार्यक्रम में वीर तेजा जाट समाज तेलंगाना के परमेश्वर यादव, कलील भाई, रामनिवास गोरछिया, गणेशाराम ढाका, गुलाबराम बागड़ा, भंवरलाल सोडा, ओमप्रकाश सींवर रामकिशोर मिर्धा अमराराम धोजक, दामोदर लोछब, छगनाराम पुनिया, लिखमाराम पुनिया, तुलछाराम बैरा, हजारीराम गोदारा, कोजाराम नैण, ओमप्रकाश बढ़ियासरा, गोपालराम जाखड़, रामदीन भारी, टिकुराम सारण, सोहनराम भाम्बू, आईदान छाबा, सुरेश बडियासरा, मोहनराम तर्ड, पप्पूराम तर्ड, रामप्रताब जाखड़, सुरजाराम कुकणा, प्रहलाद डेरू, मांगीलाल सिरडीया, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन दरियावजी धोलिया गादीपति भोपाजी ने किया। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

एनएनआरईएसजीआई ने आईआरआईएसईटी के साथ किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नल्ला नरसिम्हा रेड्डी एजुकेशन सोसाइटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (एनएनआरईएसजीआई), जो नारापल्ली में स्थित है, ने भारतीय रेलवे सिग्नल, इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान आईआरआईएसईटी के महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव, एनएनआरईएसजीआई के निदेशक डॉ. सीवी कृष्णा रेड्डी, आईआरआईएसईटी के डीन लोकेश विश्नोई, एनएनआरईएसजीआई के आईआईआईसी संयोजक और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के डीन डॉ.जी. जनार्दन राजू, आईआरआईएसईटी के वरिष्ठ प्रोफेसर कवच टी रमेश बाबू, एनएनआरईएसजीआई के ईसीई विभाग के प्रमुख डॉ.बी. रवि, आईआरआईएसईटी के सहायक सचिव रमेश चंद्र और एनएनआरईएसजीआई के ईसीई विभाग के सहायक प्रोफेसर कौस्तुभ कुलकर्णी उपस्थित थे। यह समझौता ज्ञापन उद्योग संस्थान संपर्क प्रकोष्ठ (आईआईआईसी) और ईसीई विभाग, एनएनआरईएसजीआई की एक पहल है, जिसका उद्देश्य विभिन्न सहयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से बहु-विषयक धाराओं के छात्रों और संकाय में आवश्यक कौशल विकसित करना और उन्हें तैयार करना है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 153वां निशुल्क मेगा मेडिकल संपन्न

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा जाट सेवा संघ मिर्जागुडा जनवाडा के सहयोग से 153वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप शंकरपल्ली मंडल के जनवाडा स्थित ब्रिलिएंट स्कूल मिर्जागुड़ा में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा सामान्य चिकित्सा, हृदय रोग, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की जांच की गई जिसमें डॉ. गायत्री और डॉ. पूजिता सहित नर्सिंग स्टाफ माधवी, स्वाति और आकाश, 2डी इको तकनीशियन अलकेन्दु, बीएमडी तकनीशियन मोहन एवं मार्केटिंग उदय कुमार ने सहयोग दिया। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा नेत्र जांच की गई जिसमें मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 4, पटैरिजियम के लिए 6, रेटिना के लिए 3, बाल चिकित्सा ऑपरेशन के लिए 4 और 57 को चश्मे का वितरण किया गया। इसमें नेत्र विशेषज्ञ श्रीमती विजयश्री, नेत्र विशेषज्ञ ताहा, सौमिक इंटर्न, नरसिंह राव एवं भास्कर ने सहयोग प्रदान किया। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक के सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल सुगंधी ने सेवा प्रदान की। अवसर पर कुल 182 रोगियों की जांच की गई।

अवसर पर शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, स्थानीय भागीदार, जाट सेवा संघ, तेलंगाना के एम. कमल सिंह, एम. किशन सिंह, डी. तुलजाराम सिंह, डी. श्याम सुंदर सिंह, स्कूल के चंद्र मूली, एन क्रांति सिंह. डी. विजय लक्ष्मी, टी. सरिता. जी.सरिता, बी विवेक सिंह, बी. वैष्णवी सिंह, राजपूत समाज की बी शांता देवी. स्वयंसेवक निर्मला केडिया, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने अपना सहयोग देकर इसे सफल बनाया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याः सी/ई-नीलामियों का कैटलाग/एससी/2025-26, दि.6-10-2025 PUB1255

कृते राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए,वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.	नीलामी शुरू तिथि व समय	तत्संबंधित स्टेशन(न्स)/ट्रेन(न्स)	नीलामी विवरण
1	पे एण्ड यूज-	एससीडब्ल्यूएच-डब्ल्यूएल-केएमटी-01	10 अक्तू.25, 12.00 बजे	डब्ल्यूएल	प्लेटफार्म-1 के वरंगल रेलवे स्टेशन पर प्रिमियम प्रि-पेड एसी वेटिंग हाल का संचालन एवं रखरखाव।
2	पार्सिल्स	एससीपार्सिल्स-1725	11 अक्तू.25, 12.00 बजे	12721, 17030, 07030, 17039, 12437, 22850/49	एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेन्ट) के 12721, 17030, 07030, 17039, 12437 में पार्सिल स्पेस तथा पार्सिल वैन के 22850/22849 में पार्सिल स्पेस
3	पे एण्ड यूज	पीएनयु-एससी-एससीटीओआय-1	11 अक्तू.25, 14.00 बजे	एससी	सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 से 7 पर पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका। (5 ब्लाक्स)
4	पार्सिल्स-	एससीपार्सिल्स-1825ए	14 अक्तू.25, 12.00 बजे	07030, 12774/73, 17007/08, 22718/17	एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेन्ट) के 07030 में पार्सिल स्पेस तथा पार्सिल वैन के 12774/73, 17007/08, 22718/17 में पार्सिल स्पेस
5	पे एण्ड यूज	पीएनयु-एससी-एचटीसीवाय-टीओआय	14 अक्तू.25, 14.00 बजे	एचटीसीवाय	हायटेक सिटी रेलवे स्टेशन के पर पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका।
6	पे एण्ड यूज-	पीएनयु--एससीडब्ल्यूएच-केएमटी-1	15 अक्तू.25, 12.00 बजे	केएमटी	खम्मम रेलवे स्टेशन पर प्रिमियम प्रि-पेड एसी वेटिंग हाल का संचालन एवं रखरखाव।
7	पार्किंग	पीआरकेजी-10-9-25-37	15 अक्तू.25, 14.00 बजे	जीटी, एसएनएफ, जेइटी, बीजी, एमएलवाय	घटकेसर, सनतनगर, जेम्स स्ट्रीट, भोंगिर व मौलाली स्टेशनों पर पार्किंग का ठेका।
8	छिटपुट स्थैतिक	एससी-सीएलआरएम एसजीइवी-01	16 अक्तू.25, 14.00 बजे	एचएफजेड, एससी, सीएचजेड, बीएमटी	1. हाफिजपेटा रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन हेतु ठेका। 2. हाफिजपेटा रेलवे स्टेशन पर बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन हेतु ठेका। 3. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म -1 की तरफ गेट-2 एन्ट्रेस के समीप डिजीटल क्लोक रूम की स्थापना व संचालन का ठेका। 4. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म -1 की तरफ गेट-2 एन्ट्रेस के समीप रिलेक्सेशन चेयर की स्थापना व संचालन का ठेका। 5. चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन टर्मिनस के कानकार्स एरिया में हेल्थ कियोस्क का इंस्टाल्लेशन, रखरखाव व संचालन। 6. बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क के इंस्टाल्लेशन, रखरखाव तथा संचालन का ठेका।
9	पार्किंग	पीआरकेजी-जेओ-9-25-38	16 अक्तू.25, 14.00 बजे	एससी, सीएचजेड	सिकंदराबाद, चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों पर रेडियो टैक्सी पार्किंग।
10	पार्किंग	पीआरकेजी-ए1--25-39	20 अक्तू.25, 14.00 बजे	पीआरएलआय, सीटी, जीएनपी, एलकेपीएल	परली, चित्तापूर, घानपुर व लकडी का पुल रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग का ठेका।
11	एडवर्टाइजिंग	एससी-एडीवीटीएस-मिक्सड	21 अक्तू.25, 13.00 बजे	समस्त एससी डिवीजन, सीएचजेड, एमसीआय में	1. चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनस पर न्यू स्टेशन बिल्डिंग के कानकार्स एरिया में डिजीटल स्क्रीन्स के माध्यम से विज्ञापन का ठेका। 2. सिकंदराबाद डिवीजन के समस्त स्टेशनों पर तत्संबंधित शर्तों में विवरित एरिया के लिए लिफ्ट्स के भीतर विनिल रैपिंग के माध्यम से स्थैतिक विज्ञापन हेतु ठेका। 3. मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के लिए नान-डिजीटल कांट्राक्ट या ठेका। 4. मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया के भीतर वाणिज्यिक स्थैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए ठेका।
12	पे एण्ड यूज	एससी-आरडीएम एसीडब्ल्यूएच-पीआरके	21 अक्तू.25, 13.00 बजे	आरडीएम	आरडीएम पर प्रि-पेड एसीडब्ल्यूएच के संचालन व रखरखाव तथा टू/फोर व्हीलर पार्किंग हेतु ठेका।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A1578

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अंकुशिता और अरुंधति ने बीएफआई कप में जीते स्वर्ण

हुसामुद्दीन-विश्वनाथ पुरुष वर्ग के फाइनल में पहुंचे

चेन्नई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व युथ विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो और अरुंधति चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले बीएफआई कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। अंकुशिता और अरुंधति ने महिला वर्ग के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम करने में सफल रहीं। असम की अंकुशिता ने 60-65 किग्रा वर्ग के फाइनल में राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल को 3-2 से हराया, जबकि सेना की अरुंधति ने एआईपी की स्नेहा के खिलाफ 65-70 किग्रा वर्ग के फाइनल में 5-0 से जीत दर्ज की।

परवीन हुड्डा भी बनीं विजेता

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 57-60 किग्रा वर्ग में हरियाणा की प्रिया को करीबी मुकाबले में 3-2 से हराया। अन्य मुकाबलों में उत्तराखंड की निवेदिता कार्की ने विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रेलवे की मंजू रानी को 3-2 से हराकर 45-48 किग्रा वर्ग का खिताब जीता, जबकि रेलवे की ही भावना शर्मा ने रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहीं सविता को 48-51 किग्रा के फाइनल में 5-0 से हराया।

महाराष्ट्र की खुशी जाधव ने एआईपी की दिव्या पवार को 51-54 किग्रा वर्ग में 3-2 से हराया और हिमाचल प्रदेश की विनाक्षी धोता ने एआईपी की मुस्कान को 54-57 किग्रा वर्ग में 5-0 से मात दी। साई की मोनिका ने 70-75 किग्रा वर्ग में हरियाणा की निशु को हराकर खिताब जीता। वहीं, एआईपी की बबीता बिष्ट ने 75-80 किग्रा वर्ग के फाइनल पंजाब की कोमल को 3-2 से और साई की रितिका ने एआईपी की शिवानी तोमर को 5-0 से हराकर 80-85 किग्रा वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

अमित पंघाल सेमीफाइनल में हारे

पुरुष वर्ग में सेना के एस विश्वनाथ ने गोपी मिश्रा को 5-0 से हराकर 47-50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेना के अमित पंघाल तो आशीष से 50-55 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के मोहम्मद हुसामुद्दीन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और रेलवे के मितेश देसवाल को 55-60 किग्रा वर्ग में 5-0 से हराया।

वैभव सूर्यवंशी को आया भयानक गुस्सा

बीच मैदान पर अंपायर से भिड़ गए

मेलबोर्न, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अबतक कमाल प्रदर्शन किया है लेकिन मैके में चल रहे दूसरे यूथ टेस्ट की पहली पारी में उनका बल्ला खामोश रहा. ये खिलाड़ी 14 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हो गया. लेकिन यहां दिलचस्प बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी आउट होने के बाद भयानक गुस्से में आ गए और उन्होंने अंपायर से पंगा ले लिया. वैभव सूर्यवंशी अपने खिलाफ दिए गए फैसले से काफी नाराज थे और आउट होने के बाद भी वो मैदान से बाहर जाने से पहले अंपायर से भिड़ गए.

वैभव सूर्यवंशी की अंपायर से लड़ाई

वैभव सूर्यवंशी ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ अपने ही अंदाज में खेल रहे थे. इस खिलाड़ी को ओपनिंग की बजाए नंबर 3 पर भेजा गया. लेकिन वैभव के खेल में कोई कमी नजर नहीं आई. ये खिलाड़ी आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़ा और उन्होंने 2 चौके और एक छक्का लगा दिया. लेकिन फिर 7वें ओवर में उनके साथ बड़ा हादसा हो गया. दरअसल चार्ल्स लचमंड की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने उनका कैच लपक लिया. अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट दे दिया. लेकिन वैभव सूर्यवंशी का दावा था कि वो आउट नहीं थे. गेंद उनके बल्ले की बजाए थाईपैड पर लगकर गई थी.

वैभव सूर्यवंशी आउट होने के बाद भी पिच के पास खड़े रहे. वो अंपायर को कुछ बोलते दिखे. इसके बाद पवेलियन लौटने से पहले वो फिर अंपायर से बहस करते नजर आए. नॉन स्ट्राइक पर खड़े वेदांत त्रिवेदी भी अंपायर को कुछ कहते दिखे लेकिन अंपायर ने उंगली उठा दी थी और वैभव सूर्यवंशी को वापस लौटना पड़ा.

पहली बार दिखा ऐसा अंदाज

वैभव सूर्यवंशी को पहली बार इतने गुस्से में देखा गया है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज आमतौर पर आउट होने के बाद सिर झुकाकर पवेलियन लौट जाता है लेकिन इस बार इस खिलाड़ी ने अपना आपा खो दिया. वैसे एक सवाल ये भी उठ रहा है कि आखिर इंडिया अंडर 19 टीम मैनेजमेंट ने वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग से क्यों हटाया? जो बल्लेबाज पिछले एक साल से ओपनिंग पोजिशन पर ही तबाही मचा रहा है आखिर उसे क्यों फर्स्ट डाउन पर भेजा गया. खैर वजह जो भी हो लेकिन ये सच है कि उनके इस फैसले से वैभव और टीम इंडिया को भी नुकसान हुआ.

संजू सैमसन का नंबर कब आएगा : टी-20 में ओपनिंग पोजिशन से हटाया गया

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2015 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले संजू सैमसन 2023 तक महज 24 टी-20 मैच ही खेल सके थे। आखिरकार 2024 वर्ल्ड कप के बाद उनकी भारतीय टी-20 टीम में जगह पक्की हुई। उन्होंने फिर ओपनिंग करते हुए 5 महीनों में 3 शतक लगा दिए। लगा कि अब संजू भारत के लॉन्ग टर्म ओपनर होंगे। लेकिन, एशिया कप में उन्हें अपनी जगह शुभमन गिल के लिए खाली करनी पड़ गई।

संजू ने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। फाइनल में जब भारतीय टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तब उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 57 रन की पार्टनरशिप लगाई और भारत की मैच में वापसी कराई।

इसके बाद माना जा रहा था कि संजू ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम में भी जगह बना लेंगे।

लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। मुख्य विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल चुने गए और बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल टीम में आ गए। संजू बाहर रह गए। ऐसा तब हुआ है जब संजू ने 16 वनडे मैचों में 56 की औसत से रन बनाए हैं। दूसरी ओर जुरेल ने अभी वनडे में डेब्यू भी नहीं किया है।

संजू एक बार फिर नजरअंदाज हो गए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं जब संजू और उनके फैंस का दिल टूटा हो। 10 साल से उनकी कहानी इसी तरह उम्मीद और हार्ट ब्रेक के बीच झूलती रही है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहचान बनाई

2014 का अंडर-19 वर्ल्ड कप पिछले 15 साल में भारत के लिए सबसे खराब रहा। टीम क्वार्टर फाइनल में ही इंग्लैंड से हारकर बाहर हो गई। इसके बावजूद आईसीसी टूर्नामेंट ने भारत को श्रेयस अय्यर, कुलदीप यादव और संजू सैमसन जैसे भविष्य के सितारे दे दिए।

टूर्नामेंट में युवा सैमसन ने अपनी पावर हिटिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने निकोलस पूरन के बाद सबसे ज्यादा 12 छक्के लगाए। टॉप-15 रन स्कोरर में उनका स्ट्राइक रेट पूरन के बाद बेस्ट रहा। वे टीम इंडिया के टॉप स्कोरर भी रहे और ग्रुप स्टेज में अकेले दम पर टीम को मैच जिताए।

20 साल की उम्र में डेब्यू कर लिया

अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहले ही 2013 में उनकी पावर हिटिंग को देखते हुए राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए खरीद लिया। शुरुआती 2 सीजन उन्होंने 24 मैच भी खेल लिए, इनमें 22 छक्के और 44 चौके शामिल रहे। अंडर-19 और आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर सैमसन को 2015 में ही टी-20 डेब्यू का मौका मिल गया। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 1 मैच खेला, लेकिन 24 गेंद पर 19 रन ही बना सके।

आईपीएल में परफॉर्म किया, लेकिन मौके नहीं

टी-20 डेब्यू के बाद सैमसन को टीम से बाहर कर दिया गया। इंटरनेशनल टीम में मौके नहीं मिले, लेकिन सैमसन ने आईपीएल में राजस्थान और दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हुए लगातार परफॉर्म किया। वे अब राजस्थान की कप्तानी करते हैं और 3 शतक लगाकर 4704 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 219 छक्के भी लगा दिए।

डेब्यू के बाद साढ़े 4 साल इंतजार किया

टी-20 डेब्यू के बाद सैमसन को इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। 2020 में आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर स्क्वॉड में शामिल किया जाने लगा, लेकिन सीरीज में 1-2 मैच ही खिलाए गए। 2023 तक सैमसन टीम से अंदर-बाहर होते रहे।

रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं ऋषभ पंत

रोहन जेटली से रणजी खेलने की इच्छा जताई, इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए थे

बेंगलुरु, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है।

पंत ने डीडीसीए के प्रेसिडेंट रोहन जेटली से रणजी ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने जेटली से कहा है कि उन्हें 25 अक्टूबर से दिल्ली में होने वाले मैच तक फिट हो जाना चाहिए। हालांकि, पंत को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से क्लीयरेंस लेना होगा।

28 साल के ऋषभ वर्तमान में बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उनकी फिटनेस पर सेंटर के सूत्र ने कहा- 'अभी तक संभावना यही है कि 10 अक्टूबर

तक उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी। इसी हफ्ते उनका निरीक्षण होगा।'

ऋषभ पंत अपनी इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी 2 मैचों की टेस्ट टीम से बाहर हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल और नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज का पहला मुकाबला भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों के अंतर से जीता था। टीम 1-0 से आगे है।

इंग्लैंड दौरे में मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन चोटिल हुए थे पंत

ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स ने यॉर्कर पंत के पंजे पर लगी। इस चोट के कारण वे 5 मैचों की सीरीज का आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी में अपनी फिटनेस साबित करके साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में वापसी करना चाहेंगे। साउथ अफ्रीका की टीम नवंबर महीने में भारतीय दौरे पर आ रही है। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। अफ्रीकी टीम यहां 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगी।

प्रीति जिंटा को बड़ा झटका, सुनील जोशी ने छोड़ा पंजाब किंग्स का साथ

बीसीसीआई में होगी एंट्री !

बेंगलुरु, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी. हाल ही में कुछ टीमों ने बड़े बदलाव भी किए हैं. अब बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स से एक बड़ी खबर निकलकर आई है. एक दिग्गज ने पंजाब किंग्स से अलग होने का फैसला ले लिया है. ये दिग्गज पिछले कई सीजन से टीम के साथ काम कर रहा था. लेकिन अब उसने अपनी भूमिका से इस्तीफा देते हुए पंजाब किंग्स को आगामी सीजन के लिए अपनी अनुपलब्धता की सूचना दी है. भारतीय क्रिकेट के पूर्व स्पिन गेंदबाज सुनील जोशी ने पंजाब किंग्स के साथ अपने सफर को अलविदा कह दिया है. स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा देते हुए उन्होंने आगामी

सीजन के लिए अपनी अनुपलब्धता की सूचना दी है. सूत्रों के मुताबिक, जोशी अब बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से जुड़ने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, जो उनके करियर के लिए एक बड़ा मौका साबित हो सकता है.

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रैंचाइजी के एक अधिकारी ने पुष्टि की है सुनील जोशी ने लेटर लिखकर टीम को जानकारी दी है कि वह टीम से अलग हो रहे हैं. उन्होंने हेड कोच रिकी पॉन्टिंग को भी व्यक्तिगत रूप से अपने इस फैसले के बारे में बताया है. बता दें, जोशी पहले भी पंजाब किंग्स के साथ हेड कोच अनिल कुंबले (2020-22 के बीच) के अंडर काम कर चुके हैं. वह कुछ समय के लिए उत्तर प्रदेश राज्य टीम के हेड कोच भी रहे हैं. इसके अलावा वह टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर के तौर पर भी काम कर चुके हैं.

सुनील जोशी की नई भूमिका बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होने की संभावना है, जहां वे युवा खिलाड़ियों के विकास और कोचिंग पर फोकस कर सकेंगे. हालांकि, आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है. वहीं, सुनील जोशी ने 1996 से 2001 के बीच भारत के लिए 15 टेस्ट और 69 वनडे मैच खेले, जहां उन्होंने कुल 110 विकेट हासिल किए.

विमेंस वनडे बैटर्स रैंकिंग में स्मृति मंधाना टॉप पर कायम

कप्तान हरमनप्रीत को 2 स्थान का नुकसान; बॉलर्स में दीप्ति छठे नंबर पर खिसकीं

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी की वीकली विमेंस रैंकिंग अपडेट हो चुकी है। भारत की लेफ्ट हैंड बैटर स्मृति मंधाना नंबर-1 बैटर बनी हुई हैं। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत कौर को 2 स्थान का नुकसान हुआ। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा भी छठे नंबर पर पहुंच गईं। टीमों में इंडिया विमेंस तीसरे नंबर पर बरकरार है।

विमेंस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच में शतक लगाने वालीं एश्ले गार्डनर को 7 स्थान का फायदा मिला। वे वनडे बैटर्स रैंकिंग में पांचवें नंबर पर पहुंच गईं। साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी 2 स्थान ऊपर उठकर चौथे पर पहुंच गईं। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन 7 स्थान सुधरकर 8वें पर आ गईं। भारत की स्मृति मंधाना नंबर-1, इंग्लैंड की कप्तान नैटली सिवर ब्रंट दूसरे नंबर और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी तीसरे नंबर पर कायम

हैं। बैटर्स रैंकिंग में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को 2 स्थान का नुकसान हुआ। वे 16वें नंबर पर पहुंच गईं। दीप्ति शर्मा 17वें नंबर पर आईं। वनडे बॉलर्स रैंकिंग में भारत की स्पिनर दीप्ति शर्मा को एक स्थान का नुकसान हुआ, वे टॉप-5 से बाहर होकर छठे नंबर पर पहुंच गईं। साउथ अफ्रीका की मारिजान कैप ने उन्हें पीछे धकेला। इंग्लैंड की सोफी एकलस्टन टॉप पर हैं। दूसरे से चौथे नंबर तक ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, मेगन शट और किम गार्थ हैं।

विमेंस वनडे ऑलराउंडर्स रैंकिंग में साउथ अफ्रीका की मारिजान कैप को एक स्थान का नुकसान हुआ। वे तीसरे नंबर पर पहुंच गईं, इस कारण वेस्टइंडीज की हैली मैथ्यूज दूसरे नंबर पर आ गईं। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर नंबर-1 और भारत की दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर कायम हैं। भारत की स्नेह राणा 12 स्थान की छलांग लगाकर 28वें नंबर पर जरूर आ गईं। वनडे टीमों में ऑस्ट्रेलिया पहले, इंग्लैंड दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर कायम हैं। टीम रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, यह वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद ही अपडेट होगी। टी-20 टीम और प्लेयर्स रैंकिंग में भी कोई बदलाव नहीं हुआ। टी-20 में भी ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत ही टॉप-3 पोजिशन पर हैं।

रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाना पाकिस्तानी को भी नहीं आया रास

इस्लामाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा से अब बीसीसीआई ने वनडे टीम की कप्तानी छीन ली है. ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए अब रोहित शर्मा को हटाकर शुभमन गिल को टीम इंडिया का नया कप्तान बनाया गया है. रोहित को कप्तानी से हटाने का मुद्दा अब पाकिस्तान में भी उठता हुआ दिखाई दे रहा है. रोहित को कप्तानी से हटाए जाने को लेकर पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी तनवीर अहमद का बड़ा बयान सामने आया है.

तनवीर अहमद ने पाकिस्तानी चैनल पर बोलते हुए कहा कि "हमेशा कप्तान हटाने का ये रीजन होता है कि या तो आपकी कप्तानी में टीम नहीं जीत रही या फिर आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं. आपका एटीड्यूड का मसला भी होता है. रीजन वो है जो ऑस्ट्रेलिया में जाके रोहित ने मीडिया को बोला था. ये पेन और टीवी वाले हमें बताएंगे कि हमने कब रिटायर होना है. रोहित शर्मा का सिलसिला वहां से शुरू हुआ. ठीक है टेस्ट क्रिकेट से फिर उसने रिटायरमेंट लिया. वो ज्यादा देर तक टीम में नहीं रहेगा और वो वनडे क्रिकेट भी जल्दी छोड़ देगा."

आगे तनवीर ने कहा उसके बाद सीधी बात है यार गौतम गंभीर टीम के साथ है. वो नहीं बर्दाश्त करेगा कि अब वे खिलाड़ी टीम के अंदर हो जो सीनियर हो चुकें हैं. सबकुछ गौतम गंभीर है, अजीत अगरकर या सिलेक्शन कमेटी कुछ नहीं है. गौतम गंभीर जो बोलेगा वही सबकुछ होगा. विराट कोहली और रोहित शर्मा के जो ऊपर-नीचे एकदम से जो उन्होंने संन्यास लिया, उसका रीजन मुझे गौतम गंभीर नजर आते हैं.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद दोनों दिग्गजों ने आईपीएल 2025 के दौरान टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर हर किसी को हैरान कर दिया था. वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के बाद रोहित-विराट ने इस छोटे फॉर्मेट से भी संन्यास ले लिया था, फिलहाल ये दोनों खिलाड़ी वनडे क्रिकेट में खेलते हुए दिखाई देंगे. फैंस को लंबे समय से रोहित-विराट की मैदान पर वापसी का इंतजार है.

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियन स्क्वॉड का ऐलान

लाबुशेन वनडे टीम से बाहर, रेनशॉ को पहली बार शामिल किया गया

मेलबोर्न, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। स्टार बैटर मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से बाहर कर दिया गया है। मैट रेनशॉ को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा, मिचेल स्टार्क की वनडे क्रिकेट में वापसी हुई है, जो पिछले साल नवंबर के बाद पहली बार इस फॉर्मेट में खेलेंगे।

टीम इंडिया इस महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां उसे तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला वनडे 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने तीन वनडे और पहले दो टी-20 मुकाबलों के लिए टीम ऐलान किया है। मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से बाहर करने की सबसे बड़ी वजह उनका खराब प्रदर्शन रहा है। उन्होंने अपनी पिछली 10 पारियों में सिर्फ 138 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 47 रन रहा है।

रेनशॉ को लिस्ट-ए क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया-ए की ओर से श्रीलंका के खिलाफ डार्विन में शतक जड़ा था। 50 ओवर फॉर्मेट में वे आमतौर पर नंबर 3 या 4 पर बल्लेबाजी करते हैं और नवंबर 2021 से उन्होंने 48.68 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक शामिल हैं।

रेनशॉ पहले भी 2022 में पाकिस्तान दौरे के लिए टीम में चुने गए थे, लेकिन तब उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था। अब उनके पास भारत के खिलाफ पहली बार वनडे में खेलने का मौका

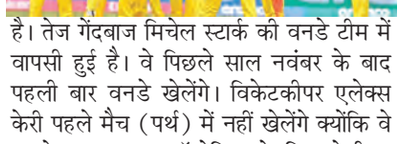

है। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है। वे पिछले साल नवंबर के बाद पहली बार वनडे खेलेंगे। विकेटकीपर एलेक्स केरी पहले मैच (पर्थ) में नहीं खेलेंगे क्योंकि वे अपने राज्य साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शेफील्ड शील्ड मैच में खेलेंगे। ग्लेन मैक्सवेल टूटी हुई कलाई के कारण टी-20 सीरीज से बाहर रहेंगे। कैमरन ग्रीन वनडे टीम में शामिल हैं, लेकिन टी-20 नहीं खेलेंगे ताकि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में हिस्सा ले सकें। ऑलराउंडर कूपर कॉनोली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 विकेट लेकर प्रभावित किया था और ऑस्ट्रेलिया-ए के भारत दौरे पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें वनडे स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है। मिचेल ओवेन, जो साउथ अफ्रीका सीरीज में कन्कशन के कारण नहीं खेल पाए थे, अब वनडे डेब्यू के लिए तैयार हैं।

टी-20 में नाथन एलिस की वापसी

टी20 सीरीज के लिए पहले दो मैचों के लिए 14 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान किया गया है। इसमें नाथन एलिस की वापसी हुई है, जो न्यूजीलैंड दौरे पर अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल पाए थे। सीन एबॉट को वनडे स्क्वॉड में जगह नहीं मिली, लेकिन वे टी20 स्क्वॉड में बने हुए हैं। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए स्क्वॉड को एकजुट रखा गया है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में मौका दिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, मैट रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क, एडम जंपा।

पहले दो टी-20 मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जंपा।

मार्नस लाबुशेन सर्च कर रहे लोग

ऑस्ट्रेलियाई बैटर मार्नस लाबुशेन खराब प्रदर्शन की वजह से भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इसके बाद लोग लगातार मार्नस लाबुशेन के बारे में गूगल पर सर्च कर रहे है। पिछले कुछ दिनों का ग्राफ देखा जाए तो साफ समझ आता है कि उनका ग्राफ तेजी से बढ़ा है।

डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली का बड़ा फैसला, दिल्ली टीम से हटाया गया खिलाड़ी

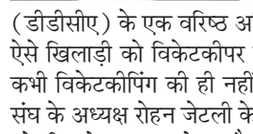

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की अंडर-19 टीम में एक खिलाड़ी के चयन को लेकर काफी विवाद देखने को मिला, जिसको सिफारिश के चलते टीम में शामिल किया.

बीसीसीआई की वीनू मांकड़ ट्रॉफी से पहले एक बड़ा चयन विवाद सामने आया है. दरअसल दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी के कहने पर अंडर-19 टीम में एक ऐसे खिलाड़ी को विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में शामिल किया जिसने कभी विकेटकीपिंग की ही नहीं. जब ये मामला दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली के सामने आया तो उन्होंने तुरंत उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने का फैसला सुनाया जिसको सिफारिश पर टीम में शामिल किया गया था.

दरअसल 3 अक्टूबर को दिल्ली 23 सदस्यीय अंडर-19 टीम का ऐलान हुआ. इस 23 सदस्यीय टीम में अभिराज गगन सिंह को मुख्य विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया था. वहीं टीम में 22वें नंबर पर दूसरे विकेटकीपर के तौर पर एक ऐसे खिलाड़ी को शामिल किया गया, जिसने कभी विकेटकीपिंग की ही नहीं. इसके बाद ये मामला दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ में गरमा गया. डीडीसीए के कई अधिकारियों ने इस मामले को अध्यक्ष रोहन जेटली के सामने उठाया. अधिकारियों ने जेटली को पक्षपात का भी संकेत किया. इसके बाद रोहन जेटली ने तुरंत इस मामले पर कार्रवाई की. रोहन जेटली ने तुरंत उस खिलाड़ी को टीम से हटाने का आदेश दिया, जिसको सिफारिश के चलते दिल्ली की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया था. उस खिलाड़ी की जगह फिर टीम में दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज को शामिल किया गया. इस घटना की जानकारी रखने वाले सूत्र का कहना है कि "जब किसी को विकेटकीपर के रूप में शामिल किया जाता है, जबकि उसके पास इस भूमिका के लिए कोई योग्यता नहीं होती, तो यह स्पष्ट है कि इसके पीछे कोई बड़ा कारण या प्रभाव है।" फिलहाल दिल्ली की अंडर-19 टीम रांची के लिए रवाना हो चुकी है, जहां 9 अक्टूबर से वीनू माकंड ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है.

तेलंगाना डिजिटल कृषि में अग्रणी बनने के लिए तैयार : मंत्री श्रीधर बाबू

जर्मनी के फ्रौनहोफर हेनरिक हट्र्ज संस्थान के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने मंगलवार को यहां कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य छोटे और सीमांत किसानों के साथ अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करके डिजिटल कृषि में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनना है।

राज्य सचिवालय में जर्मनी के फ्रौनहोफर हेनरिक हट्र्ज संस्थान (एचएचआई) के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और उन्नत डेटा-संचालित प्रणालियों के उपयोग के माध्यम से कृषि को अधिक लाभदायक, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाना है। श्रीधर बाबू ने कहा, हमारी सरकार खेती की लागत कम करने और रासायनिक आदानों के उपयोग को न्यूनतम करने के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। लक्ष्य छोटे

और सीमांत किसानों को ऐसी तकनीक अपनाने में मदद करना है जो उत्पादकता में सुधार करे, वित्तीय बोझ कम करे और पर्यावरण की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था अभी भी कृषि पर बहुत अधिक निर्भर है, जो 55 प्रतिशत से अधिक आबादी को आजीविका प्रदान करती है और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने आगे कहा, साथ ही, तेलंगाना उभरती प्रौद्योगिकियों का एक वैश्विक केंद्र बन गया है। यह अनूठा संयोजन हमें राज्य को डिजिटल कृषि के एक मॉडल के रूप में स्थापित करने में सक्षम बनाता है। चल रही पहलों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि उन्नत मृदा सेंसर, पूर्व चेतावनी प्रणाली और एआई-आधारित विश्लेषण किसानों को कीटनाशकों के उपयोग को कम करने, इनपुट लागत कम करने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान, श्रीधर बाबू ने 'तेलंगाना में जलवायु-लचीली कृषि में तेजी लाने' परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की, जिसे पिछले दो वर्षों से वेमुलावाड़ा के पास तीन गांवों में फ्रौनहोफर एचएचआई के मार्गदर्शन में कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने जर्मन संस्थान से राज्य भर में इस परियोजना का विस्तार करने और अधिक किसानों तक पहुंचने का आग्रह किया। बैठक में तेलंगाना राज्य कृषि और किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी ने भाग लिया, तेलंगाना राज्य बीज निगम के अध्यक्ष अन्वेश रेड्डी, जर्मनी दूतावास (नई दिल्ली) के खाद्य एवं कृषि प्रभाग के प्रमुख वोल्कर क्लेमा, तथा फ्राउनहोफर एचएचआई के प्रतिनिधि डॉ. सेबेस्टियन बोस और डॉ. रघु चालिगंती शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई पर हमले की कोशिश पर केटी रामाराव ने जताई नाराजगी

असहिष्णुता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई, यह न्यायपालिका पर हमला

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सुप्रीम कोर्ट के अंदर भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि देश में असहिष्णुता अब खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है और यह घटना इसका डरावना उदाहरण है। रामाराव ने कहा कि यह हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी न्याय व्यवस्था पर किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि आस्था जैसे संवेदनशील मुद्दों पर असहमति जताना ठीक है, लेकिन हिंसा किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों की भी निंदा की और कहा कि जिस विचारधारा को महात्मा गांधी की हत्या पर पछतावा नहीं था, उसे अब किसी हमले पर भी पछतावा नहीं होगा। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने भी इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को जल्द सजा मिलनी चाहिए।

इंदिरम्मा आवास योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन : मंत्री पोंगुलेटी

एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे ने योजना के बारे में जानकारी ली

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य में इंदिरम्मा आवास योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की, जो बीमार होने के बाद वर्तमान में बेंगलुरू में आराम कर रहे हैं। इस अवसर पर खड़गे ने मंत्री से इंदिरम्मा आवास योजना के क्रियान्वयन, भुगतान विधि, लाभार्थियों के चयन, प्रत्येक घर की इकाई लागत आदि के बारे में जानकारी ली। भारत के किसी भी अन्य राज्य के विपरीत, केवल तेलंगाना ने ही गरीबों के लिए पांच लाख रुपये से इंदिरम्मा आवास बनाने की सुविधा प्रदान की है। इस अवसर पर मंत्री ने बताया कि सभी राज्य आवास योजनाओं में केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से काम चला रहे हैं, लेकिन तेलंगाना में गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, हमने एक ऐसी योजना तैयार की है जिससे लाभार्थी स्वयं पांच लाख रुपये से कम से कम चार सौ वर्ग फुट का घर बना सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में राज्य में घरों का निर्माण गरीबों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं हुआ है, इसलिए इंदिरम्मा घरों की मांग काफी बढ़ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने पहले चरण में इस वर्ष 22,500 करोड़ रुपये के बजट के साथ 4.50 लाख घर, प्रति निर्वाचन क्षेत्र 3500 घर बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का चयन पूरा हो चुका है और 2 लाख से अधिक घर निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने बताया कि पिछले महीने, माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी व्यक्तिगत रूप से इंदिरम्मा घरों के गृह प्रवेश में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि घर निर्माण के चरण के आधार पर, प्रत्येक सोमवार को लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे धनराशि जमा की जा रही है। हम लाभार्थियों के चयन में, राजनीति से ऊपर उठकर, पारदर्शिता बरत रहे हैं और गरीबी के आधार पर घर दे रहे हैं। हमने पहली बार जंगलों पर निर्भर बच्चों को भी इंदिरम्मा घर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में इंदिरम्मा आवास योजना में किसी भी भ्रष्टाचार या अनियमितता के बिना किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए एक विशेष कॉल सेंटर स्थापित किया है और हम कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई कर रहे हैं। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इंदिरम्मा आवास योजना के कार्यान्वयन के बारे में विस्तार से बताया, जिस पर खड़गे ने कहा कि तेलंगाना राज्य में इंदिरम्मा आवास योजना का कार्यान्वयन अच्छा रहा है और उन्होंने मंत्री पोंगुलेटी को इसी तरह आगे भी जारी रखने के लिए बधाई दी।

कुमराम भीम को उनकी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

भीम के संघर्ष को बताया साहस और आदिवासी अधिकारों का प्रतीक

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने मंगलवार को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी कुमराम भीम को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें एक योद्धा बताते हुए, जिन्होंने 'जल, जंगल, जमीन' के नारे के साथ आदिवासियों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, उन्होंने कहा कि भीम के संघर्ष की भावना तेलंगाना आंदोलन और आत्म-सम्मान की लड़ाई को प्रेरित करती रही।

रामाराव ने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार के तहत, भीम के सम्मान में आसिफाबाद जिले का नाम बदल दिया गया, उनके पैतृक स्थान जोड़ेघाट में एक स्मारक पार्क स्थापित किया गया और उनकी विरासत को याद करने के लिए हैदराबाद में एक प्रमुख आदिवासी भवन का निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि भीम का जीवन साहस, आत्म-सम्मान और उत्पीड़न के विरूद्ध प्रतिरोध का प्रतीक है तथा यह भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी प्रेरणा है।

चोरी करने वाले अपराधी गिरफ्तार, आभूषण बरामद

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस ने घर में चोरी करने वाले एक अपराधी को तरनाका से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी का लगभग 14.5 तोला सोना बरामद किया। पुलिस के अनुसार आरोपी मरनेनी बाला धीरज फिजियोथेरेपिस्ट है। वह कार्तेकाया नगर, नाचाराम, मेडचल-मलकजगिरी का रहने वाला है। इसके पहले भी चोरी के मामले में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है।

इस मामले के शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह तारनाका, सिकंदराबाद, हैदराबाद में रहते है। बीते 27 सितंबर को लगभग 5:30 बजे परिवार के सभी सदस्य अपने बेटे और बहू को छोड़ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, शमशाबाद गए थे। इसके शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी उन्हें छोड़कर घर लौट आए और पहली मंजिल के बेडरूम में सो गए। जब शिकायतकर्ता ने कुछ कपड़े लेने के लिए अपने बेटे के बेडरूम को खोला तो उसने देखा कि कमरे का सारा सामान अलग-अलग जगहों पर बिखरा हुआ था। इसके अलावा, उन्होंने देखा कि एक लॉकर बॉक्स से सोने के आभूषण, नकदी आदि गायब है। पुलिस ने मामले की छानबीन करने के बाद सोमवार को एस. रवि कुमार, डिटेक्टिव-इंस्पेक्टर ने अपनी टीम के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

सीतक्का ने कोमरम भीम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने मंगलवार को महान आदिवासी शहीद कुमरम भीम को उनकी 85वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने हैदराबाद के टैंक बंड में कोमरम भीम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम आदिवासी संयुक्त मंच तेलंगाना द्वारा आयोजित किया गया था। जैसे ही उन्होंने कोमाराम भीम की प्रतिमा पर माला चढ़ाई, आदिवासी ढोल वादकों ने सीतक्का का गर्मजोशी से स्वागत किया और "जोहार कोमरम भीम... हम कोमरम भीम के सपनों को पूरा करेंगे" का नारा लगाया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी विकास के उद्देश्य से पहल करके कोमाराम भीम की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए समर्पित है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आदिवासी परिवारों के लिए विशेष इंदिरम्मा आवास आवंटित किए गए हैं, सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में भूमि अधिकार स्थापित किए गए हैं, और आदिवासी भर्ती को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट उपाय शुरू किए गए हैं।

सीतक्का ने कहा कि एजेंसी क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु सरकारी आदेश संख्या 3 को बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि कोमरम भीम को सच्ची श्रद्धांजलि केवल औपचारिक आयोजनों के बजाय आदिवासी समुदायों को भूमि, आवास और रोजगार के अवसरों से सशक्त बनाने में निहित है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के "जल, धन और रोजगार" के आह्वान और "जल, जंगल, जमीन" के लिए आदिवासी संघर्ष के बीच तुलना की, यह दर्शाता है कि दोनों आंदोलन आत्मनिर्णय और न्याय के लिए एक समान प्रेरणा साझा करते हैं। सीतक्का ने कोमरम भीम की पुण्यतिथि को औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री एवं आदिवासी कल्याण मंत्री बी. लक्ष्मण का आभार व्यक्त किया। मंत्री ने लोगों से इस सम्मानित नेता के बलिदान से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें उनके संघर्षों का सम्मान करना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के लाभ के लिए उनके आदर्शों को बढ़ावा देना चाहिए।

महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं सभी के लिए मार्गदर्शक : रामचंद्र राव

प्रदेश भाजपा ने महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना राज्य नुसूचित जाति मोर्चा के तत्वावधान में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके प्रेरक जीवन को याद किया।

उन्होंने कहा कि मानव समाज को सत्य, धर्म, न्याय और नैतिकता का मार्ग दिखाने वाले महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। भाजपा प्रदेश महासचिव वेमुला अशोक, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एस. कुमार, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कांतिकरण आदि ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि राज्य सरकार महर्षि वाल्मीकि की विरासत से जुड़े समुदाय की पूरी तरह उपेक्षा कर रही है। दरअसल, वाल्मीकि समुदाय पिछड़े वर्ग का हिस्सा है। हालांकि, राज्य सरकार वाल्मीकि समुदाय की उपेक्षा कर रही है। हाल ही में, गद्वाल क्षेत्र में बोया वाल्मीकि बंधुओं ने मुझसे मुलाकात की और अपनी समस्याएं बताईं। उन्होंने बताया कि उन्हें एमआरओ कार्यालयों में जाति प्रमाण पत्र भी नहीं दिए जा रहे हैं।

राज्य सरकार की वाल्मीकि समुदाय के प्रति उपेक्षा अन्याय है। अभी भी, सरकार को वाल्मीकि बोया के कल्याण और उनकी समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राज्य सरकार बार-बार दावा करती रही है कि वह पिछड़ी जातियों और पिछड़े वर्गों के साथ न्याय कर रही है। लेकिन वास्तविक स्थिति बिल्कुल अलग है। राज्य भर में कल्याण छात्रावास और गुरुकुल शिक्षण संस्थान गंभीर संकट में चल रहे हैं। वर्तमान में, लगभग 6 लाख 70 हजार छात्र गुरुकुल विद्यालयों में पढ़ रहे हैं। लेकिन उनके पास न तो खाने के लिए उचित भोजन है और न ही उनके पास सुरक्षित भवन हैं। राज्य के अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जातियों के छात्रावास और गुरुकुल अपने स्वयं के भवनों के बजाय किराए के भवनों में चल रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा बकाया किराया न देने के कारण, मालिक भवनों पर ताला लगा रहे हैं। परिणामस्वरूप, छात्रों को घटिया भोजन, आंशिक भोजन या भोजन की कमी के कारण गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ स्थानों पर, जीर्ण-शीर्ण गुरुकुल भवनों की मरम्मत नहीं की जा रही है। कांग्रेस सरकार को सबसे पहले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए गुरुकुलों में सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए पर्याप्त धनराशि जारी करनी चाहिए। सभी छात्रावासों में आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

साइबर धोखाधड़ी : फर्जी बिगबास्केट वेबसाइट से 1.9 लाख रुपये का नुकसान

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूसुफगुडा का एक 36 वर्षीय व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार बन गया, जब वह लोकप्रिय किराना प्लेटफॉर्म बिगबास्केट की नकल करने वाली फर्जी वेबसाइट के माध्यम से किराने का सामान खरीदने की कोशिश कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने 30 सितंबर को असामान्य रूप से कम दामों पर सामान मिलने पर ऑर्डर दिया। 2 अक्टूबर को, एक व्यक्ति ने खुद को बिगबास्केट के ग्राहक सेवा अधिकारी के रूप में पेश करते हुए लंबित भुगतान करने के लिए कहा। जालसाज़ ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी, जिसे पीड़ित ने इंस्टॉल किया और ई-वॉलेट के माध्यम से 360 रुपये का भुगतान किया। इसके तुरंत बाद उन्हें एसएमएस मिला, जिसमें उनके क्रेडिट कार्ड से 1.9 लाख रुपये की अनाधिकृत डेबिट की जानकारी थी। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि धोखेबाजों ने कॉल फॉरवर्डिंग सुविधा सक्रिय कर पीड़ित के बैंकिंग संदेश इंटरसेप्ट किए।

कविता ने जनजातीय अधिकारों के लिए जागृति के संघर्ष का संकल्प लिया

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने मंगलवार को हैदराबाद के टैंक बंड स्थित कोमरम भीम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी जयंती मनाई। अपने भाषण के दौरान, कविता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कोमरम भीम एक उल्लेखनीय नेता थे जिन्होंने देश को पीढ़ियों से अपने समुदायों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, जहां कुछ व्यक्तियों का जन्म इतिहास के पन्नों में दर्ज होता है, वहीं कुछ की मृत्यु भी इतिहास को आकार देती है। कोमाराम भीम ने अपने बलिदान के माध्यम से जनजातीय लोगों के लिए अनेक अधिकार सुनिश्चित किए। कविता ने जोर देकर कहा, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से, कोमाराम भीम को उचित मान्यता मिली है। पिछली सरकार गुसादी उत्सवों के लिए प्रत्येक आदिवासी गांव को 25,000 रुपये प्रति वर्ष की धनराशि प्रदान करती थी। बढ़ती लागत को देखते हुए, कांग्रेस सरकार को इन आयोजनों के लिए इस राशि को बढ़ाकर 50,000 रुपये कर देना चाहिए। ये उत्सव आदिवासी संस्कृति के प्रतीक हैं, जिन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से आदिवासी क्षेत्रों में प्रगति रुक गई है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को प्रसूति सेवाओं तक पहुंच नहीं मिल पा रही है। कविता ने कहा कि जागृति कोमाराम भीम से प्रेरणा लेकर इन चुनौतियों का समाधान कर रही है। कविता ने कहा, हम अपनी आदिवासी शाखा की अध्यक्ष लोकिनी राजू के नेतृत्व में आदिवासी समुदायों के साथ चर्चा कर रहे हैं। आदिवासियों के अधिकारों की वकालत के लिए एक कार्ययोजना जल्द ही घोषित की जाएगी।

आरटीसी किराया बढ़ोत्तरी के विरोध में बीआरएस विधायकों ने बस से की यात्रा

विधायकों ने कहा- किराया वृद्धि से गरीबों पर बोझ, सरकार तुरंत फैसला वापस ले

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी किराया बढ़ोत्तरी के विरोध में बीआरएस विधायक डी सुधीर रेड्डी, कलेरू वेंकटेश और मुथा गोपाल ने मंगलवार को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान से विधानसभा तक एक सिटी बस से यात्रा की। उन्होंने मांग की कि सरकार यात्रियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अपने फैसले को तुरंत वापस ले। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए, विधायकों ने इस बोझ का अनुभव किया और यात्रियों से सीधे तौर पर प्रतिक्रिया ली। उनसे बातचीत करते हुए, कई यात्रियों ने इस भारी बढ़ोत्तरी पर नाराजगी जताई और कहा कि इस बढ़ोत्तरी से दैनिक यात्रियों पर हर महीने 400-500 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कई लोगों ने सरकार पर सेवाओं में सुधार करने में विफल रहते हुए गरीबों पर बोझ डालने का आरोप लगाया। विधानसभा के पास उतरने के बाद, बीआरएस विधायकों ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने वाहन कर, शराब की कीमतों और छात्र बस पास सहित कई बढ़ोत्तरी करके गरीब विरोधी साबित कर दिया है। उन्हें डर है कि आरटीसी के किराए में बढ़ोत्तरी का यात्रियों और आरटीसी दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जिससे आरटीसी वित्तीय संकट में फंस जाएगा। विधायकों ने कहा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी जहां भी संभव हो, लोगों से पैसा ऐंठने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने शासन में बदलाव लाने का वादा किया था, जो आम नागरिकों पर बोझ के अलावा कुछ नहीं साबित हो रहा है। किराए में तत्काल कटौती की मांग करते हुए, उन्होंने कसम खाई कि जब तक यह फैसला वापस नहीं लिया जाता, बीआरएस अपना आंदोलन जारी रखेगा।

ट्रैक्टर चालक ने नाबालिग के साथ किया रेप, हत्या

जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा आरोपी

नलगोंडा, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे में मंगलवार को एक नाबालिग लड़की के साथ एक ट्रैक्टर चालक ने कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लड़की पिछले कुछ महीनों से गुट्टा किंडा अन्नाराम गांव के ट्रैक्टर चालक गद्दाम कृष्णा से प्रेम करती थी।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कृष्णा ने सुबह लगभग 8:30 बजे उसे कॉलेज जाते समय रोका था।

उसने उसे शम्सनगर रोड नंबर 8 स्थित अपने एक दोस्त के कमरे पर चलने के लिए मना लिया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर गुस्से में आकर, संभवतः किसी विवाद के बाद, गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना के बाद व्यापक हंगामा हुआ और पीड़िता के परिवार ने विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही नलगोंडा के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शिवराम रेड्डी घटनास्थल पर पहुंचे। बलात्कार, हत्या और पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर लिए हैं और विस्तृत जांच जारी है। पुलिस कृष्णा की तलाश कर रही है, जो घटनास्थल से फरार हो गया था। डीएसपी रेड्डी ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया, हम गवाहों से पूछताछ कर रहे हैं और आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

पिता को बेटे ने पीट-पीटकर मार डाला

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगर शाबाद में एक व्यक्ति को उसके बेटे ने घरेलू झगड़े के बाद कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। दामरलापल्ली निवासी कुम्हारी सदानन्दम (52) कुम्हार का काम करके अपनी आजीविका कमाते थे। पुलिस के अनुसार, रविवार देर रात उनकी पत्नी सुजाता के साथ गरमागरम बहस हुई। पिता द्वारा मां पर हमला करने से गुस्साए उनके बेटे नरेश (30) ने हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर सदानंदम को कई बार मुक्का मारा। सदानंदम मौके पर ही गिर पड़े और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मृत्यु हो गई। शाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर नरेश को गिरफ्तार कर लिया, जिसे बाद में सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.